वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)–123031

अनुक्रम

क्र.सं.	सूची	पृ.सं.
1.	कुलपति की कलम से	2-3
2.	विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न	4
3.	विश्वविद्यालय के बारे में	5-10
4.	विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ प्रयास	11
5.	विश्वविद्यालय कोर्ट	12-14
6.	कार्यकारी परिषद्	15
7.	शैक्षणिक परिषद्	16-17
8.	वित्त समिति	18
9.	कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का प्रमुख शैक्षणिक गतिविधियों एवं अनुसंधान में योगदान	19-23
10.	विश्वविद्यालय के विभाग और उनके अन्तर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र नामांकन	24-26
11.	विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों का विवरण	27-34
12.	शुल्क संरचना	35-43
13.	वर्ष के दौरान छात्रों की उपलब्धियों का सारांश	44
14.	वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के प्रकाशनों का सारांश	45
15.	वर्ष के दौरान स्कोपस इम्पैक्ट फैक्टर के साथ प्रकाशित शोधपत्र	46-53
16.	पिछले पाँच वर्षों के अत्याधिक उद्धृत शोध–पत्र	54-57
17.	31 मार्च, 2019 तक बाह्य वित्तपोषित परियोजनाओं की सूची	58-63
18.	वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान	64
19.	विश्वविद्यालय के प्रमुख उल्लेखनीय कार्यक्रम	65-68
20.	विश्वविद्यालय पुस्तकालय	69-71
21.	वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मुख्य कार्यक्रम/आयोजन	72-75
22.	विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ/क्लब/सोसायटी व उनकी गतिविधियाँ	76-80
23.	वर्ष की मुख्य गतिविधियों की झलकियाँ	81-86
24.	समाचार–पत्रों में विश्वविद्यालय	87-98

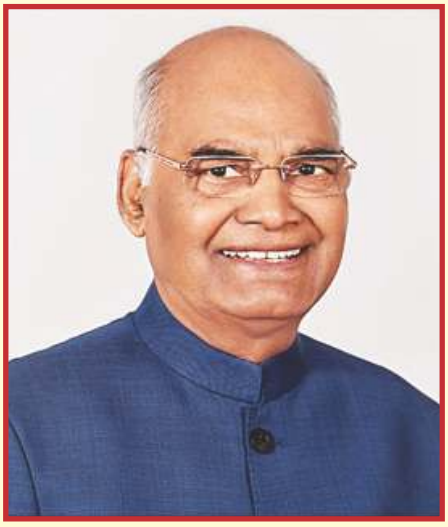

श्री रामनाथ कोविन्द

भारत के माननीय राष्ट्रपति

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष

''हमारे देश के सम्मुख कुछ विशिष्ट चुनौतियाँ हैं, जिनका समाधान करने में विश्वविद्यालयों को अग्रणी भूमिका निभानी होगी। इनमें से कुछ का समाधान केवल रचनात्मकता और नवोन्मेष के द्वारा ही किया जा सकता है।''

प्रो. रमेश चन्द्र कुहाड़

एफएनएएससी, एफएनएएएस, एफएएमएससी, एफबीआरएस

कुलपति

कुलपति की कलम से...

सत्र 2018–19 के लिए हमारे प्रदर्शन और उपलब्धियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे अतिशय प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। बीता हुआ वर्ष विश्वविद्यालय में परिवर्तनों और सकारात्मक विकास का साक्षी रहा है। विश्वविद्यालय ने उत्कृष्टता का समावेश कर अपने शिक्षण और अनुसन्धान क्षमताओं का अधिकाधिक संवर्धन करते हुए और विद्यार्थियों को विशिष्ट अनुभव प्रस्तुत करने के उद्देश्य से अपने आन्तरिक संचालन की समीक्षा की और अपनी शैक्षणिक संरचना का विस्तार किया।

अपने ग्यारहवें स्थापना वर्ष में प्रवेश करते हुए, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक उभरते संस्थान की प्रतिष्ठा अर्जित की है। हम विश्व स्तर की आधारभूत संरचना निर्मित करने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं और उत्साह और आशा से भविष्य की ओर निहार रहे हैं। शैक्षिणिक क्षितिज का विस्तार करते हुए, विश्वविद्यालय अब अध्ययन के विभिन्न विभागों और संकायों के अंतर्गत 60 शैक्षिणिक कार्यक्रम प्रदान कर रहा है, और विनियामक प्राधिकरणों से आवश्यक अनुमति के बाद तीन नए कार्यक्रमों को शीघ्र ही शामिल किया जाना है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में हरियाणा के अतिरिक्त अन्य राज्यों के 40 प्रतिशत विद्यार्थियों का नामांकन किया जाना, उच्च शिक्षा में विविधता, समावेशिता और गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने हेतु विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता प्रकट करता है। इसी प्रकार, विश्वविद्यालय छात्राओं के नामांकन को प्रोत्साहित करने में भी सदैव सफल रहा है।

परिसर में अधिगम गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने अपनी भौतिक और शैक्षणिक संरचना का विस्तार किया है। सभी विज्ञान और अभियान्त्रिकी विभागों ने स्नातक/स्नातकोत्तर और शोध विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त प्रयोगशालाएँ और शोध की सुविधाएँ विकसित की हैं। सभी शैक्षणिक खंडों में मेसिव ओपन लर्निंग पाठ्यक्रम (एमओओसी) के निर्माण और विकास की प्रक्रिया के लिए डिजिटल कक्षाओं की सुविधा है, और अन्तिम सेमेस्टर के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित कुछ एमओओसी स्वयम् (SWAYAM) प्लेटफॉर्म पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले पाठ्यक्रमों में से एक थे। ई–सामग्री के इष्टतम उपयोग के लिए संकाय और विद्यार्थियों को और अधिक प्रेरित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने हाल ही में शैक्षिक संचार केन्द्र (CEC), दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह विश्वविद्यालय को शैक्षिक संचार केन्द्र (CEC) के पास उपलब्ध ई–सामग्री को प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय अभिनव शैक्षणिक उन्नति को अपनाते हुए, प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों/संगठनों के विशेषज्ञों के साथ 'ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क' (GIAN) कार्यक्रमों को नियमित विशेषता के रूप में आयोजित करता है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य भी प्रकाशनों, अनुसन्धान परियोजनाओं, पेटेंट, परामर्शी परियोजनाओं और सहयोगी अनुसन्धान प्राथमिकताओं में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं। विश्वविद्यालय विविधता, समावेशिता और 'कार्यक्षेत्र और प्रभाव क्षेत्र को विस्तारित करने' (आउटरीच) पर ध्यान केन्द्रित करता है जो ''आउटरीच एवं समावेशिता'' मानदण्ड के आधार पर राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) की वर्ष 2019 की

रैंकिंग में 56.18 का स्कोर प्राप्त करने से परिलक्षित होता है। शिक्षा जगत् की उद्योग जगत् के साथ पारस्परिक संबद्धता को सुधारने और सुदृढ़ करने के लिए विश्वविद्यालय ने कई प्रसिद्ध कंपनियों के साथ संबद्धता स्थापित की है। मुझे आशा है कि हमारे प्रतिभाशाली शिक्षकों का प्रभावशाली प्रदर्शन आने वाले वर्षों में इन प्रयासों को और अधिक गति प्रदान करेगा।

अनुसन्धान और नवोन्मेषों की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय ने वर्ष भर में व्यक्तिगत संकाय द्वारा किए गए उत्कृष्ट अनुसन्धान योगदान के आधार पर वार्षिक सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार को संस्थागत नियमित स्वरूप प्रदान किया है। विश्वविद्यालय ने संकाय प्रस्तुतियों, अकादमिक लेखा–परीक्षा और अनुसन्धान–परिणामों के आधार पर मूल्यांकन किए गए विभागों की वार्षिक रेटिंग भी प्रस्तुत की है।

हमारा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के कल्याण और उन्नति को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, और इस प्रकार संकाय सदस्यों को उत्साहित करता है कि वे प्रत्येक विद्यार्थी को उसके लिए विशिष्ट अनुकूल परामर्श देवें। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों का सहयोग, समर्थन और सशक्तिकरण करना और उन्हें विश्वविद्यालय जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सहायता प्रदान करना है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, हमारे विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की शिकायतों के निवारण के लिए सुदृढ़ तन्त्र स्थापित किया है। हमारे कर्मचारियों, संकाय–सदस्यों और विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की सामाजिक आउटरीच प्राथमिकताओं के सहभागियों के रूप में केन्द्र और राज्य सरकार के कल्याण कार्यक्रमों में अपने आपको सक्रिय रूप से संलग्न किया है।

आने वाले वर्षों में इस प्रकार के उत्कृष्ट परिणाम देने और उन परिणामों के आधार पर सुधार की प्रक्रिया निरन्तर गतिशील रखने में सक्षम होने के लिए, सभी हितधारकों को एक टीम के रूप में, सही दृष्टि, सही योजना और सही व्यक्तियों के साथ मिलकर काम करना होगा। हमें एकजुट होकर विश्वविद्यालय के उद्देश्य और कल्पना को साकार करने का प्रयास करना चाहिए और विश्वविद्यालय को भारतीय संस्कृति और विरासत को सुपोषित करने वाले पथ पर अग्रसर करने की संभावनाओं को चरितार्थ करने वाले विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने के अपने कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए।

मैं सर्वोत्तम प्रथाओं, प्राथमिकताओं, नवीन शिक्षा पद्धतियों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसन्धान के लिए सुपरिभाषित दृष्टिकोण का समुचित अंगीकरण करने की कार्यप्रणाली जारी रखते हुए, हमारी पिछले वर्षों की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों के आधार पर अधिकाधिक प्रगति की आशा करता हूँ।

(प्रो. आर.सी. कुहाड़)

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न

'उपलब्धियाँ... आत्मविश्वास के साथ'

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न तीन वृत्तखंडों की त्रिवेणी से बना है, जिसके बीच में एक ग्लोब है। इसके नीचे भर्तृहरि द्वारा रचित 'नीतिशतकम्' से लिया गया एक श्लोकांश उद्धृत है।

नीचे वाले वृत्तखंड में एक खुली हुई पुस्तक है जो ज्ञान, विद्वत्ता और विवेक की प्राप्ति की ललक का प्रतीक है, एक वीणा अंकित है, जो इस बात का प्रतीक है कि विश्वविद्यालय कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दायीं ओर के वृत्तखंड में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं साहस के प्रतीक अंकित हैं जिससे प्रदर्शित होता है कि विश्वविद्यालय वैज्ञानिक एवं साकल्यवादी विकास को बढ़ाने व सृजन एवं नवोन्मेष की संस्कृति को विकासित करने के लिए कृतसंकल्प है।

बायीं ओर के वृत्तखंड में प्रकृति का चित्रण है जिससे संकल्पित होता है कि विश्वविद्यालय जीवन–मूल्यों से ओत–प्रोत शिक्षा, सदाचार युक्त जीवन, प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति आदर, एवं सौहार्द की भावना विकसित करेगा।

प्रतीक चिह्न के केन्द्र में मानव–शृंखला से घिरा हुआ ग्लोब और उसके ऊपर उड़ता हुआ कबूतर अभिव्यक्त करता है कि तीनों वृत्तखंडों की त्रिवेणी द्वारा जो प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की गई हैं, उनके द्वारा विश्व में स्वतन्त्रता, शान्ति, समृद्धि और एकता का विकास होगा, जो शिक्षा का मूल उद्देश्य भी है।

नीचे उद्धृत श्लोक **'विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्'** का अर्थ है कि 'शिक्षा' रूपी धन ही सर्वोत्तम धन है, जिसकी तुलना में अन्य सभी धन व्यर्थ हैं।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बारे में

विश्वविद्यालय

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के तहत स्थापित हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जिसका नियन्त्रण एवं वित्त–पोषण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं मानव संसाधन विकास मन्त्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दक्षिण हरियाणा के महेन्द्रगढ़ जिले के अन्तर्गत जांट–पाली गांवों में स्थित है। महेन्द्रगढ़ अब विस्तारित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का हिस्सा है और नई दिल्ली से लगभग 125 किलोमीटर दूर है। यह रेल सेवा के माध्यम से दिल्ली से जुड़ा हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष

भारत के महामहिम राष्ट्रपति माननीय **श्री रामनाथ कोविन्द**

कुलाधिपति

माननीय प्रो. एम.पी. सिंह (08 जुलाई, 2018 तक)

माननीय प्रो. (डॉ.) पी.एल. चतुर्वेदी (09 जुलाई, 2019 से)

कुलपति

माननीय प्रो. आर.सी. कुहाड़

एफएनएएससी, एफएनएएएस, एफएएमएससी, एफबीआरएस

लक्ष्य

नवप्रवर्तन, रचनात्मक प्रयासों तथा विद्वत्तापूर्ण अन्वेषणों को प्रोत्साहित करके सभी को ज्ञानी–समाज का प्रबुद्ध नागरिक बनाना ताकि व्यक्ति, राष्ट्र और सम्पूर्ण विश्व शान्ति एवं समृद्धि को प्राप्त कर सके।

ध्येय

विश्वविद्यालय का ध्येय है, भारत का समग्र विकास एवं पूर्ण आत्मनिर्भरता। इसमें विश्वविद्यालय की मुख्य भूमिका होगी, रचनात्मक एवं आलोचनात्मक विचारों को प्रोत्साहन देना, बहुविषयी शिक्षण, उज्ज्वल चरित्र निर्माण एवं नैतिक मूल्यों से ओतप्रोत पारदर्शी कार्यप्रणाली विकसित करना, ज्ञानी समाज के निर्माण का पथ प्रशस्त करना। शिक्षण, अनुसन्धान एवं नवप्रवर्तन को और अधिक सटीक एवं प्रायोगिक बनाना। सामाजिक अनुसन्धान, लोकतान्त्रिक प्रवृत्ति, समावेशी सामाजिक, आर्थिक विकास, समुदायिक विस्तार अभियान, वैज्ञानिक प्रयास एवं तकनीकी प्रगति।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

- विद्याओं के प्रसार एवं उन्नति के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण एवं अनुसन्धान की सुविधाएँ प्रदान करना।
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रमों में समेकित पाठ्यक्रम शुरु करने के लिए विशेष प्रावधान करना।
- अध्ययन अध्यापन, अंतर्विषयी अध्ययन तथा अनुसन्धान में नवाचारों को प्रोत्साहित करने हेतु उचित व्यवस्था करना।
- देश के विकास के लिए श्रमिकों को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की उन्नति के लिए उद्योगों से सम्बन्ध स्थापित करना।
- लोगों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों में सुधार, लोक–कल्याण, बौद्धिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक उत्थान हेतु विशेष प्रयास।

गुणवत्ता का संकल्प

सर्वोत्कृष्ट शिक्षा, सही दिशा में अनुसन्धान और अन्य शैक्षिक पहलुओं को श्रेष्ठ बनाकर निरन्तर प्रगति के द्वारा समाज का सर्वांगीण विकास। गम्भीरता, दृढ़ संकल्प, अन्वेषण, सदाचार, ईमानदारी, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, सतत आत्म मूल्यांकन एवं आत्मसुधार के द्वारा स्वस्थ समाज की नींव डालना।

विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध सुविधाएँ

क. नवाचार, अंतःविषय और कौशल आधारित कार्यक्रमों का प्रारम्भ –

1) **स्नातकोत्तर स्तर पर चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) का कार्यान्वयन** : विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2015–16 से ही सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में रुचि अनुसार क्रेडिट चयन प्रणाली (सीबीसीएस) को लागू कर दिया गया है। किसी भी स्नातकोत्तर कार्यक्रम में बहु–विषयी और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों में से कोई भी क्रेडिट चुनकर डिग्री के लिए आवश्यक क्रेडिट्स की संख्या को पूरा किया जा सकता है।

2) **शैक्षणिक नेटवर्क के लिए वैश्विक पहल (ज्ञान)** – विश्वविद्यालय को पंद्रह 'ज्ञान' कोर्स पुरस्कृत हुए हैं। ये कोर्स स्टार्टर और स्टार्ट–अप्स, उद्यमिता, कौशल–विकास, सूक्ष्मजीव, जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से सतत विकास एवं इसी प्रकार के कई क्षेत्रों के लिए उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कई विभिन्न क्षेत्र जैसे स्वास्थ्य और पोषण, जैव रासायनिक तकनीक एवं नवीन जांच उपकरण, नवोन्मुख शैक्षणिक अधिगम, भूभौतिक तकनीक एवं पृथ्वी–विज्ञान, पर्यावरण–अध्ययन एवं ऊर्जा–संरक्षण, नवोन्मुख गणितीय तकनीक, भाषा और भाषा अध्ययन विचाराधीन हैं। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से उपर्युक्त क्षेत्रों में प्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं का एक नेटवर्क बनाया जाए ताकि शैक्षिक शोध, अनुसन्धान और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ भागीदारी स्थापित की जा सके।

3) **दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र योजना के तहत बी.वॉक. कार्यक्रम** – विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र योजना के तहत तीन बी.वॉक कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2015–16 से ही संचालित हैं। ये कोर्स खुदरा और रसद प्रबन्धन, जैवचिकित्सा विज्ञान और औद्योगिक अपशिष्ट प्रबन्धन के क्षेत्र में उपलब्ध हैं। इसका मुख्य उद्देश्य उद्यमशीलता और कौशल के विकास को बढ़ावा देना है।

4) **स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ** – इस पीठ की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से पांच वर्षों के लिए की गई है तथा अगले दो वर्षों तक बढ़ाई जा सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य महर्षि दयानन्द सरस्वती के उपदेशों का, विशेष रूप से समाज–सुधार के संदेशों का प्रचार–प्रसार करना है। इसके लिए देश भर के विश्वविद्यालयों, अनुसन्धान–संस्थानों, पीठों आदि के सहयोग से संगोष्ठियां, कार्यशालाएँ, ग्रीष्म–पीठों एवं अनुसन्धान परियोजनाओं का आयोजन किया जाता है, तथा सहभागिता सुनिश्चित की जाती है।

5) **छात्र–परामर्श–प्रणाली**– विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप एक मजबूत और संवेदनशील परामर्श प्रणाली गठित है। छात्र–परामर्श–प्रणाली में ऐसे परामर्शदाता नियुक्त हैं, जो छात्रों को व्यक्तिगत परामर्श देते हैं, उसके बाद कक्षा एवं विभाग स्तर पर भी परामर्श दिया जाता हैं। छात्रावास में भी इसी प्रकार की चरणबद्ध परामर्श–प्रणाली गठित है।

ख. ऑनलाइन सुविधाएँ –

1) **प्रवेश–प्रक्रिया**– विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में तथा छात्रावासों में प्रवेश–प्रक्रिया पूर्णरूप से ऑनलाइन है।

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एम.फिल् पाठ्यक्रमों में प्रवेश :

- सीयूसीईटी (केन्द्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा) के माध्यम से प्रवेश–परीक्षा। यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है।
- विश्वविद्यालय में अन्तिम प्रवेश तभी दिया जाता है, जब उनकी प्राथमिकता में यह विश्वविद्यालय होता है, यह चयन–प्रक्रिया भी पूर्णतया ऑनलाइन है।
- ऑनलाइन प्रवेश फार्म के साथ दस्तावेजों की स्कैन की गई प्रति प्रस्तुत करने की सुविधा है।
- काउंसिलिंग और दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन ऑफलाइन किया जाता है।
- प्रवेश शुल्क ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों तरह से जमा किया जा सकता है।

पीएच.डी. में प्रवेश :

- प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है।
- प्रवेश परीक्षा ऑफलाइन होती है।
- अभ्यर्थियों की शॉर्टलिस्टिंग और प्रवेश फॉर्म भरना ऑनलाइन है।
- काउंसिलिंग और दस्तावेजों का सत्यापन ऑफलाइन होता है।
- शुल्क ऑनलाइन जमा किये जाते हैं।

2) **ई–संसाधन**– विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी, ई–पुस्तकें, जजमेंट सूचना प्रणाली, राष्ट्रीय विज्ञान डिजिटल पुस्तकालय, ऑनलाइन सामग्रियों की रिपॉजिटरी, भारत सरकार की वेब–डायरेक्ट्री, एनपीटीईएल, ई–शोध सिन्धु, ई–पीजी पाठशाला जैसे सभी ई–संसाधन उपलब्ध हैं।

3) **ऑनलाइन प्रशासनिक और छात्र सम्बधित फॉर्म** – सभी प्रकार के फॉर्म जैसे पहचान पत्र हेतु आवेदन पत्र, पुस्तकालय सदस्यता फार्म, वाईफाई पासवर्ड फॉर्म, छुट्टी फॉर्म, एलटीसी फार्म, आदि ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

4) **ऑनलाइन भर्ती फॉर्म**– विश्वविद्यालय में सभी प्रकार के भर्ती आवेदन फॉर्म ऑनलाइन किये जा रहे हैं। प्रशासनिक एवं शिक्षकेतर पदों पर भर्ती हेतु जारी प्रक्रिया में आवेदन प्रपत्र भरने के लिए यही प्रक्रिया अपनाई गई।

ग. सफलताओं के परचम –

(1) **हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में नवाचार** – नवाचार, कौशल और उद्यमिता विकास केन्द्र (सीआईएसई डी) की स्थापना की गई है। इस केन्द्र में प्रदर्शनियाँ, नवाचार सम्मेलन, शोध यात्राएँ आदि आयोजित की जा रही हैं। समेकित और सतत विकास के लिए विश्वसनीय नवाचारों और नई तकनीकों का विकास किया जा रहा है तथा जमीनी स्तर और राज्य स्तर पर प्रयास जारी हैं।

क) **अपशिष्ट से सम्पदा :** विश्वविद्यालय में कचरे को सम्पदा में बदलने के लिए स्वस्थ प्रयास किए जा रहे हैं। यहाँ तक कि बेकार लकड़ियों से उपयोगी एवं सजावटी वस्तुएं बनाई जा रही हैं। दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र योजना के तहत औद्योगिक अपशिष्ट प्रबन्धन में एक पूरा का पूरा बी.वॉक कार्यक्रम चलाया जा रहा है ताकि औद्योगिक अपशिष्टों को उपयोगी उत्पादों में बदलने के लिए तकनीकों का विकास और प्रचार प्रसार किया जा सके।

ख) **पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग**– विश्वविद्यालय परिसर में संसाधनों के समुचित उपयोग एवं संरक्षण का पूरा ध्यान रखा जाता है। विश्वविद्यालय में अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के लिए सक्रिय शोधन संयंत्र है, जिसके द्वारा जल को शुद्ध करके उसका उपयोग बगीचों और पौधों को सींचने में किया जाता है। सीआईएसईडी के माध्यम से विश्वविद्यालय में नवीन खोजों पर बल दिया जा रहा है, ताकि विभिन्न अपशिष्ट पदार्थों, खासकर प्लास्टिक की बोतलों, प्लेट आदि का पुनः उपयोग किया जा सके।

ग) **स्थानीय तकनीक को बढ़ावा देना**– सीआईएसईडी के माध्यम से विश्वविद्यालय नवाचारों के द्वारा ऊर्जा संरक्षण में संलग्न है। सीआईएसईडी ने एक कार विकसित की है जो हवा से चलती है। एक ऐसी कार का प्रोटोटाइप तैयार किया गया है, जो सौर ऊर्जा, यान्त्रिक ऊर्जा, ध्वनि ऊर्जा जैसी अक्षय ऊर्जा से चलेगी। इस प्रोटोटाइप को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित इलेक्ट्रिक एक्सपो–2016 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस केन्द्र के कुछ इनोवेटर्स ने नये तरह के स्पीड ब्रेकर बनाए हैं। जब इनसे होकर गाड़ियाँ गुजरेंगी, तो इससे इतनी ऊर्जा उत्पन्न की जा सकेगी कि एलईडी बल्ब जलाए जा सकें।

(2) **उद्योग और शिक्षा को अन्तर्सम्बन्धित करने के लिए अनुबन्ध** – ई–कन्टेंट, 'मूक्स', 'ज्ञान' आदि के विकास एवं प्रसार के द्वारा अध्ययन–अध्यापन के क्षेत्र में नए आदर्श स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय में सबसे अच्छे अधिगमों को अपनाया जाता है। विश्वविद्यालय में उद्योग एवं अन्तर्सम्बन्ध, शिक्षा के बीच

अन्तर्सम्बन्ध स्थापित करके एक सशक्त नेटवर्क तैयार करने के लिए उद्योगों/अनुसन्धान संस्थानों/इनक्यूबेशन सेंटर / शैक्षणिक संस्थानों के साथ 10 समझौता–ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

क) **उद्योगों के लिए शुरु किए गए शैक्षणिक कार्यक्रम** – उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय में दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र योजना के तहत 3 बी.वॉक कार्यक्रम शुरू किए गए हैं तथा अभियान्त्रिकी और प्रौद्योगिकी पीठ के अन्तर्गत 4 बी.टेक. कार्यक्रम शुरु किए गए हैं।

ख) **उद्योग–सम्बद्ध एवं पुनरीक्षित पाठ्यक्रम**– विश्वविद्यालय में प्रत्येक विभाग के कार्यक्रमों में एक उद्योग विशेषज्ञ को शामिल करने की कार्रवाई चल रही है। सभी विभागों के पाठ्यक्रम उद्योग–सम्बद्ध हैं, और उद्योगों की तत्कालीन आवश्यकतानुसार शोधित किए जाते हैं। उद्योगों के अनुरूप शिक्षा से छात्रों की रोजगार क्षमता भी बढती है। विश्वविद्यालय में औद्योगिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को सहायक संकाय के रूप में जोड़ने पर भी विचार किया जा रहा है।

ग) **इनक्यूबेशन केन्द्र की स्थापना** – विश्वविद्यालय में अटल इनक्यूबेशन केन्द्र योजना के तहत इनक्यूबेशन केन्द्र स्थापित करने के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव नीति आयोग को सौंप दिया गया है। एसवीआई एनालिटिका, नई दिल्ली; नवोन्मेषी एवं अनुप्रयुक्त जैव प्रसंस्करण केन्द्र, मोहाली; प्रौद्योगिकी आधारित इनक्यूबेटर (टीबीआई), दिल्ली विश्वविद्यालय; राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी), नई दिल्ली और भारत के राष्ट्रीय सहकारी संघ, नई दिल्ली के साथ भी सम्बध स्थापित किए गए हैं।

घ. विश्वविद्यालय में अनुसन्धान की सुविधाएँ –

(1) रसायन विज्ञान पीठ में अत्याधुनिक सुविधाओं लैस सुसज्जित अनुसन्धान प्रयोगशालाएँ हैं परिणामतः हमारे शोधकर्ता अत्याधुनिक अनुसंधान कार्य सहजता से कर रहे हैं। जो आधुनिक उपकरण खरीदे जा रहे हैं, उनमें से एक है फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर (एफटीआईआर)। इसका उपयोग हमारी प्रयोगशालाओं में तैयार या संश्लेषित नए अणुओं एवं पदार्थों को पहचानने में किया जाएगा। इसी प्रकार, उच्च क्षमता वाला पराबैंगनी–दर्शक (यूवी–विज) स्पेक्ट्रो फोटो मीटर के द्वारा प्रयोगशाला में तैयार नमूनों की संरचना और गुणों का विश्लेषण किया जाएगा। नमूनों का तेज गति से और आसानी से आसवन करने एवं विलायकों से पृथक् करने के लिए प्रयोगशालाओं में दो रोटरी वाष्पीकारक स्थापित किए गए हैं। परमाणु चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) स्पेक्ट्रोमीटर और एक्स–रे डिफ्रेक्टो मीटर जैसे बड़े उपकरणों की खरीद प्रक्रिया चल रही है। यह केन्द्रीय उपकरण सुविधा का भी एक हिस्सा हेागी।

(2) भौतिक एवं गणितीय विज्ञान पीठ के अन्तर्गत स्थापित भौतिक विज्ञान की प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरणों की सुविधा है : पतली परत चढ़ाने के लिए ऊष्मीय वाष्पीकरण इकाई और लेपन इकाई। ऊष्मन, पिघलाने और उच्च तापमान पर नमूनों का विश्लेषण करने के लिए माइक्रोवेव भट्ठी (200–12,000 डिग्री सेल्सियस) है। प्रकाश/परावर्तन/प्रतिबिम्ब/संचरण/अवशोषण और बैंड–अन्तर के अध्ययन के लिए यूवी–विज–एनआईआर स्पेक्ट्रो फोटो मीटर है। भौतिक लेपन तकनीक का उपयोग करके परत बनाने के लिए स्पिन कोटर तथा द्रवों के एक समान ऊष्मन और आलोड़न द्वारा समांगी मिश्रण बनाने के लिए चुंबकीय आलोड़क है। घनत्व को मापने के लिए घनत्व मापक किट है तथा 0.001 मिलीग्राम तक का वजन मापने वाली तुला भी उपलब्ध है।

(3) इसके अतिरिक्त आधुनिक गणितीय, सांख्यिकीय और कम्प्यूटेशनल सॉफ्टवेयर से लैस 20 कंप्यूटरों वाली सुसज्जित प्रयोगशाला है।

(4) अन्तःविषय और अनुप्रयुक्त जीवन विज्ञान पीठ में स्थापित प्रयोगशाला सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, पोषण जीव विज्ञान और आणविक जीव विज्ञान में प्रयोग करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें क्षैतिज फलक वायु प्रवाह, चैम्बर्ड ऑर्बिटल शेकर्स, स्वचालित ऑटोक्लेव, प्रशीतित तीव्र अपकेंद्रक, टेबल टॉप शेकर्स, वैद्युतकण संचलन इकाई, वेस्टर्न ब्लॉट, ऊष्मीयचक्रक, प्रशीतित अपकेंद्रक, तत्काल पीसीआर, अति परिशुद्ध स्पेक्ट्रो फोटो मीटर आदि प्रयोग आसानी से किये जा सकते हैं। एसआईएएल के माध्यम से क्वार्टरनरी एचपीएलसी, ग्रेडियंट एचपीएलसी, एलिसा रीडर, बीएसएल 2, लायोफिलाइजर और फर्मेंटर जैसे बड़े उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया चल रही है। रोग उत्पन्न करने वाले रोगाणुओं का अध्ययन करने के लिए जैव सुरक्षा

वाली टोपियां तथा ऊतक संवर्द्धन की सुविधा (सीओ 2 इनक्यूबेटर, इंवर्टिड माइक्रोस्कोप और कल्चर हुड) हैं। इस पीठ में – 80 डिग्री सेल्सियस और – 20 डिग्री सेल्सियस क्षमता वाला डीप फ्रीजर और बर्फ छीलने की मशीन है। एफई–एसईएम, टीईएम, एलसी–एमएस, एकेटीए प्राइम की खरीद की गई है।

(5) पृथ्वी, पर्यावरण और अन्तरिक्ष अध्ययन पीठ ने पर्यावरण विज्ञान और भूगोल के क्षेत्र में अनुसन्धान को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। हवा, पानी, मिट्टी की स्थिति और शोर स्तर की रिकॉर्डिंग के विश्लेषण की सुविधाएँ प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं। पीठ की अनुसन्धान प्रयोगशाला पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 10 और पीएम 2.5) के विभिन्न अंशों और इनडोर और बाहरी वायु से गैसीय प्रदूषकों के नमूने के लिए पूरी तरह से सक्षम है। पृथ्वी, पर्यावरण और अन्तरिक्ष अध्ययन पीठ में स्थापित अनुसन्धान प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरणों की सुविधा है : तत्त्वों के मात्रात्मक विश्लेषण के लिए परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रो फोटो मीटर (एएएस), अमिश्रणीय द्रवों, निलंबित ठोस एवं सूक्ष्म कणों को अलग करने के लिए प्रशीतित अपकेन्द्रक, अमिश्रणीय द्रवों, निलंबित ठोस एवं सूक्ष्म कणों को अलग करने के लिए टेबल टॉप माइक्रो अपकेन्द्रक, अत्यन्त कम तापमान पर नमूनों का संरक्षण करने हेतु डीप फ्रीजर (– 80, और – 20 सी), सड़न रोकने हेतु जैव सुरक्षा कैबिनेट, यौगिकों का वजन दशमलव के बाद 4 तक ज्ञात करने हेतु इलेक्ट्रॉनिक तुला, रंगीन यौगिकों, एंजाइमसंबंधित गतिविधियों आदि के विश्लेषण के लिए यूवी विजिबल स्पेक्ट्रो फोटो मीटर, सूक्ष्म जीवाणुओं के संवर्धन और सूक्ष्म उत्पादों और बायोमास के उत्पादन एवं संवर्धन के लिए इनक्यूबेटर शेकर, आणविक भार के आधार पर न्यूक्लिक एसिड को अलग करने के लिए अगरोज जेल वैद्युतकण संचलन यूनिट, साधारण जल और अपशिष्ट जल के नमूनों में जैविक पदार्थों के विश्लेषण के लिए सीओडी डाइजेस्टर, पृथ्वी, पर्यावरण और भौगोलिक सूचनाओं के अनुसार पूर्वानुमान, अनुशरण और विश्लेषण के लिए नवीनतम है। अनुसन्धान प्रयोगशाला में पीएच, विद्युत चालकता, लवणता, टीडीएस, विघटित ऑक्सीजन स्तर और जीपीएस के क्षेत्र की निगरानी के लिए पोर्टेबल उपकरण उपलब्ध करवाए गए।

(6) इसके अलावा, उन्नत कंप्यूटर प्रयोगशाला, ओपन सोर्स जीआईएस और कार्टोग्राफिक कार्य सुविधाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं के अतिरिक्त पृथ्वी, पर्यावरण और भौगोलिक डेटा की भविष्यवाणी, सिमुलेशन और डेटा विश्लेषण के लिए नवीनतम सॉफ्टवेयर के साथ 23 कम्प्यूटर उपलब्ध हैं।

(7) अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अनुसन्धान प्रयोगशालाएँ हैं जो हमारे शोधकर्ताओं को अत्याधुनिक शोध कार्य करने में सहायक है। अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के तहत सभी चार विभागों में आधुनिक उपकरणों का डिजिटलीकरण किया गया है। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के पास नवीनतम डिजिटल प्रिंटिंग प्रेस, ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन, रोटो–ग्रेव्योर प्रिंटिंग मशीन, फ्लेक्सोग्राफिक प्रिंटिंग मशीन, परफेक्ट बाइंडर, पेपर कटिंग और सिलाई मशीन, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के साथ नवीनतम परीक्षण उपकरण उपलब्ध हैं। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के पास मॉडलिंग, सिमुलेशन और डेटा विश्लेषण के लिए नवीनतम सॉफ्टवेयर के साथ 3 कंप्यूटर लैब नवीनतम कॉन्फिगरेशन के सिस्टम सहित उपलब्ध हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में नवीनतम आधुनिक उपकरणों के साथ उच्च गुणवत्ता वाली खराद मशीन, यूनिवर्सल मिलिंग मशीन, पावर सिस्टम उपकरण, स्विचगियर उपकरण हैं। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पास डिजिटल ट्राइक्सिअल टैस्टिंग मशीन, डायरेक्ट शीयर टेस्ट मशीन, अपुष्ट काम्प्रेशन परीक्षण मशीन, डिजिटल सीटीएम, फ्लेक्सुरल टेस्टिंग मशीन, रिबाउंड हैमर, डिजिटल सीबीआर टेस्ट मशीन, लॉस एंगल्स घर्षण टेस्ट मशीन, डिजिटल मार्शल स्टेब्लिटी परीक्षण मशीन, टोटल स्टेशन, ऑटो लेवल, डिजिटल थियोडोलाइट और छात्रों के विकास के लिए आवश्यक नवीनतम उपकरण उपलब्ध हैं।

(8) फॉस्टैक प्रशिक्षण केन्द्रः पोषण जीवविज्ञान विभाग, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकार (एफएसएसएआई) के खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन (फॉस्टेक) का एक पार्टनर है।

(9) भाषा लैब : अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के द्वारा हाल ही में 30 मॉड्यूल क्षमता वाली भाषा लैब की स्थापना की गई है। प्रयोगशाला सनाको स्टडी –1200 जैसे नवीनतम उच्चारण सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। छात्रों के संप्रेषण कौशल को बढ़ाने के लिए इसे डिजाइन किया गया है। यह लैब ब्रिटिश और अमेरिकी उच्चारण में अंग्रेजी भाषा को बेहतर बनाने की सुविधा प्रदान करती है।

(10) पुरातत्त्व संग्रहालय में हरियाणा एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में खुदाई से प्राप्त हड़प्पा सभ्यता के दुर्लभ अवशेष एवं कलाकृतियाँ सुसज्जित हैं। तत्कालीन सभ्यता की एक पूर्ण मानव खोपड़ी, हड्डियाँ, गहने और उस युग के मिट्टी के बर्तन संग्रहालय के प्रमुख आकर्षण हैं।

ङ. मूलभूत संरचनाएँ :

- लगभग 500 एकड़ में फैला हुआ परिसर।
- सौर ऊर्जा के दोहन हेतु ग्रीन बिल्डिंग, फोटोवोल्टिक छत, और सोलर प्लाटो की अवधारणा।
- कैम्पस का विकास कई चरणों में किया गया है – प्रत्येक चरण में एकीकृत परिसर, पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा संरक्षण करने वाली आधुनिकतम इमारतों का निर्माण सुनिश्चित किया जाता है।
- इमारतों के निर्माण में इस प्रकार की निर्माण सामग्री का चयन किया गया है, ताकि पर्यावरण को हानि न हो।
- इमारतों के अन्दर तापमान को प्राकृतिक रूप से अनुकूलित करने के लिए सौर डिजाइन।
- इमारतों के निर्माण के दौरान पेड़ों, वनस्पतियों और पक्षियों के निवासों को नष्ट नहीं किया जाता।
- विश्वविद्यालय में हाल ही में तीन नए शैक्षणिक भवनों का निर्माण किया गया है। तीनों शैक्षणिक ब्लॉक पूर्णरूप से वातानुकूलित हैं। इन भवनों की प्रत्येक मंजिल पर 200 विद्यार्थियों के बैठने योग्य एक संगोष्ठी कक्ष हैं। इन इमारतों को निम्नानुसार विस्तृत ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है –

1. फ्लाई ऐश ईंटों और फ्लाई ऐश सीमेंट का प्रयोग।
2. बिजली खपत को कम करने के लिए उच्च क्षमता वाले (डबल ग्लेज्ड) कांच का उपयोग किया गया है, ताकि न्यूनतम गर्मी एवं अधिकतम प्रकाश इमारत में आ सके।
3. धूप रोधी लौवर्स का उपयोग किया गया है ताकि धूप सीधे–सीधे इमारत में प्रवेश न कर सके।
4. बिजली बचाने के लिए वीआरवी एयर कंडीशनिंग प्रणाली का इस्तेमाल किया गया है।
5. पानी की बचत करने के लिए वाटरलेस यूरिनल और लो फ्लो फिक्सचर का उपयोग किया गया है।

परिसर को पर्यावरण–अनुकूल बनाने के लिए विश्वद्यिालय द्वारा की गई पहलें :

1. विश्वविद्यालय परिसर 80 प्रतिशत हरित/खुले क्षेत्र सहित हरा–भरा परिसर है। विश्वविद्यालय में स्थानीय जलवायु और मिट्टी के प्रति उपयुक्त 2000 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं।
2. विश्वविद्यालय में कार्यालय, आवासीय परिसरों और छात्रावासों में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबन्ध है।
3. विश्वविद्यालय परिसर में भवनों की छतों पर सौर पैनल लगाए गए हैं, जिनसे बिजली का बिल कम करने में सहायता मिली है। सौर ऊर्जा सदृश नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण सरंक्षण में सहायता मिलती है।
4. वर्षा जल संचयन और क्षेत्र में भूमिगत जलस्तर को ऊपर बनाए रखने के लिए परसिर में जल संचयन परियोजनाएँ और झीलें बनाईं गई है। इससे वनस्पत्तियों एवं जीवों पर उन्नत अनुसन्धान कर्ताओं के लिए दूर–दूर से दुर्लभ प्रजातियों के पक्षियों को आकर्षित किया जा सकेगा एवं प्राकृतिक वातावरण विकसित होगा।
5. विश्वविद्यालय ने बायोडिग्रेडेबल और गैर–बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट संग्रह के लिए अलग अलग कूड़ादान डिब्बे लगाए है।

विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ प्रयास

1. विश्वविद्यालय विविधता, समावेशिता और आउटरीच को बढ़ावा देने पर ध्यान केन्द्रित करता है जो NIRF रैंकिंग– 2019 में 'आउटरीच एंड इनक्लूसिविटी' पैरामीटर में 56.18 के NIRF स्कोर के माध्यम से परिलक्षित होता है। विश्वविद्यालय में 27 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों से विद्यार्थी हैं।
2. विश्वविद्यालय सत्रान्त परीक्षाओं के समापन के 15 दिनों के भीतर परिणाम घोषित करने में सक्षम है।
3. हकेंवि राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी पर छात्रों के प्रमाण–पत्र और उपाधियां अपलोड करने वाले अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक हैं।
4. हकेंवि में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) आयोजित करने वाले पन्द्रह प्रतिभागी विश्वविद्यालयों में से एक है।
5. प्रत्येक विद्यार्थी के लिए संकाय सलाहकार के प्रावधान के साथ मजबूत छात्र परामर्श तंत्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध है।
6. ऑनलाइन प्रवेश, पंजीकरण और परामर्श, कैशलेस लेनदेन, सुगम्य वेबसाइट और पारदर्शी शासन के लिए दिन–प्रतिदिन के प्रशासनिक क्रिया–कलापों में आईसीटी का इष्टतम उपयोग।
7. आवश्यकतानुसार उद्योग विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी के साथ पाठ्यक्रम की नियमित समीक्षा और संशोधन।
8. प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पहले शैक्षणिक कैलेंडर की अधिसूचना। स्थापना दिवस, वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, दीक्षांत समारोह और वार्षिक विज्ञान दिवस जैसे वार्षिक कार्यों की तिथियों को निर्धारित किया गया है और तदनुसार आयोजित किया गया है।
9. यूजीसी विनियम, 2018 को अंगीकार (उच्च शैक्षणिक संस्थानों में शैक्षणिक अखंडता और साहित्यिक चोरी की रोकथाम) और यूजीसी (एम.फिल./पीएच.डी. उपाधि) विनियम, 2016 के पुरस्कार के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रिया।
10. एम.फिल./पीएच.डी. के लघु शोध प्रबंध/शोध प्रबंध जमा करने से पहले अनिवार्य साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए टर्निटिन सॉफ्टवेयर।
11. पीएच.डी. पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम दो साल का नियमित प्रवास। अंशकालिक पीएच.डी. का कोई प्रावधान नहीं।
12. संकाय सदस्यों के अनुसन्धान योगदान के आधार पर वार्षिक सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार।
13. विश्वविद्यालय ने सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए विभागों की वार्षिक प्रस्तुति कार्यक्रम शुरू किया है।
14. विश्वविद्यालय का नियमित वार्षिक प्रशासनिक और शैक्षणिक लेखा परीक्षा।
15. ई–कंटेंट और मूक्स के विकास के लिए वर्चुअल क्लासरूम की अत्याधुनिक सुविधा।
16. विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तन्त्र हेतु वैश्विक पहल (GIAN) कार्यक्रम नियमित अन्तराल पर आयोजित किए जा रहे हैं। 15 कार्यक्रम पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं।

विश्वविद्यालय कोर्ट

(31 मार्च, 2019 के अनुसार विश्वविद्यालय कोर्ट के सदस्य)

1	अध्यक्ष **प्रो. (डॉ.) पी.एल. चतुर्वेदी** कुलाधिपति, हकेंवि		
2	**प्रो. आर.सी. कुहाड़** कुलपति, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़	3	**प्रो. एम. आनंदकृष्णन** पूर्व अध्यक्ष, शासक मंडल, आईआईटी कानपुर एवं साइंस सिटी, चेन्नई साइंस सिटी भवन, प्लैनेटैरियम कैम्पस, गाँधी मंडपम् रोड़, चेन्नई
4	**प्रो. डी.पी.एस. वर्मा** पूर्व आचार्य, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	5	**प्रो. योगेश सिंह** कुलपति, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, शाहबाद दौलतपुर, बवाना, नई दिल्ली
6	**प्रो. वी.के. जैन** कुलपति, तेजपुर विश्वविद्यालय, नपाम, तेजपुर, सोनितपुर, असम (भारत)	7	**प्रो. सुषमा यादव** कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, हरियाणा
8	**डॉ. वी.के. गुप्ता** वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रिलायंस कॉरपोरेट पार्क, नवी मुम्बई, महाराष्ट्र	9	**डॉ. पायल मग्गो** प्राचार्य, शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ अलायड साइंसेज फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
10	**डॉ. पी.के. खुराना** प्राचार्य, शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	11	**डॉ. अवधेश कुमार पाण्डेय** सह–आचार्य (सेवानिवृत्त), डी.ए.वी. महाविद्यालय, अम्बाला
12	**प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत** अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान	13	**प्रो. पी.के. शर्मा** आचार्य, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान
14	**डॉ. देविंद्र सिंह** आचार्य, विधि विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़	15	**प्रो. तनुजा अग्रवाल** आचार्य, प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय

16	**श्रीमती मीनाक्षी चौधरी** लेखक एवं सामाजिक कार्यकर्ता, शिमला	17	**प्रो. वंदना पूनिया** आचार्य (शिक्षा), मानव संसाधन विकास केंद्र पूर्ववर्ती शैक्षणिक स्टॉफ कॉलेज, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
18	**डॉ. कविता ए. शर्मा** अध्यक्ष, साउथ एशियन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	19	**प्रो. प्रेम व्रत** सम–कुलाधिपति, प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस एंड चीफ मेंटर, द नार्थकेप यूनिवर्सिटी, गुरूग्राम
20	**प्रो. जे.पी. सिंह जूरल** निदेशक, सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र, इन्फोसिटी, गाँधीनगर, गुजरात	21	**प्रो. ओ.पी. कालरा** कुलपति, पंण्डित बी.डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
22	**प्रो. के.पी. सिंह** कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा	23	**एडवोकेट पवन दुग्गल** अधिवक्ता, बार एसोसिएशन, रोहिणी, दिल्ली
24	**प्रो. बीर सिंह** अधिष्ठाता, भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति एवं विरासत पीठ, हकेंवि	25	**प्रो. सारिका शर्मा** अधिष्ठाता, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ, हकेंवि
26	**प्रो. संजीव कुमार** छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं आचार्य, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, हकेंवि	27	**प्रो. नवल किशोर** अधिष्ठाता, भौतिक एवं गणितीय विज्ञान पीठ, हकेंवि
28	**प्रो. राजेश कुमार मलिक** कुलानुशासक एवं अधिष्ठाता, विधि, शासन, लोकनीति एवं प्रबन्धन पीठ, हकेंवि	29	**प्रो. दीपक पंत** छात्र कल्याण अधिष्ठाता, रसायन विज्ञान पीठ, हकेंवि
30	**प्रो. सतीश कुमार** आचार्य एवं अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान पीठ, हकेंवि	31	**प्रो. नीलम सांगवान** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैवरसायन विज्ञान पीठ, हकेंवि
32	**डॉ. अजय कुमार बंसल** सह–आचार्य एवं अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ, हकेंवि	33	**डॉ. प्रमोद कुमार** सह–आचार्य एवं अधिष्ठाता, शिक्षा पीठ, हकेंवि

34	**डॉ. विकास गर्ग** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, हकेंवि	35	**डॉ. आनन्द शर्मा** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन विभाग, हकेंवि
36	**डॉ. गुंजन गोयल** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, हकेंवि	37	**डॉ. चचंल कुमार शर्मा** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, हकेंवि
38	**डॉ. राजेश कुमार गुप्ता** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, हकेंवि	39	**डॉ. विनय कुमार राव** सह–आचार्य, इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग, हकेंवि
40	**डॉ. कश्यप कुमार दुबे** सह–आचार्य, जैवप्रौद्योगिकी एवं आणविक जीवविज्ञान विभाग, हकेंवि	41	**डॉ. अजय पाल शर्मा** सहायक आचार्य, प्रबंधन अध्ययन विभाग, हकेंवि
42	**डॉ. प्रदीप सिंह** सहायक आचार्य, विधि विभाग, हकेंवि	43	**श्री मनोरंजन त्रिपाठी** वित्त अधिकारी, हकेंवि
44	**डॉ. विपुल यादव** परीक्षा नियन्त्रक, हकेंवि	43	**श्री राम दत्त**, कुलसचिव सदस्य सचिव

कार्यकारी परिषद्

(31 मार्च, 2019 के अनुसार कार्यकारी परिषद् के सदस्य)

1	अध्यक्ष **प्रो. आर.सी. कुहाड़** कुलपति, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय		
2	**प्रो. एम. आनंदकृष्णन** पूर्व अध्यक्ष, सास्त मंडल, आईआईटी कानपुर एवं साइंस सिटी, चेन्नई साइंस सिटी भवन, प्लैनेटैरियम कैम्पस, गांधी मंडपम रोड, चेन्नई	3	**प्रो. योगेश सिंह** कुलपति,दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय शाहबाद दौलतपुर, बवाना नई दिल्ली
4	**प्रो. वी.के. जैन** कुलपति, तेजपुर विश्वविद्यालय, नपाम, तेजपुर, सोनितपुर, असम (भारत)	5	**प्रो. सुषमा यादव** कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलाँ, हरियाणा
6	**प्रो. डी.पी.एस. वर्मा** पूर्व आचार्य, वाणिज्य विभाग, दिल्ली दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	7	**डॉ. वी.के. गुप्ता** वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रिलायंस कॉर्पोरेट पार्क, नवी मुंबई, महाराष्ट्र
8	**डॉ. पायल मग्गो** प्राचार्य, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ अलाइड साइंसेज फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय	9	**डॉ. पी. के. खुराना** प्राचार्य, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
10	**डॉ. अवधेश कुमार पांडेय** सह–आचार्य (सेवानिवृत्त), डी.ए.वी कॉलेज अंबाला	11	**डॉ. बीर सिंह** अधिष्ठाता, भाषा, भाषा विज्ञान, संस्कृतिक एवं विरासत पीठ, हकेंवि
12	**प्रो. सारिका शर्मा** अधिष्ठाता, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ, हकेंवि	13	**प्रो. नवल किशोर** अधिष्ठाता, भौतिक एवं गणितीय विज्ञान पीठ, हकेंवि
14	**प्रो. राजेश कुमार मलिक** कुलानुशासक एवं अधिष्ठाता, विधि, शासन, लोकनीति एवं प्रबन्धन पीठ, हकेंवि		
15	सचिव **श्री राम दत्त** कुलसचिव, हकेंवि		

शैक्षणिक परिषद्

(31 मार्च 2019 के अनुसार शैक्षणिक परिषद् के सदस्य)

1	अध्यक्ष **प्रो. आर.सी. कुहाड़** कुलपति, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय		
2	**डॉ. एम.पी. पूनिया** उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई), नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली	3	**प्रो. आर.पी. टंडन** प्रोफेसर एमेरिटस, भौतिकी एवं खगोलभौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4	**प्रो. के.पी.एस. महलवार** पीठाचार्य, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, द्वारका, नई दिल्ली	5	**प्रो. आर. के. अनायथ** कुलपति, दीनबंधु छोटू राम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा
6	**प्रो. एस.वी.एस. चौधरी** प्रोफेसर, शिक्षा विद्यापीठ, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली	7	**प्रो. विजय कुमार कायत** कुलपति, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा
8	**प्रो. एम.सी. गर्ग** आचार्य, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस, गुरू जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार	9	**प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा** एमेरिटस फेलो, रसायनविज्ञान विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
10	**डॉ. (श्रीमती) शिमला** पूर्व कुलसचिव, वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, फरीदाबाद	11	**प्रो. पी.सी. पटनायक** अध्यक्ष, आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्य अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
12	**प्रो. आर.एस. यादव** शिक्षा विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	13	**प्रो. पी.के. खुराना** प्राचार्य, शहीद भगत सिंह, महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली–110017
14	**डॉ. अवनिजेश अवस्थी** सह आचार्य, पी.जी. डीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	15	**डॉ. बीर सिंह** विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

16	**डॉ. सारिका शर्मा** विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, आचार्य एवं अधिष्ठाता, कला, मानविकी एंव सामाजिक विज्ञान पीठ, हकेंवि	17	**डॉ. संजीव कुमार** आचार्य, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग, हकेंवि
18	**प्रो. नवल किशोर** आचार्य एवं अधिष्ठाता, भौतिक एवं गणितीय विज्ञान पीठ, हकेंवि	19	**प्रो. राजेश कुमार मलिक** आचार्य एवं अधिष्ठाता, विधि, शासन, लोकनीति एवं प्रबंधन पीठ, हकेंवि
20	**प्रो. दीपक पन्त** आचार्य एंव अधिष्ठाता, रसायन विज्ञान पीठ, हकेंवि	21	**प्रो. सतीश कुमार** आचार्य एवं अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान पीठ, हकेंवि
22	**प्रो. नीलम सांगवान** आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैवरसायन विज्ञान पीठ, हकेंवि	23	**डॉ. अजय कुमार बंसल** सह–आचार्य एवं अधिष्ठाता, अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ, हकेंवि
24	**डॉ. प्रमोद कुमार** सह–आचार्य एवं अधिष्ठाता, शिक्षा पीठ, हकेंवि	25	**डॉ. चचंल कुमार शर्मा** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, हकेंवि
26	**डॉ. आनन्द शर्मा** विभागाध्यक्ष, प्रबन्धन अध्ययन विभाग, हकेंवि	27	**डॉ. गुंजन गोयल** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, हकेंवि
28	**डॉ. विकास गर्ग** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, हकेंवि	29	**डॉ. राजेश कुमार गुप्ता** सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, हकेंवि
30	**डॉ. विनय कुमार राव** सह–आचार्य, इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग, हकेंवि	31	**डॉ. विनोद कुमार** सह–आचार्य, रसायनविज्ञान विभाग, हकेंवि
32	**डॉ. बिजेंद्र सिंह** सह–आचार्य, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, हकेंवि	33	**डॉ. अजय पाल शर्मा** सहायक आचार्य, प्रबन्धन अध्ययन विभाग, हकेंवि
34	**डॉ. अंजु बेनीवाल** सहायक आचार्य, विधि विभाग, हकेंवि		
35	सचिव **श्री राम दत्त** कुलसचिव, हकेंवि		

वित्त समिति

(31 मार्च 2019 के अनुसार वित्त समिति के सदस्य)

1	अध्यक्ष: **प्रो. आर.सी. कुहाड़** कुलपति, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय		
2	संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, अथवा भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के वित्त ब्यूरो से नामित व्यक्ति जो उप सचिव के पद से कम न हो।	3	संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय (सीयू एंड एल), अथवा भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा भारत सरकार से नामित व्यक्ति जो संयुक्त सचिव के पद से कम न हो।
4	संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी, या यूजीसी के अध्यक्ष द्वारा संयुक्त सचिव स्तर का नामांकित कोई अन्य अधिकारी	5	**डॉ. अभय ठाकुर** आईआरएस, वित्त अधिकारी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
6	**प्रो. डी.पी.एस. वर्मा** पूर्व आचार्य, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	7	**डॉ. विकास गुप्ता** संयुक्त कुलसचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
8	**डॉ. बी.के. महापात्रा** पूर्व कुलसचिव एल.बी.एस. संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली		

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का प्रमुख शैक्षणिक गतिविधियों एवं अनुसंधान में योगदान

क) विशिष्टताएँ / फेलोशिप / पुरस्कार

1. राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के फेलो (एफएनएसएससी)
2. राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के फेलो (एफएनएएएस)
3. बायोटेक रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के फेलो (एफबीआरएस)
4. एकेडमी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी साइंसेज के फेलो (एफएएमएससी)
5. प्रो. जी.एस. रंगास्वामी पुरस्कार (2017) – एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई)
6. डॉ जी.बी. मांजरेकर पुरस्कार (2014) – एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई)
7. प्लेटिनम जुबली लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड (2013) – एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई)
8. टाइटन बायोटेक अवार्ड (2011) – एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई)
9. एलेम्बिक अवार्ड (1999) – एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमआई)

ख) अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों में प्रतिनिधित्वः

1. संपादक, साइंटिफिक रिपोर्ट्स (नेचर पब्लिशिंग ग्रुप) (2011– जारी)
2. संपादक, एडवांसेज इन बायोलॉजी (2014)
3. संपादक, जर्नल ऑफ फंगल बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी (2014)
4. संपादक, जर्नल ऑफ सस्टेनेबल बायोएनर्जी सिस्टम्स (2013)
5. सह–संपादक, एनल्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी (2012–2015)
6. अतिथि–संपादक– अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 3 बायोटेक का विशेष अंक (2013)
7. अतिथि–संपादक– अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, बायोडिग्रेडेशन का विशेष अंक (2010)
8. संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी (2006)

ग) शासी परिषद / योजना बोर्ड / कार्यकारी परिषद् / अकादमिक परिषद् आदि

- आयोग सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (2016 – जारी)।
- अध्यक्ष, यूजीसी विशेषज्ञ समिति, विश्वविद्यालयों में पुनः नियोजित शिक्षकों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के वेतन के निर्धारण के लिए एकसमान दिशा–निर्देश तैयार करने के लिए।
- अध्यक्ष, यूजीसी विशेषज्ञ समिति, SWAYAM के अलावा अन्य अधिगम मंच रखने वाले एचईआई के प्रस्तावों और चार चतुष्कों में ई–सामग्री के लिए प्रदर्शन मंच का आकलन करने के लिए।
- अध्यक्ष, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता और उच्च शिक्षा में मानकों के अनुरक्षण के उपायों पर यूजीसी विनियमन का प्रारूप तैयार करने की समिति (2018)।
- अध्यक्ष, समिति च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (2014) के अंतर्गत अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रमों, अनुशासनों के लिए पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए यूजीसी नीति / विनियमन का प्रारूप तैयार करने की समिति।

- सदस्य, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता और उच्च शिक्षा में मानकों के अनुरक्षण के उपायों पर प्रस्तावित यूजीसी विनियमनों की चर्चा करने की समिति (2017–2018)।
- अध्यक्ष, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में अतिरिक्त उत्तरदायित्वों का निष्पादन करने वाले विभिन्न पदाधिकारियों के लिए मानदेय की उपयुक्त राशि के साथ–साथ मानदेय का नाम बदलने की भी अनुशंसा करने वाली समिति (2019)।
- अध्यक्ष, प्रस्तावों का परीक्षण करने और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के अनुमोदन के संबन्ध में एचईआई के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने वाली विशेषज्ञ समिति (2019)।
- अध्यक्ष, उच्च शिक्षा संस्थानों (2019) से प्राप्त अपीलों का मूल्यांकन करने के लिए यूजीसी (ओडीएल) विनियमन 2017 के अनुसार स्थायी अपीलीय समिति।
- अध्यक्ष, समग्र रूप से बदलते वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में रक्षा और सामरिक अध्ययनों के शिक्षण की वर्तमान स्थिति, आवश्यकताओं और अवसरों की समीक्षा करने वाली समिति (2019)।
- सीनेट नामिति, आईआईटी दिल्ली के संस्थान के ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी केन्द्र में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के पद के लिए चयन समिति में (2019)।
- अध्यक्ष, शिक्षा संचार केन्द्र (CEC), नई दिल्ली द्वारा एमओओसी के विकास के लिए विज्ञान विषयों की अकादमिक सलाहकार परिषद् (AAC)(2019)।
- सदस्य, यूजीसी नई दिल्ली की ''राष्ट्रीय विकास और उद्यमिता के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के माध्यम से अंतर–अनुशासनात्मक अनुसंधान की योजना'' (STRIDE) योजना की सलाहकार समिति (2019 से)।
- सदस्य, 12वीं अंतर्राष्ट्रीय कैलिबर 2019 आईएनएफएलआईबीएनईटी की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति, गांधीनगर (2019 से)।
- सदस्य–जीबी–आईएनएफएलआईबीएनईटी केन्द्र, आईएनएफएलआईबीएनईटी केन्द्र गांधीनगर की भवन समिति (2019 से)।
- सदस्य, डिग्रियों के विनिर्देश की स्थायी समिति (यूजीसी) (2019)।
- सदस्य, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल, सोनीपत, हरियाणा की शैक्षणिक परिषद (2019–2021)।
- नामिति, राज्यपाल हरियाणा, पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा कोर्ट (2018–2020)।
- सदस्य, मानद विश्वविद्यालयों के लिए पाठ्यक्रमों के अनुमोदन के प्रस्तावों का परीक्षण करने वाली विशेषज्ञ समिति, यूजीसी (2018 से)।
- सदस्य, नए पाठ्यक्रम/कार्यक्रम/विभाग/ स्कूल/ केंद्र आरंभ करने के लिए मानद विश्वविद्यालयों संस्थानों से यूजीसी द्वारा प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करने वाली स्थायी समिति (2018)।
- सह–अध्यक्ष, डीआरडीओ में वैज्ञानिकों की भर्ती और मूल्यांकन के लिए, भर्ती और मूल्यांकन केन्द्र (आरएसी), डीआरडीओ द्वारा आयोजित साक्षात्कार बोर्ड (2018)।
- तकनीकी सदस्य, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (सीसीएसएचएयू) में नाबार्ड एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन केन्द्र की स्थापना के लिए, निदेशक मंडल एनएबीआईसी (2018से)।

- अध्यक्ष, उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एचईआई) द्वारा आयोग के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत अपीलों पर विचार करने वाली स्थायी अपिलीय समिति।
- सदस्य, 8000–13500 रूपये (5वीं CPC) के पूर्व–संशोधित वेतनमान में सहायक प्रोफेसर के पद में आरटीए के सभी पदों के रूपांतरण के मुद्दे के संबंध में विस्तार से मामले और एनआईईपीए, नई दिल्ली में एमएचआरडी के निर्णय का कार्यान्वयन का परीक्षण करने वाली समिति (2018)।
- सदस्य, जनरल काउंसिल, एनएएसी, बेंगलुरु (2017)।
- अध्यक्ष, विशेषज्ञ समिति यूजीसी, नई दिल्ली, राज्य विश्वविद्यालयों को ब्लॉक अनुदान के लिए संशोधित दिशानिर्देशों को तैयार करने बारे (2017)।
- अध्यक्ष, विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन सीईसी डिजिटल शैक्षिक सामग्री के प्रचार–प्रसार हेतु समिति, शैक्षिक संचार हेतु कंसोर्टियम (सीईसी) (2017–2018)।
- सदस्य, शासी बोर्ड, सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र (आईएनएफएलआईबीएनईटी), गांधी नगर (2017–2019)।
- सदस्य, यूजीसी, नई दिल्ली के समूह–क के कर्मचारियों के लिए एमएसीपी योजना के अंतर्गत वित्तीय उन्नयन के अनुदान के संबंध में समीक्षा समिति (2017)।
- सदस्य, केन्द्र सरकार के कर्मचारियों/यूजीसी अधिकारियों की समय–समय पर सेवानिवृत्ति समीक्षा के संबंध में समीक्षा समिति (2017)।
- सदस्य, एनसीईआरटी की स्थापना समिति (2016–2019)।
- सदस्य, योजना बोर्ड, हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन (2016–2019)।
- सदस्य, जनरल काउन्सिल, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी), नई दिल्ली (2016–2019)।
- यूजीसी नामिति, स्थानीय कार्यक्रम नियोजन और प्रबन्धन समिति (एलपीपीएमसी), यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम (2016–2018)।
- सदस्य, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में वाई–फाई उपलब्ध कराने की परियोजना की निगरानी करने और सभी तकनीकी मामलों पर निर्णय देने के लिए तकनीकी समिति, यूजीसी, नई दिल्ली (2016)।
- सदस्य, वित्त समिति, राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद (एनएएसी), नई दिल्ली (2016–2018)।
- सदस्य, हैदराबाद, पोट्टि श्रीरामलु तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद तेलंगाना सरकार के कुलपति की नियुक्ति के लिए तीन व्यक्तियों के पैनल का सुझाव देने वाली परीक्षण समिति (2016)।
- सदस्य, विश्वविद्यालय माने जाने वाले संस्थानों के योजना और निगरानी बोर्ड, यूजीसी, नई दिल्ली (2016)।
- सदस्य, अवर सचिव के पद के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (2016)।
- यूजीसी नामिति, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय का योजना और निगरानी बोर्ड (2016–2019)।
- अध्यक्ष, राय टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, बंगलोर की विशेषज्ञ समिति (2016)।
- सदस्य, केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसरों को वाई–फाई क्षम बनाने हेतु विशेषज्ञ समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कश्मीर (2016)।

- सदस्य, कार्यकारी समिति, राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद (एनएएसी), नई दिल्ली (2015–2017)।
- सदस्य, शासी परिषद, अंतर–विश्वविद्यालय त्वरक केन्द्र, नई दिल्ली (2013–2015)।
- सदस्य, योजना और निगरानी बोर्ड, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम), सोनीपत, हरियाणा (2013–2014)।
- सदस्य, सलाहकार समिति, सेन्टर विद पोटेंशियल फॉर एक्सी्लेंस इन पार्टिकुलर एरिया।
- सदस्य, स्थापना समिति, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल, हरियाणा (2012–2013)।
- अध्यक्ष, केन्द्रीय पूल शिकायत समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (2011–2015)।
- सदस्य, कार्यकारी परिषद, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा (2011–2013)।
- सदस्य, गोयल पुरस्कार की कार्यकारी समिति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (2004–2005)।

ग) अन्तर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय/राज्य–स्तरीय निकायों में प्रतिनिधित्व

- अध्यक्ष, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, यूपी की एनएएसी पीयर टीम विजिट (2018)।
- अध्यक्ष–यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा संचालित 6 अंतर विश्वविद्यालय केन्द्रों और 22 ईएमएमआरसी के अलावा यूजीसी द्वारा प्रति वर्ष 8 मानद विश्वविद्यालयों, दिल्ली विश्वविद्यालय के 53 महाविद्यालयों, बीएचयू के 4 महाविद्यालयों, पंजाब विश्वविद्यालय को दिए जाने वाले गैर–योजना अनुदान पर हदबन्दी का युक्तिकरण करने व हदबन्दी नियत करने वाली यूजीसी समिति (2016)।
- सदस्य, विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) की योजना के अंतर्गत मौजूदा माइक्रोबायोलॉजी विभागों के नए प्रेरण समीक्षा हेतु यूजीसी विशेषज्ञ समिति (2014)।
- सदस्य, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित पूर्वोत्तर क्षेत्र (पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र) हेतु अपेक्स समिति (2013–2015)।
- सह–अध्यक्ष, जैव–प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मन्त्रालय (भारत सरकार) (2013–2015) द्वारा गठित पूर्वोत्तर क्षेत्र (पर्यावरणीय जैव–प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र) हेतु युग्मन कार्यक्रम की विशेषज्ञ समिति (2013–2015)।
- सदस्य, अनुसन्धान सलाहकार समिति (RAC), नेशनल ब्यूरो ऑफ एग्रीकल्चररली इंपोर्टेंट माइक्रो ऑर्गेनिज्मस (आईसीएआर), नई दिल्ली (2013–2015)।
- अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा स्नातकोत्तर विषयों के लिए पाठ्यक्रम ई–सामग्री के निर्माण के लिए स्थायी समिति की उप–समिति(2013–2016)।
- शैक्षणिक संचार केन्द्र –विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के अंतर–विश्वविद्यालयी केन्द्र के अंतर्गत अपने 24X7 व्यास उच्चतर शिक्षा चैनल पर शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए फिक्स प्वाइंट चार्ट विकसित करने हेतु सदस्य (2013)।
- सदस्य, स्नातकोत्तर विषयों के लिए पाठ्यक्रम ई–सामग्री विकसित करने वाली यूजीसी स्थायी समिति (2012–2016)।
- भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा नवाचारी अनुसन्धान के लिए मर्क–इंडिया इनोवेशन अवार्ड हेतु जूरी का सदस्य

(2012–2013)।

- सदस्य, पशु जैव प्रौद्योगिकी कार्यबल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली (2010–2013)।
- सदस्य, दाइची सांक्यो, गुरुग्राम की जैव सुरक्षा समिति (2010–2013)।
- विशेषज्ञ सदस्य, सीईएमडीई, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार के उत्कृष्टता कार्यक्रम केंद्र की संचालन समिति (2005–2008)।

ड.) शैक्षणिक योगदान

कुल प्रकाशन	:	209
शोध पत्र	:	164
पुस्तकें	:	4
पुस्तक अध्याय	:	41

प्रशंसात्मनक उल्लेख सूचकांक

	गूगल स्कॉलर	स्कोपस
कुल प्रशंसात्मनक उल्लेख	9963	5843
एच सूचकांक	56	43
आई 10 सूचकांक	131	96

शोध आलेख (2018–19)

क्र. सं.	शोधपत्र	प्रभाव कारक	प्रशंसात्मक उल्लेख
1.	शर्मा, ए., जैन, के. के., जैन, ए., किदवई, एम., व कुहाड़, आर. सी. (2018)। बाईफंक्शनल इन विवो रोल ऑफ लैक्के एक्सप्लोटेड इन मल्टीपल बायोटेक्नोलॉजिकल एप्लिकेशन्सश। एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, 102 (24), 10327–10343।	3.67	2
2.	हेमांशी, गुप्ता, आर., कुहाड़, आर. सी., व सैनी, जे. के. (2018)। कुशल एंजाइमेटिक सैकरीफिकेशन के लिए नव पृथक्करित एस्परगिलस नाइजर आरसीकेएच–3 द्वारा पूर्ण सेल्युलेज प्रणाली का लागत प्रभावी उत्पादनः समग्र मूल्यांकन मानदंड दृष्टिकोण (OEC) द्वारा मध्यम इंजीनियरिंग। बायोकेमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 132, 182–190।	3.37	4
3.	जैन, के. के., कुमार, एस., भारद्वाज, के. एन., व कुहाड़, आर.सी. (2018)। पिकिया पास्टोरिस एक्स–33 में थर्मोआस्कस ऑरैंटियाकस आरसीके के से तापस्थिर एंडोग्लुकानेज की कार्यात्मक अभिव्यक्ति और इसका लक्षण वर्णन। मॉलक्युलर बायोटेक्नोलॉजी, 60 (10), 736–748।	1.71	2
4.	कौर, अमनदीप, व कुहाड़, आर. सी. (2019)। संयोजित अम्लम–क्षार पूर्वोपचार का उपयोग करके एथेनॉल उत्पादन और लिग्निन पुनः प्राप्ति के लिए चावल के भूसे का मूल्य वर्धन। बायोएनर्जी रिसर्च।	2.50	–
5.	शर्मा, आभा, जैन, कवीश कुमार, श्रीवास्तव, अनीता, श्रीवास्तव, भुवनेश, ठाकुर, वसंत वड्डे, जैन, आर.के., व कुहाड़, आर. सी. (2019)। पेपर लुगदी के जैवविरंजन में गैनोडर्मा ल्यूसिडम आरसीके 2011 से उत्पादित स्व–स्थाअनी एस एस एफ लैक्केज की क्षमता। बायोप्रोसेस और बायोसिस्टम्स इंजीनियरिंग, 42 (3), 367–377।	2.37	1

विश्वविद्यालय के विभाग और उनके अन्तर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र नामांकन

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	प्रवेश क्षमता	नामांकित छात्रों की संख्या
कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ			
अर्थशास्त्र विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच. डी.)	4	3
2.	विद्या निष्णात (एम.फिल.)	2	2
3.	कला निष्णात (एम.ए.)	40	28
शिक्षा विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	8	8
2.	कला निष्णात (एम.ए.)	15	6
3.	विद्या निष्णात (एम.फिल.)	5	4
इतिहास एवं पुरातत्व विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	14	06
2.	विद्या निष्णात (एम.फिल.)	04	01
3.	कला निष्णात (एम.ए.)	40	15
राजनीति विज्ञान विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	3	2
2.	कला निष्णात (एम.ए.)	40	22
3.	विद्या निष्णात (एम.फिल.)	3	3
मनोविज्ञान विभाग			
1.	कला निष्णात (एम.ए.)	40	31
समाजशास्त्र विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	8	5
2.	विघा निष्णात (एम.फिल.)	2	2
3.	कला निष्णात (एम.ए.)	40	15
रसायन विज्ञान पीठ			
रसायन विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	3	2
2.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	40	44
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान पीठ			
कंप्यूटर विज्ञान विभाग			
1.	कंप्यूटर अनुप्रयोग निष्णात	40	27
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग			
1.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान निष्णात	20	12
पृथ्वी, पर्यावरण तथा अंतरिक्ष अध्ययन पीठ			
पर्यावरण विज्ञान विभाग			
1.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	30	24

भूगोल विभाग			
1.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	40	40
पत्रकारिता एवं जनसंचार एवं मीडिया पीठ			
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग			
1.	कला निष्णात (एम.ए.)	20	12
भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति एवं विरासत पीठ			
अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	10	7
2.	विद्या निष्णात (एम.फिल.)	10	3
3.	कला निष्णात (एम.ए.)	40	33
हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	1	0
2.	विद्या निष्णात (एम.फिल.)	3	3
3.	कला निष्णात (एम.ए.)	40	14
पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग			
1.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	30	20
विधि, शासन, लोकनीति एवं प्रबंधन पीठ			
वाणिज्य विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	4	4
2.	वाणिज्य निष्णात (एम.कॉम.)	40	38
विधि विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	6	3
2.	एलएल.एम.	25	15
प्रबंधन विभाग			
1.	व्यवसाय प्रशासन निष्णात	40	39
भौतिक और गणितीय विज्ञान पीठ			
गणित विभाग			
1.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	40	48
भौतिकी विभाग			
1.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	40	39
सांख्यिकी विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	03	01
2.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	30	18
अंतर्विषयक एवं अनुप्रयोज्य विज्ञान पीठ			
जैवरसायन विभाग			
1.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	25	26
पोषण जीवविज्ञान विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	04	0
2.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	25	22

जैवप्रोद्यौगिकी विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	2	2
2.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	25	25
सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग			
1.	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	2	0
2.	विज्ञान निष्णात (एम.एससी.)	25	25
शिक्षा पीठ			
1.	शिक्षा निष्णात (एम.एड.)	50	12
2.	शिक्षा स्नातक (बी.एड.)	100	98
अभियान्त्रिकी और प्रोद्यौगिकी पीठ			
कंप्यूटर विज्ञान अभियान्त्रिकी विभाग			
1	प्रौद्यौगिकी स्नातक (बी.टेक.)	60	50
विद्युत अभियान्त्रिकी विभाग			
1	प्रौद्यौगिकी स्नातक (बी.टेक.)	60	40
निर्माण अभियान्त्रिकी विभाग			
1	प्रौद्यौगिकी स्नातक (बी.टेक.)	60	35
मुद्रण और पैकेजिंग प्रोद्यौगिकी विभाग			
1.	प्रौद्यौगिकी स्नातक (बी.टेक.)	60	17
डीडीयू कौशल केन्द्र			
1 बी.वॉक – खुदरा एवं रसद प्रबन्धन		50	38
2. बी.वॉक – जैव चिकित्सकीय विज्ञान		50	40
3. बी.वॉक – औद्योगिक अपशिष्ट प्रबन्धन		50	25

छात्र नामांकन सारांश

2018–19					
कार्यक्रम	**क्षमता**	**पुरुष**	**महिलायें**	**कुल**	**हरियाणा के बाहर के छात्र**
स्नातक	390	755	98	853	294
स्नातकोत्तर	980	750	666	1416	594
विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.)	29	74	78	152	67
विद्या निष्णात	72	8	8	16	10
कुल	**1471**	**1587 (65%)**	**850 (35%)**	**2437**	**965 (40%)**

31 मार्च 2019 के अनुसार विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों का विवरण

क्र. सं.	नाम	पद	योग्यता	शैक्षणिक अनुभव (वर्षों में)	रुचि के क्षेत्र
कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ					
अर्थशास्त्र विभाग					
1.	डॉ. रंजन अनेजा *	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	आर्थिक प्रतिरूपण एवं नीति विश्लेषण
2.	सुश्री रश्मि तंवर	सहायक आचार्य	एम.ए.	4	विकास एवं नियोजन, ग्रामीण एवं कृषि विकास
3.	श्रीमती रेनु	सहायक आचार्य	एम.फिल.	6	कृषि अर्थशास्त्र, ग्रामीण विकास, भारतीय अर्थव्यवस्था
4.	डॉ. अजीत कुमार साहू	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	8	समष्टि अर्थशास्त्र, शोध कार्य–प्रणाली
शिक्षा विभाग					
1.	प्रो. सारिका शर्मा#	आचार्य	पीएच.डी.	19	शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबन्धन, समावेशी शिक्षा, एचआरएम
2.	डॉ. रेनु यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	शिक्षा और लैंगिक चिंताएं, महिला नेतृत्त्व, शैक्षणिक मनोविज्ञान
3.	डॉ. दिनेश	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	14	शिक्षक शिक्षण, स्कूली शिक्षा, नीति एव नियोजन
4.	डॉ. आरती यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	9	शैक्षणिक मनोविज्ञान, शैक्षणिक नेतृत्त्व, अध्यापन कला और स्कूली शिक्षा
इतिहास और पुरातत्त्व विभाग					
1.	प्रो. अमर सिंह *	शैक्षिक परामर्शदाता	पीएच.डी.	35	पुरातत्त्व विज्ञान
2.	डॉ. विनय कुमार राव	सह आचार्य	पीएच.डी.	14	प्राचीन इतिहास
3.	डॉ. नरेन्द्र परमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5	पुरातत्त्व विज्ञान
4.	डॉ. अभिरंजन कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6	आधुनिक इतिहास
5.	डॉ. ईश्वर परिदा*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4	आधुनिक इतिहास
राजनीति विज्ञान विभाग					
1.	डॉ. चंचल कुमार शर्मा#	सह आचार्य	पीएच.डी.	21	संघवाद, दलीय व्यवस्था, राजनीतिक अर्थव्यवस्था
2.	डॉ. राजीव कुमार सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	7	अल्पसंख्यक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबन्ध, सामाजिक बहिष्करण
मनोविज्ञान विभाग					
1.	डॉ. जितेन्द्र कुमार कुशवाहा *•	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5	मानसिक स्वास्थ्य, भेदभाव एवं सामाजिक मनोविज्ञान, शोधकार्य प्रणाली

2.	डॉ. निधि वर्मा*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	8	व्यक्तित्व, मानसिक क्षमता, नैदानिक मनोविज्ञान
समाजशास्त्र विभाग					
1.	डॉ. रीमा गिल*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	स्वास्थ्य एवं औषधि समाज शास्त्र, जनसंख्या समाजशास्त्र, शोध–कार्य प्रणाली, प्रवासन
2.	डॉ. टी.लोंगकोई खियामनियूंगन	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	विकास का समाजशास्त्र, लैंगिक अध्ययन, सामाजिक संतुष्टि का समाज शास्त्र
3.	डॉ. मुहम्मद हनीफा ए.पी.*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	1.5	शिक्षा का समाजशास्त्र, पारिवारिक जीवन एवं नातेदारी, अल्पसख्यक एवं धर्म, नृवैज्ञानिक सिद्धान्त
4.	डॉ. युद्धवीर*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4.5	अर्थव्यवस्था एवं समाज, भारतीय समाज एवं शास्त्रीय समाज शास्त्रीय परम्पराएं
रसायन विज्ञान पीठ					
रसायन विभाग					
1.	प्रो. दीपक पन्त#	आचार्य	पीएच.डी.	16	हरित प्रोद्यौगिकियां, अपशिष्ट प्रबन्धन, निराविषीकरण, पाई–पाई अतः क्रिया, रासायनिक–जैविक विलय
2.	डॉ. विनोद कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	11	अएजोल का रसायन विज्ञान, हरित रसायन विज्ञान, औषधीय रसायन विज्ञान, प्रक्रिया विकास
3.	डॉ. हरीश कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	15	इलेक्ट्रोकेमेस्ट्री, धातुओं एवं मिश्रधातुओं का संक्षारण, सेंसर, नैनोपदार्थ एवं नैनोकम्पोजिटस
4.	डॉ. मनोज के. गुप्ता	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	जैविक संश्लेषण में नई विधियों का विकास, जैव–सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों का सकल संश्लेषण, औषधीय रसायन विज्ञान एवं रसायनिक जीव विज्ञान
5.	डॉ. राजीव एस. मेनन	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	कृत्रिम कार्य विधियाँ, प्राकृतिक उत्पाद संश्लेषण
6.	डॉ. प्रकाश कानू	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	मेटल–ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क, उत्प्रेरण, सक्रिय औषधीय अवयव
7.	डॉ. एजाज अंसारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	इलेक्ट्रॉनिक संरचनाएं एवं धातु उत्प्रेरित अभिक्रियाएं
8.	डॉ. सेल्वाकुमार सेरमुदरई *	यूजीसी–सहायक आचार्य	पीएच.डी.	1	दृश्यमान प्रकाश फोटोकैटालिसिस एवं असममितीय संश्लेषण

कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रोद्यौगिकी पीठ					
कंप्यूटर विज्ञान विभाग					
1.	श्वेता मलिक *	सहायक आचार्य	एमसीए	1	सॉफ्टवेयर अभियान्त्रिकी एवं सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग					
1.	डॉ. पवन के. सैनी *⋆	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5	ज्ञान व्यवस्थापनः वर्गीकरण एवं प्रसूची करण, सूचना साक्षरता
2.	सुश्री सपना*	सहायक आचार्य	एम.लिब.आई. एससी.	2	डिजिटल परिरक्षण, संसाधन एवं निरूपण तथा मेटाडेटा, ओपन एक्सेस
3.	श्री अमित कुमार*	सहायक आचार्य	एम. लिब. आई. एससी.	4.5	आईसीटी एवं पुस्तकालय प्रबन्धन प्रणाली
पृथ्वी, पर्यावरण और अंतरिक्ष अध्ययन पीठ					
पर्यावरण विज्ञान विभाग					
1.	डॉ. सोमवीर बजाड़*⋆	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	8	प्रदूषण निगरानी एवं नियन्त्रण, जैवउपाचर, जैवऊर्जा
2.	डॉ. मनोज कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	हाइड्रोजिओकेमेस्ट्री
भूगोल विभाग					
1.	डॉ. खेराज*⋆	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4	जनसंख्या अध्ययन, सामाजिक सुरक्षा, वृद्धावस्था, प्रवासन, ग्रामीण विकास, समाज के पर्यावरणीय एवं सामाजिक –आर्थिक परिप्रेक्ष्य
2.	डॉ. नरेश कुमार वर्मा*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.5	राजनीतिक भूगोल, राजनीतिक भूगोल एवं मात्रात्मक तकनीक
पत्रकारिता, जनसंचार और मीडिया पीठ					
पत्रकारिता और जनसंचार विभाग					
1.	डॉ. सुरेन्द्र*⋆	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	9	सामुदायिक रेडियो, प्रिंट विज्ञापन, जनसंपर्क
2.	श्री अलेख एस. नायक*	सहायक आचार्य	एम.फिल.	4	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया
भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति और विरासत पीठ					
अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग					
1.	प्रो. बीर सिंह यादव#	आचार्य	पीएच.डी.	35	रुमानी साहित्य, भारतीय दर्शन एवं तुलनात्मक साहित्य
2.	प्रो. संजीव कुमार	आचार्य	पीएच.डी.	20	प्रवासी साहित्य, दलित सौदर्यशास्त्र, उत्तर औपनिवेशिक एवं विश्व साहित्य
3.	डॉ. रिनु	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.5	भारतीय संस्कृत काव्यशास्त्र, शैलीविज्ञान, अमेरिकी अध्ययन

4.	डॉ. सुदीप कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6	भारतीय साहित्यिक आलोचना, आलोचना का सिद्धांत, अंग्रेजी में भारतीय लेखन, फिल्मों का अध्ययन
5.	डॉ. स्नेहसता	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5	अस्तित्ववादी साहित्य
6.	डॉ. मनोज कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	अंग्रेजी में भारतीय लेखन, इंडो–कैनेडियन साहित्य, भारतीय संस्कृत काव्यशास्त्र, भाषा विज्ञान
हिन्दी और भारतीय भाषा विभाग					
1.	डॉ. अरविंद सिंह तेजावत	सहायक आचार्य	पीएच. डी.	5	मीराबाई एवं भक्ति आंदोलन, भारतीय संस्कृति, समाज एवं राजनीति
2.	डॉ. अमित कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच. डी.	5	हिंदी कथा साहित्य, लोक साहित्य
3.	डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय	सहायक आचार्य	पीएच. डी.	5	हिंदी आलोचना, आधुनिक कविता
पर्यटन और होटल प्रबन्धन विभाग					
1.	श्री विकास मोहन**	सहायक आचार्य	एमएस.सी.	9	भोजन एवं पेय सेवा, खाद्य उत्पादन, आतिथ्य एवं होटल प्रशासन
2.	सुश्री शिखा*	सहायक आचार्य	एमएस.सी.	5	फ्रंट ऑफिस, हाउस कीपिंग ऑपरेशंस
3.	डॉ. दिलबाग सिंह*	सहायक आचार्य	पीएच. डी.	8	अकोमोडेशन ऑपरेशंस, खाद्य उत्पादन
4.	श्री अमनदीप*	सहायक आचार्य	एमएस.सी. एच.एंड एच.ए.	4.5	अकोमोडेशन ऑपरेशंस, खाद्य उत्पादन
विधि, शासन, लोकनीति और प्रबन्धन पीठ					
वाणिज्य विभाग					
1.	डॉ. सुमन*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.5	वित्त एवं एच आर एम
2.	डॉ. रविंदर कौर	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.5	वित्त एवं विपणन
3.	श्री सचिन	सहायक आचार्य	एम.कॉम.	8	वित्त एवं लेखांकन
विधि विभाग					
1.	प्रो. राजेश कुमार मलिक#	आचार्य	पीएच.डी.	15	श्रम कानून
2.	डॉ. प्रदीप सिंह	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	7	संवैधानिक कानून एवं एडीआर
3.	डॉ. अंजू	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	7	महिला संबंधी कानून, आपराधिक कानून
4.	डॉ. समीक्षा गोदारा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	7	सायबर कानून, आपराधिक कानून
5.	राकेश कुमार मीणा	सहायक आचार्य	एलएल.एम.	7	मानवाधिकार
प्रबंधन अध्ययन विभाग					
1.	डॉ. आनन्द शर्मा#	सह आचार्य	पीएच.डी.	20	वित्त एवं लेखांकन
2.	डॉ. अजय पाल शर्मा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	विपणन, खुदरा प्रबन्धन (रिटेल मैनेजमेंट), समान्य प्रबन्धन
3.	डॉ. सुनीता तंवर	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	15	एच आर / विपणन / उद्यमिता

4.	सुश्री दिव्या	सहायक आचार्य	एमबीए	6	एचआरपी, एचआरडी, औद्योगिक कानून लेखांकन, ज्ञान प्रबंधन एवं भावनात्मक बुद्धिमत्ता, जीवन बीमा में एचआर
5.	डॉ. अजय कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	9	विपणन, उपभोक्ता व्यवहार, शोध कार्य प्रणाली
भौतिक और गणितीय विज्ञान पीठ					
गणित विभाग					
1.	डॉ. राजेश कुमार गुप्ता#	सह आचार्य	पीएच.डी.	14	अवकल समीकरण
2.	डॉ. शरणजीत धवन*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6	संख्यात्मक विश्लेषण
3.	डॉ. अरुण काजला *	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	सन्निकटन सिद्धान्त
4.	डॉ. गरिमा तोमर *	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	जटिल गतिकी
भौतिकी विभाग					
1.	डॉ. नवल किशोर#	आचार्य	पीएच.डी.	37	प्रायोगिक भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान
2.	डॉ. सुनील कुमार	सह आचार्य	पीएच.डी.	16	सैद्धान्तिक नाभिकीय भैतिकी
3.	डॉ. पवन कुमार त्यागी	सह आचार्य	पीएच.डी.	9	कार्बनिक पदार्थ, डायमंड थिन फिल्म, ग्राफीन
4.	डॉ. जसवंत कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	खगोल भौतिकी एवं ब्रह्मण्ड विज्ञान (सैद्धांतिक)
5.	डॉ. महेश्वरी*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	पदार्थ विज्ञान एवं दीप्त नैनो–पदार्थ (प्रायोगिक)
6.	डॉ. हेमपाल सिंह*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	घनीभूत पदार्थ सम्बधित भौतिकी (सैद्धान्तिक): उच्च तापमान
7.	डॉ. आशीष कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	2.5	सैद्धान्तिक / अभिकलानात्मक परमाणु भौतिकी
सांख्यिकी विभाग					
1.	डॉ. देवेन्द्र कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	7	क्रम सांख्यिकी, रिकार्ड वैल्यू, वितरण सिद्धान्त
2.	डॉ. कपिल कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	7	रिलायबलिटी एंड लाइफ टेस्टिंग, बेसियन इनफेरेंस
3.	डॉ. मनोज कुमार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5	बेसियन इनफेरेंस, उत्तरजीविता विश्लेषण
अंतर्विषयक और अनुप्रयोज्य विज्ञान पीठ					
जैवरसायन विभाग					
1	प्रो. नीलम सांगवान#	आचार्य	पीएच.डी.	35	पादप जैवरसायन विज्ञान
2	डॉ. पवन कुमार मौर्य	सह आचार्य	पीएच.डी.	11	नैदानिक जैवरसायन विज्ञान
3	डॉ. विकास यादव*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	पशु जैवरसायन विज्ञान

4	डॉ. पीयूष कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	8	नैनोटेक्नोलॉजी
पोषण जीवविज्ञान विभाग					
1.	डॉ. अश्वनी कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	खाद्य जैवप्रौद्योगिकी
2.	डॉ. सविता बधवार	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	9	खाद्य प्रसंस्करण, भोजन और पोषण, खाद्य विज्ञान
3.	डॉ. तेजपाल ढेवा	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	11	खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान
4.	डॉ. अनीता कुमारी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4	खाद्य प्रसंस्करण
जैवप्रौद्योगिकी विभाग					
1.	प्रो. सतीश कुमार#	आचार्य	पीएच.डी.	35	पशु जैवप्रौद्योगिकी
2.	डॉ. कश्यप कुमार दुबे	सह आचार्य	पीएच.डी.	12	जैवप्रक्रिया अभियान्त्रिकी
3.	डॉ. बिजेन्द्र सिंह	सह आचार्य	पीएच.डी.	12	सूक्ष्मजीव जैवप्रौद्योगिकी
4.	डॉ. मीनू गोयल*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5	पादप जैवप्रौद्योगिकी
सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग					
1.	डॉ. गुंजन गोयल#	सह आचार्य	पीएच.डी.	9	खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान
2.	डॉ. सुरेंद्र सिंह	सह आचार्य	पीएच.डी.	11	कृषि सूक्ष्मजीव विज्ञान
3.	डॉ. अविजित प्रमाणिक	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5	सिडरोमायसीन आधारित ड्रग डिलिवरी प्रणाली, आउटर मेंबरेन एनर्जी ट्रांसडक्शन सिस्टम, बैक्टीरिया से प्रोटीन उत्पादन की प्रणाली
4.	डॉ. पूजा यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	हॉस्ट–माइक्रोब इटरैक्शन, डीएनए की दौण बनावट
5.	डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	जैव ईंधन एवं जैवऊर्जा, लिग्नो सेल्युलोसिक बायोरिफायनरी, औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान
6.	डॉ. विनोद यादव	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	संक्रामक रोग, लिप्यंकन विनियम
शिक्षा पीठ					
1.	डॉ. प्रमोद कुमार#	सह आचार्य	पीएच.डी.	14	शिक्षण तकनीक, शिक्षक शिक्षण, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा
2.	प्रो. नीरजा धनखड़*	आचार्य	पीएच.डी.	21	सामाजिक विज्ञान की अध्यापन कला, मूल्यपरक शिक्षा, शैक्षणिक प्रशासन, शिक्षक शिक्षण
3.	डॉ. अनोज राज*	सह आचार्य	पीएच.डी.	15	शिक्षक शिक्षण
4.	डॉ. नावेद हसन खान*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4	विशिष्ट शिक्षा
5.	डॉ. चंदन बाला*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	12	शैक्षिक मनोविज्ञान, आईसीटी
6.	डॉ. रजनी कुमारी*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4	शैक्षिक मनोविज्ञान, शिक्षण तकनीक
7.	डॉ. अमित सिंह*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	शैक्षिक मनोविज्ञान, दिशा निर्देश एवं परामर्श

8.	डॉ. चांदवीर*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	मूल्यपरक शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान
9.	डॉ. रुबुल कलिता *	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	10	शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, विशिष्ट शिक्षा
10.	डॉ. मंजू *	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	अंग्रेजी की अध्यापन कला
11.	डॉ. शंकर लाल*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	13	सामाजिक विज्ञान की अध्यापन कला, सिद्धान्त एवं शान्ति शिक्षा
12.	डॉ. पूजा वालिया*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.5	गणित की अध्यापन कला
13.	डॉ. सरन प्रसाद*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6.5	हिन्दी की अध्यापन कला, शिक्षक शिक्षण
14.	डॉ. प्रमोद जोशी*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6	शैक्षिक दर्शन, दिशानिर्देश एवं परामर्श
15.	डॉ. नेहा बिश्नोई*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	भौतिकीय विज्ञान की अध्यापन कला
16.	डॉ. सीमा*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	2	शिक्षा में कला
17.	सुश्री अर्चना यादव*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	हिन्दी की अध्यापन कला, शैक्षणिक मनोविज्ञान, दिशानिर्देश एवं परामर्श, शिक्षा में योग।
18.	सुश्री किरण*	सहायक आचार्य	एम.फिल.	2.5	अंग्रेजी की अध्यापन कला, ग्रंथों का पाठन एवं चिंतन, पाठ्यक्रमों में भाषा, आईसीटी की आलोचनात्मक समझ, योग शिक्षा, आत्म ज्ञान
19.	श्री दिलीप कुमार*	सहायक आचार्य	एम.फिल.	3	शिक्षा में कला
20.	सुश्री मीनाक्षी*	सहायक आचार्य	एम.एड.	3.5	जीव विज्ञान की अध्यापन कला, पर्यावरण शिक्षा, शैक्षणिक शिक्षण एवं विषय
अभियांत्रिकी और प्रोद्यौगिकी पीठ (एस.ओ.ई.टी)					
1.	डॉ. कल्पना चौहान	सह आचार्य	पीएच.डी.	11.5	बायोपॉलिमरिक पदार्थ एवं नैनोकंपोजिट्स
2.	डॉ. फूल सिंह	सह आचार्य	पीएच.डी.	12	कंप्यूटेशन इमेजिंग एवं कंप्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स
3.	डॉ. बबीता*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4.5	ऑप्टिकस एवं फोटोनिक्स
4.	डॉ. सुमित कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3	कार्बनिक संश्लेषण
5.	डॉ. अवधेश कुमार दुबे*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	2	घनीभूत पदार्थ सम्बन्धी भैतिकी, असाम्यावस्था भौतिकी
6.	डॉ. अनूप यादव*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	6	पर्यावरणीय प्रदूषण की निगरानी, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
एस.ओ.ई.टी. के अंतर्गत कंप्यूटर विज्ञान अभियान्त्रिकी विभाग					
1.	सुश्री एकता कुमारी*	सहायक आचार्य	एम.टेक.	4	कलन विधि, कंपाइलर डिजाइन, इंपैक्ट प्रोसेसिंग

2	डॉ. नलिन*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	3.5	वायरलेस सेंसर नेटवर्क
3	सुश्री संगीता*	सहायक आचार्य	एम.टेक.	2.5	सॉफ्ट कंप्यूटिंग
एस.ओ.ई.टी. के अंतर्गत विद्युत अभियान्त्रिकी विभाग					
1.	डॉ. अजय कुमार बंसल#	सह आचार्य	पीएच.डी.	18	ऊर्जा, इष्टतमीकरण, ऊर्जा प्रणाली
2.	डॉ. राजेश कुमार दुबे	सह आचार्य	पीएच.डी.	17	नियंत्रण अभियांत्रिकी और यंत्रीकरण, डिजिटल सिग्नल और स्पीच प्रोसेसिंग
3.	डॉ. मुनीश मानस*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	4.5	एचआरईएस आधारित सूक्ष्म–ग्रिड की डिजाइनिंग और इष्टतमीकरण
4.	डॉ. मनीष कुमार*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	7.5	नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली, ऊर्जा प्रणाली, इष्टतमीकरण, अविनियमित बाजार
5.	श्री राजेश सैनी*	सहायक आचार्य	एम.टेक.	4.5	ऊर्जा प्रणाली, नवीकरणीय ऊर्जा
एस.ओ.ई.टी. के अंतर्गत निर्माण अभियान्त्रिकी विभाग					
1.	डॉ. विकास गर्ग#	सह आचार्य	पीएच.डी.	20.5	जल संसाधन, नदीय जलगति विज्ञान
2.	Er. दीपक राणा*	सह आचार्य	एम.टेक.	2	भू–प्रौद्यौगिकी
3.	Er. आयुष वशिष्ठ*	सह आचार्य	एम.टेक.	3	जल संसाधन
एस.ओ.ई.टी. के अंतर्गत मुद्रण और पैकेजिंग प्रोद्यौगिकी विभाग					
1.	श्री तरुण सिंह*	सहायक आचार्य	एम.टेक.	6	प्रिटिंग और पैकेजिंग प्रोद्यौगिकी
2.	श्री शम्मी मेहरा*	सहायक आचार्य	एम.टेक.	6	प्रिटिंग और पैकेजिंग प्रोद्यौगिकी
डीडीयू कौशल केन्द्र					
बी.वॉक–खुदरा एवं रसद प्रबंधन					
1.	डॉ. सुयश मिश्रा*⋆	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.0	विपणन, रिटेल प्रबन्धन, वित्त
2.	डॉ. ऋषि कांत*	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	5.0	खुदरा विपणन, सेवा विपणन, उपभोक्ता संबन्ध प्रबन्धन
बी.वॉक – जैव चिकित्सकीय विज्ञान					
3.	डॉ. विकास सैनी*⋆	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	1.5	बायोमेडिकल साइंस
बी.वॉक – औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन					
4.	डॉ. सुषमा*⋆	सहायक आचार्य	पीएच.डी.	2.0	अपशिष्ट जल शोधन

* अनुबन्ध पर / शैक्षिक सलाहाकार

⋆ प्रभारी

\# अध्यक्ष / अध्यक्षा

शुल्क संरचना

शैक्षणिक वर्ष 2018–19 के स्नातकोत्तर, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित शुल्क

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (प्रथम वर्ष)

क्रम सं.	मद	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	विज्ञान	व्यावसायिक कोर्स
	एकमुश्त शुल्क (रूपये में)			
1	प्रतिभूति (प्रतिदेय)	1000	2000	2000
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)			
2	प्रवेश शुल्क	500	1500	1500
3	नामांकन शुल्क	600	600	600
4	पहचान–पत्र	100	100	100
5	रेडक्रॉस निधि	60	60	60
6	एनएसएस शुल्क	20	20	20
7	बीमा शुल्क	200	200	200
8	छात्र कल्याण निधि	400	400	400
9	स्थापना दिवस	100	100	100
10	विश्वविद्यालय पत्रिका	200	200	200
11	पुस्तकालय शुल्क	1000	1000	1000
12	ट्यूशन शुल्क*	1000	1000	1000
13	बिजली / पानी शुल्क	300	300	300
14	सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	150	150	150
15	कंप्यूटर लैब शुल्क / इंटरनेट शुल्क	400	400	400
16	परीक्षा शुल्क	1000	3000	3000
17	विश्वविद्यालय विकास निधि	300	300	300
18	मेडिकल शुल्क	250	250	250
19	खेल शुल्क	250	250	250
20	प्रयोगशाला / औद्योगिक यात्रा / क्षेत्रीय कार्य / इंटर्नशिप	0	3000	3000
21	छात्र शैक्षिक गतिविधियां	100	100	100
	कुल	**7930/-**	**14930/-**	**14930/-**

*ट्यूशन शुल्क अनुसूचित जाति / जनजाति के विद्यार्थियों से नहीं लिया गया।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (दूसरा/अन्तिम वर्ष)

क्रम सं.	मद	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	विज्ञान	व्यावसायिक कोर्स
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)			
1	पहचान–पत्र	100	100	100
2	रेडक्रॉस निधि	60	60	60
3	एनएसएस शुल्क	20	20	20
4	बीमा शुल्क	200	200	200
5	छात्र कल्याण निधि	400	400	400
6	वार्षिक दिवस	100	100	100
7	विश्वविद्यालय पत्रिका	200	200	200
8	पुस्तकालय शुल्क	1000	1000	1000
9	ट्यूशन शुल्क*	1000	1000	1000
10	बिजली / पानी शुल्क	300	300	300
11	सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	150	150	150
12	कंप्यूटर लैब शुल्क / इंटरनेट शुल्क	400	400	400
13	परीक्षा शुल्क	2000	3000	3000
14	विश्वविद्यालय विकास निधि	300	300	300
15	मेडिकल शुल्क	250	250	250
16	खेल शुल्क	250	250	250
17	प्रयोगशाला / औद्योगिक यात्रा / क्षेत्रीय कार्य / इंटर्नशिप	0	3000	3000
18	छात्र शैक्षिक गतिविधियां	100	100	100
	कुल	**6830/-**	**10830/-**	**10830/-**

*ट्यूशन शुल्क अनुसूचित जाति / जनजाति के विद्यार्थियों से नहीं लिया गया।

विद्या निष्णात कार्यक्रम

क्र. सं.	मद	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	विज्ञान	व्यवसायिक कोर्स
	एकमुश्त शुल्क (रूपये में)			
1	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)	1000	1000	1000
2	प्रवेश शुल्क	1000	1000	1000
3	नामांकन शुल्क	600	600	600
4	पुस्तकालय शुल्क	2000	2000	2000
5	ट्यूशन शुल्क*	2000	2000	2000
6	सांस्कृतिक क्रियाकलाप शुल्क	200	200	200
7	कंप्यूटर प्रयोगशाला शुल्क / इंटरनेट शुल्क	1000	1000	1000
8	विश्वविद्यालय विकास निधि	500	500	500
9	मेडिकल शुल्क	500	500	500
10	खेल शुल्क	200	200	200
11	प्रयोगशाला / औद्योगिक यात्रा / क्षेत्रीय कार्य / इंटर्नशिप	0	3000	3000
12	छात्र शैक्षणिक गतिविधि	200	200	200
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)			
13	पहचान–पत्र	100	100	100
14	रेडक्रॉस निधि	60	60	60
15	एनएसएस शुल्क	20	20	20
16	बीमा शुल्क	200	200	200
17	छात्र कल्याण निधि	400	400	400
18	वार्षिक दिवस	100	100	100
19	विश्वविद्यालय पत्रिका	200	200	200
20	बिजली / पानी शुल्क	300	300	300
21	परीक्षा शुल्क	2000 प्रति परीक्षा	2000 प्रति परीक्षा	2000 प्रति परीक्षा
	कुल	**12580/-**	**15580/-**	**15580/-**

*ट्यूशन शुल्क अनुसूचित जाति / जनजाति के विद्यार्थियों से नहीं लिया गया।

विद्या वाचस्पति कार्यक्रम

क्र. सं.	लेखा–शीर्ष	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	विज्ञान	व्यवसायिक कोर्स
	एकमुश्त शुल्क (रूपये में)			
1	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)	2000	2000	2000
2	प्रवेश शुल्क	2500	2500	2500
3	नामांकन शुल्क	1000	1000	1000
4	पंजीकरण शुल्क	2000	2000	2000
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)			
5	पुस्तकालय शुल्क	2000	2000	2000
6	सांस्कृतिक क्रियाकलाप शुल्क	200	200	200
7	कंप्यूटर प्रयोगशाला शुल्क / इंटरनेट शुल्क	3000	3000	3000
8	विश्वविद्यालय विकास निधि	2100	2100	2100
9	प्रयोगशाला शुल्क / औद्योगिकयात्रा / क्षेत्र कार्य / छात्रवृति	0	2000	2000
10	ट्यूशन शुल्क*	1000	1000	1000
11	चिकित्सा प्रभार	500	500	500
12	खेल शुल्क	200	200	200
13	छात्र शैक्षणिक गतिविधि (सेमिनार, परिसंवाद आदि)	200	200	200
14	पहचान–पत्र	100	100	100
15	रेडक्रॉस निधि	60	60	60
16	बीमा शुल्क	200	200	200
17	छात्र कल्याण निधि	500	500	500
18	वार्षिक दिवस	100	100	100
19	विश्वविद्यालय पत्रिका	300	300	300
20	बिजली / पानी शुल्क	600	600	600
21	परीक्षा शुल्क	2000 प्रति परीक्षा	2000 प्रति परीक्षा	2000 प्रति परीक्षा
	कुल	**20560/-**	**22560/-**	**22560/-**

*ट्यूशन शुल्क अनुसूचित जाति / जनजाति के विद्यार्थियों से नहीं लिया गया।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के तहत संचालित बी.वॉक. कार्यक्रम के शुल्क

क्र. सं.	लेखा–शीर्ष	राशि (रु. में)
	एकमुश्त शुल्क (रूपये में)	
1	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)	2000
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)	
2	प्रवेश शुल्क	250
3	नामांकन शुल्क	50
4	पहचान–पत्र	100
5	रेडक्रॉस निधि	60
6	एनएसएस शुल्क	20
7	बीमा शुल्क	200
8	छात्र कल्याण निधि	440
9	वार्षिक दिवस	100
10	विश्वविद्यालय पत्रिका	200
11	पुस्तकालय शुल्क	100
12	ट्यूशन शुल्क*	1130
13	बिजली / पानी प्रभार	300
14	सांस्कृतिक क्रियाकलाप शुल्क	150
15	कंप्यूटर लैब शुल्क / इंटरनेट शुल्क	400
16	परीक्षा शुल्क	500
17	विश्वविद्यालय विकास निधि	100
18	मेडिकल शुल्क	250
19	खेल शुल्क	250
20	प्रयोगशाला	300
21	छात्र शैक्षिक गतिविधियां	100
	कुल	**7000/-**

*ट्यूशन शुल्क अनुसूचित जाति / जनजाति के विद्यार्थियों से नहीं लिया गया।

शिक्षा पीठ के तहत संचालित बी.एड. और एम.एड. कार्यक्रम हेतु शैक्षणिक वर्ष 2018–19 के लिए निर्धारित शुल्क

बी.एड. और एम.एड. कार्यक्रम (प्रथम वर्ष)

क्र.सं.	लेखा–शीर्ष		बी.एड.	एम.एड.
	एकमुश्त शुल्क (रूपये में)			
1	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)		3000	3000
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)			
2	प्रवेश शुल्क		2000	3000
3	नामांकन शुल्क		600	600
4	पहचान–पत्र		100	100
5	रेडक्रॉस निधि		60	60
6	एनएसएस शुल्क		20	20
7	बीमा शुल्क		200	200
8	छात्र कल्याण निधि		400	400
9	वार्षिक दिवस		100	100
10	विश्वविद्यालय पत्रिका		200	200
11	पुस्तकालय शुल्क	केन्द्रीय पुस्तकालय	2000	3000
		विभागीय पुस्तकालय	2000	3000
12	ट्यूशन शुल्क*		5000	5000
13	बिजली / पानी प्रभार		300	300
14	सांस्कृतिक क्रियाकलाप शुल्क		150	150
15	कंप्यूटर लैब शुल्क / इंटरनेट शुल्क		2000	2000
16	परीक्षा शुल्क		3000	3000
17	विश्वविद्यालय विकास निधि		300	300
18	मेडिकल शुल्क		250	250
19	खेल शुल्क		250	250
20	प्रयोगशाला / औद्योगिक यात्रा / क्षेत्रीय कार्य / इंटर्नशिप		3000	3000
21	छात्र शैक्षिक गतिविधियां		100	100
	कुल		**23030/-**	**28030/-**

नोट : बी.एड. कार्यक्रमः उपर्युक्त निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त 5000/- रूपये पाठ्यक्रम शुल्क के रूप में शुल्क लिए गया।
एम.एकृ कार्यक्रमः उपर्युक्त निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त 5000/- रूपये पाठ्यक्रम शुल्क के रूप में शुल्क लिए गया।
*ट्यूशन शुल्क अनुसूचित जाति / जनजाति के विद्यार्थियों से नहीं लिया गया।

बी.एड. और एम.एड. कार्यक्रम (दूसरे/अंतिम वर्ष) हेतु शुल्क

क्र. सं.	लेखा–शीर्ष		बी.एड.	एम.एड.
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)			
1	पहचान–पत्र		100	100
2	रेडक्रॉस निधि		60	60
3	एनएसएस शुल्क		20	20
4	बीमा शुल्क		200	200
5	छात्र कल्याण निधि		400	400
6	वार्षिक दिवस		100	100
7	विश्वविद्यालय पत्रिका		200	200
8	पुस्तकालय शुल्क	केन्द्रीय पुस्तकालय	2000	3000
		विभागीय पुस्तकालय	2000	3000
9	ट्यूशन शुल्क*		5000	5000
10	बिजली / पानी प्रभार		300	300
11	सांस्कृतिक क्रियाकलाप शुल्क		150	150
12	कंप्यूटर लैब शुल्क / इंटरनेट शुल्क		1000	2000
13	परीक्षा शुल्क		3000	5000
14	विश्वविद्यालय विकास निधि		300	300
15	चिकित्सा प्रभार		250	250
16	खेल शुल्क		250	250
17	प्रयोगशाला / औद्योगिक यात्रा / क्षेत्रीय कार्य / इंटर्नशिप		5000	5000
18	छात्र शैक्षिक गतिविधियाँ		100	100
	कुल		**20430/-**	**25430/-**

नोट : बी.एड. कार्यक्रमः उपर्युक्त निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त 5000/- रूपये पाठ्यक्रम शुल्क के रूप में शुल्क लिए गया।
एम.एकृ कार्यक्रमः उपर्युक्त निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त 5000/- रूपये पाठ्यक्रम शुल्क के रूप में शुल्क लिए गया।
*ट्यूशन शुल्क अनुसूचित जाति / जनजाति के विद्यार्थियों से नहीं लिया गया।

विविध शुल्क

क्र.सं.	विवरण	शुल्क राशि (रू.)
1.	पहचान–पत्र की दूसरी प्रति	100
2.	माइग्रेशन प्रमाण–पत्र	400
3.	प्रोविजनल रिजल्ट	250
4.	प्रोविजनल उपाधि	300
5.	पुनः प्रवेश शुल्क	750
6.	अंक प्रमाण–पत्र की दूसरी प्रति (डीएमसी / अंक–तालिका)	100
7.	पुनर्मूल्यांकन	1000 प्रति पेपर
8.	पुनः उपस्थिति / इम्प्रूवमेंट शुल्क	600 प्रति पेपर
9.	उपाधि की दूसरी प्रति	500

अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के तहत संचालित बी.टेक. कार्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित वार्षिक शुल्क

क्र. सं.	मद	राशि (रु. में)
	एकमुश्त शुल्क (रूपये में)	
1	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)	5000
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)	
2	प्रवेश शुल्क	3000
3	नामांकन शुल्क	600
4	पहचान–पत्र	100
5	रेडक्रॉस निधि	60
6	एनएसएस शुल्क	20
7	बीमा शुल्क	200
8	छात्र कल्याण निधि	400
9	वार्षिक दिवस	100
10	विश्वविद्यालय पत्रिका	200
11	पुस्तकालय शुल्क	1000
12	ट्यूशन शुल्क*	36000
13	बिजली / पानी शुल्क	300
14	सांस्कृतिक क्रियाकलाप शुल्क	150
15	कम्प्यूटर लैब शुल्क / इंटरनेट शुल्क	400
16	परीक्षा शुल्क	6000
17	विश्वविद्यालय विकास निधि	6000
18	मेडिकल शुल्क	250
19	खेल शुल्क	250
20	प्रयोगशाला / औद्योगिक यात्रा / क्षेत्रीय कार्य / इंटर्नशिप	5000
21	छात्र शैक्षिक गतिविधियाँ	100
	कुल	**65130/-**

*ट्यूशन शुल्क अनुसूचित जाति / जनजाति के विद्यार्थियों से नहीं लिया गया।

छात्रावास शुल्क

क्र.सं.	विवरण	शुल्क राशि (रू.)
1.	प्रवेश शुल्क	500
2.	छात्रावास संघ शुल्क	500
3.	छात्रावास पहचान पत्र	50
4.	बरतन शुल्क	250
5.	मनोरंजन केंद्र शुल्क	300
6.	स्थापना शुल्क	1000
7.	छात्रावास विकास निधि	1000
8.	अवधान राशि	2000
	कुल	**5600/-**

कमरे के किराए का शुल्क

क्र.सं.	विवरण	शुल्क राशि (रू.)
1.	कमरे का शुल्क	150
2.	मरम्मत एवं रख–रखाव शुल्क	150
3.	मनोरंजन केंद्र	50
4.	बिजली शुल्क	100
5.	पानी शुल्क	50
	कुल	**500/-**

पिछले वर्ष के दौरान विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सारांश

क्र.सं.	विभाग / केन्द्र / प्रकोष्ठ	जेआरएफ / नेट / गेट	प्लेसमेंट	उच्च शिक्षा हेतु चयनित / प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण
i)	**कला, मानविकी, एवं सामाजिक विज्ञान पीठ**			
1	अर्थशास्त्र विभाग	11		04
2	इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग	04		
3	राजनीति विज्ञान विभाग	14		03
4	मनोविज्ञान विभाग	02		01
5	समाजशास्त्र विभाग	05	01	01
6	शिक्षा विभाग	03	01	
ii)	**रसायन विज्ञान पीठ**			
7	रसायन विज्ञान विभाग	24		04
iii)	**कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी पीठ**			
8	पुस्तकालय एवं सूचना विभाग	02	02	02
iv)	**पृथ्वी, पर्यावरण एवं अन्तरिक्ष अध्ययन पीठ**			
9	पर्यावरण विज्ञान विभाग	12	04	10
10	भूगोल विभाग	14	02	02
v)	**पत्रकारिता, जनसंचार एवं मीडिया पीठ**			
11	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग		06	02
vi)	**भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति एवं विरासत पीठ**			
12	अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग	14	15	04
13	हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग	08	05	09
14	पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन विभाग		01	
vii)	**विधि, शासन, लोकनीति एवं प्रबन्धन पीठ**			
15	वाणिज्य विभाग	16		05
16	विधि विभाग	02	02	03
17	प्रबन्धन अध्ययन विभाग	04	10	04
viii)	**भौतिक एवं गणितीय विज्ञान पीठ**			
18	गणित विभाग	10	01	07
19	भौतिकी विभाग	08	03	02
20	सांख्यिकी विभाग		06	
ix)	**अंतर्वैषयिक और अनुप्रयोज्य विज्ञान पीठ**			
21	जैवरसायन विज्ञान विभाग	01		
22	पोषण जीवविज्ञान विभाग	05		01
23	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	02		02
x)	**शिक्षा पीठ**	07		38
	कुल	**168**	**59**	**104**

वर्ष 2018–19 के दौरान विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के प्रकाशनों का सारांश

क्र.सं.	विभाग / केन्द्र / प्रकोष्ठ	शोध पत्र	पुस्तक में अध्याय	पुस्तक	अन्य (सम्मेलन की कार्यवाही प्रस्तुत पेपर्स / लोकप्रिय लेख आदि)
i)	**कला, मानविकी, एवं सामाजिक विज्ञान पीठ**				
1	अर्थशास्त्र विभाग	8	3		8
2	इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग	9		1	10
3	राजनीति विज्ञान विभाग	4			2
4	मनोविज्ञान विभाग	1		1	3
5	समाजशास्त्र विभाग	5			3
6	शिक्षा विभाग	16	1	2	15
ii)	**रसायन विज्ञान पीठ**				
7	रसायन विज्ञान विभाग	11			2
iii)	**कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी पीठ**				
8	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग			1	1
9	पुस्तकालय एवं सूचना विभाग	2		3	3
iv)	**पृथ्वी, पर्यावरण एवं अन्तरिक्ष अध्ययन पीठ**				
10	पर्यावरण विज्ञान विभाग	7	2		1
11	भूगोल विभाग	4			3
v)	**पत्रकारिता, जनसंचार एवं मीडिया पीठ**				
12	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग		1		
vi)	**भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति एवं विरासत पीठ**				
13	अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग	3			5
14	हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग	1		1	1
15	पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग	1			6
vii)	**विधि, शासन, लोकनीति एवं प्रबन्धन पीठ**				
16	वाणिज्य विभाग				4
17	विधि विभाग	4	1		4
18	प्रबन्धन अध्ययन विभाग	9	3		7
viii)	**भौतिक एवं गणितीय विज्ञान पीठ**				
19	गणित विभाग	16		1	1
20	भौतिकी विभाग	21		1	11
21	सांख्यिकी विभाग	16			5
ix)	**अन्तर्वैषयिक और अनुप्रयोज्य विज्ञान पीठ**				
22	जैवरसायन विज्ञान विभाग	30	7	1	
23	पोषण जीवविज्ञान विभाग	7	4		1
24	जैवप्रौद्योगिकी विभाग	11	2		
25	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	8	6		
x)	**शिक्षा पीठ**	13	3		14
xi)	**अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ**	23	8		3
xii)	**दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र**	2			2
	कुल	**232**	**41**	**12**	**115**

2018–19 के दौरान स्कोपस इम्पैक्ट फैक्टर के साथ प्रकाशित शोधपत्र

क्र.सं.	प्रकाशन	प्रभाव कारक	विभाग
1	ऐन, एस. क्यू., मुर्ताघ, जे., टूमी, के. बी., गुप्ता, एम. के., ओ. सुलिवन, टी. पी., इंग्राम, आर., तांग, जे. एल. (2019). इंटरस्पीसीज सिग्नल एनालॉग्स द्वारा स्यूडोमोनस एरुगिनोसा में एंटीबायोटिक संवेदनशीलता और बायोफिल्म निर्माण का मॉड्यूलेशन। नेट कम्युन, 10 (1), 2334।	11.88	रसायन विज्ञान
2	महतो, के; कुमार,ए; मौर्य, पी.के. व चंद्र, पी. (2018)। मिनीएचराइज्ड नैनोबायोसेंसर्स और माइक्रोफ्लुइडिक युक्तियों के आधार पर नैदानिक रूप से प्रासंगिक नमूनों में कैंसर निदान का परिवर्तित होता प्रतिमान। बायोसेंसर्स एंड बायोइलेक्ट्रॉनिक्स, 100, 411–428।	9.52	जैवरसायन
3	सीरम, ई.एम.; सेल्वाकुमार, एस.; जिम्मरमैन, एन; व सिबी, एम.पी. (2018)। 2,5–फुरंडाईकारबॉक्सिलिक अम्ल का मूल्यवर्धन. बेंजीन के साथ डायल्स–आल्डर अभिक्रियाएँ। ग्रीन केमिस्ट्री, 20 (7), 1448–1454।	9.41	रसायन विज्ञान
4	सुषमा; सरोहा, ए.के. (2018)। वायुमंडलीय दाब पर सेरिया संवर्धित MnOx/Al2O3 उत्प्रेरक का उपयोग करके सीडब्ल्यूएओ द्वारा पाइरीडाइन और इसके व्युत्पन्नों युक्त औद्योगिक कार्बनिक रैफिनेट का जैवअपघटनीय संवर्धन. केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 334, 985–994।	8.36	बी.वॉक.
5	शर्मा, आर.; कुमार, पी.; कौशल, वी.; दास, आर. व कुमार एन.एन. (2018)। लैक्टोबैसिलस फेरमेंटम एनकेएन51 से फाइटेज की तरह नवीन प्रोटीन टायरोसिन फॉस्फेटरू खाद्य प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए खनिज विमोचन में क्लोनिंग, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग। बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, 249, 1000–1008।	6.67	जैव रसायन
6	जानसेन्स, आर; मंडल, एम.के.; दुबे, के.के.; लुइस, पी. (2017)। अपशिष्ट जल से भेषज यौगिकों को हटाने के लिए स्लरी फोटोकैटलिटिक मेम्ब्रेन रिएक्टर प्रौद्योगिकीः साइटोस्टेटिक औषध उन्मूलन की ओर। साइंस ऑफ द टोटल एन्वायरमेंट, 599–600, 612–626।	5.59	जैव प्रौद्योगिकी
7	बाला, ए.; सिंह, बी. (2019)। नवीकरणीय जैव ईंधन के उत्पादन के लिए थर्मोफाइल्स के सेलुलोलिटिक और जाइलनोलिटिक एंजाइम्स। रिन्यूएबल एनर्जी, 136, 1231–1244।	5.44	जैव प्रौद्योगिकी
8	कृष्णिया, एल; यादव, बी.एस.; पलनीतकर, यू; सत्यम, पी. वी.; गुप्ता, बी.के.; कोराटकर, एन.ए.; त्यागी, पी.के. (2018)। अनोखा खेत उत्सर्जन गुण रखने वाले पाइरोलाइज्ड–गन्ने की खोई के रूप में। एप्लाइड सर्फेस साइंस, 443, 184–190।	5.16	भौतिक विज्ञान
9	कुमारी, आर.; त्यागी, पी.के.; पुरी, एन.के. (2018)। इलेक्ट्रॉन विकिरणन प्रेरित बहु–भित्ती कार्बन नैनोट्यूब्स का भित्ती–से–भित्ती जुड़ाव। एप्लाइड सर्फेस साइंस, 453, 153–158।	5.16	भौतिक विज्ञान
10	सलेही, बी.; मार्टोरेल, एम.; अर्बिसर, जे.एल.; सुरेदा,ए.; मार्टिन्स, एन.; मौर्य, पी.के. व अन्य (2018)। एंटीऑक्सिडेंट्सः सकारात्मक या नकारात्मक कर्त्ता? बायोमॉलक्युल्स, 8 (4), 124।	4.69	जैवरसायन
11	अली,एम.एन.; हुसैन एस.एम.; साहा,ए.; भौमिक एस.के.; धवन, एस.; तुर्गुत ए.के.. (2018)। शर्मा–टास्सो–ऑलवर समीकरण का सटीक समाधान, संरक्षण नियम, अरैखिक और अति अरैखिक चलने वाली तरंगों का द्विभाजन। नॉनलीनियर डायनेमिक्स, 94 (3), 1791–1801।	4.60	गणित
12	कौर, बी.; गुप्ता, आर.के. (2019)। स्पेस–टाइम फ्रैक्शनल डिफरेंशियल इक्वेशन के लिए विसरण विश्लेषण और संवर्धित एफ–विस्तारण विधिड। नॉनलीनियर डायनेमिक्स, 96 (2), 837–852।	4.60	गणित

13	अग्रवाल, टी.; वाधवा, आर.; थपलियाल, एन.; शर्मा, के.; रानी, वी.; मौर्य, पी.के. (2019). क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिसऑर्डर से जुड़ा ऑक्सीडेटिव, इंफ्लामेटरी, जेनेटिक और एपिजेनेटिक बायोमार्क। जे सेल फिजियोल, 234 (3), 2067–2082।	4.52	जैवरसायन
14	वाधवा, आर; अग्रवाल,टी.; मलायला, वी.; कुमार, एन.; गुप्ता, जी; चेल्लप्पन, डी.; दुआ, के. (2019)। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के प्रति बायोमार्कर और जेनेटिक अप्रोच की पहचान। जर्नल ऑफ सेल्युलर फिजियोलॉजी, 234 (10), 16703–16723।	4.52	जैवरसायन
15	रहमावती, ई.; यांग, डब्ल्यू.सी.वी.; लेई, वाई.पी.; मौर्य, पी.के.; चेन, एच.डब्ल्यू; त्जेंग, सी.आर.; (2019)। गोनैडोट्रोपिन–विमोचक हार्मोन एगोनिस्ट उपचार प्राप्त करने के बाद डिम्बग्रंथि की एंडोमेट्रियोसिस वाली महिलाओं में न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर न्यूरिटिन 1 का घटा स्तर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉलक्युलर साइंसेज, 20 (18), 4352।	4.18	जैवरसायन
16	कुमार, वी.; त्यागी, पी.के. (2018)। कुशल अल्कोहल सेंसिंग के लिए बहु–भित्तिय कार्बन नैनोट्यूब / सक्रिय कार्बन / बांस चारकोल का संभावित अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ एलॉयज एंड कंपाउंड्स, 767, 215–222।	4.18	भौतिक विज्ञान
17	घोष, टी.; श्रीवास्तव, एस.के.; गौरव ए., कुमार,ए.; कुमार, पी.; यादव, ए.एस.; व अन्य (2019)। ए कांबीनेशन ऑफ लिनालूल, विटामिन सी, एंड कॉपर सिनर्जिस्टिकली ट्रिगर्स रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज एंड डीएनए डैमेज एंड इनहिबिट्स साल्मोनेला एंटरिका सबस्पीशीज एंटरिका सेरोवर टाइफी एंड विब्रियो फ्लूविआलिस. एप्ली. एन्वॉयर. माइक्रोबायोल, 85 (4), ई02487–02418।	4.08	जैवरसायन
18	मौर्य, पी.के.; रिजो, एल.बी.; जेवियर, जी.; टेम्पाकु, पी.एफ.; ओटा, वी.के.; संटोरो, एम.एल.; व अन्य (2018)। सिजोफ्रेनिया के विभिन्न चरणों में ल्यूकोसाइट टेलोमेर की लंबाई में भिन्नता। जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक रिसर्च, 96, 218–223।	3.92	जैवरसायन
19	जेवियर, जी.; स्पिंडोला, एल.एम.; ओटा, वी.के.; कार्वाल्हो, सी.एम.; मौर्य, पी.के.; टेम्पाकु, पी.एफ.; बेलांगेरो, एस.आई. (2018)। टेलोमीयर की लंबाई पर पुरुष–विशिष्ट बचपन आघात का प्रभाव। जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक रिसर्च, 107, 104–109।	3.92	जैवरसायन
20	देओरी, एन.एम.; काले, ए.; मौर्य, पी.के.; नागोटू, एस. (2018)। पेरॉक्सिसोम्सरू कोशिकीय आयुवर्धन और आयु से संबंधित विकारों में भूमिका। बायोगेरोंटोलॉजी, 19 (5), 303–324।	3.81	जैवरसायन
21	कुमार, ए.; परवीन, एस; शर्मा, आई.; पाठक, एच.; देशमुख, एम.वी.; शार्प, जे.ए.; कुमार, एस. (2019)। EchAMP में संरचनात्मक और यंत्रवत अंतर्दृष्टिः एकिडना के दूध से रोगाणुरोधी प्रोटीन. बायोकिमिका एट बायोफिजिका एक्टा (बीबीए) – बायोमेम्ब्रेंस, 1861 (6), 1260–1274।	3.79	जैव प्रौद्योगिकी
22	लिखाइट,एन; यादव, वी.; मिलिमैन, ई.जे.; सोपारीवाला, डी.एच.; लोरका, एस.; नारायणा, एन.पी. व अन्य(2019)। एस्ट्रोजेन से संबंधित ग्राही अल्फा की हानि एंडोथेलियल कोशिकाओं में एंजियोजेनेसिस सुविधाजनक बनाता है। मॉलक्युलर एंड सेलुलर बायोलॉजी, 39 (5), ई00411–00418।	3.74	जैवरसायन
23	कुमार, ए.; पॉल, जे. (2018)। उभरते बाजार में अमेरिकी बनाम एशियाई लैपटॉप ब्रांडों के बीच व्यापक प्रतिष्ठा मूल्य और प्रतिस्पर्धा–सिद्धांत और साक्ष्य। इंटरनेशनल बिजनेस रिव्यू, 27 (5), 969–981।	3.64	प्रबंधन अध्ययन
24	जायसवाल, डी.; कांत, आर. (2018)। हरित खरीदारी व्यवहारः अवधारणात्मक रूपरेखा व भारतीय उपभोक्ताओं की अनुभवजन्य जाँच। जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 41, 60–69।	3.59	बी.वॉक.
25	भट, आर; यादव, पी.; सहाय, डी.; भार्गव, डी.के.; क्रीटन, सी.जे.; यजदनफर्ड, एस. व अन्य (2018)। जीपीसीआर प्रोफाइलिंग व एचईआर2+ स्तन कैंसर में संभावित नए लक्ष्य के रूप में जीपीआर110 की पहचान। ब्रेस्ट कैंसर रिसर्च एंड ट्रीटमेंट, 170 (2), 279–292।	3.47	जैवरसायन

26	टेम्पाकु, पी.; हिरोत्सु, सी.; मजोट्टी, डी.; जेवियर, जी.; मौर्य, पी.के. व अन्य (2018)। नींद की लंबी अवधि, अनिद्रा व अल्पकालिक वस्तुनिष्ठ नींद की अवधि के साथ अनिद्रा स्वतंत्र रूप से टेलीमीयर की छोटी लंबाई से जुड़े हुए हैं। जर्नल ऑफ क्लिनिकल स्लीप मेडिसिन, 14 (12), 2037–2045।	3.46	जैवरसायन
27	मेहता, एम.; दीक्षा, एस.एन.; व्यास, एम.; खुराना, एन.; मौर्य, पी.के. व अन्य (2019)। मैक्रोफेज के साथ अंतःक्रिया : श्वसन रोगों में नवीन दवा वितरण प्रणाली का उपयोग करने वाला उभरता हुआ लक्षित दृष्टिकोण। केम बायोल इंटरैक्ट, 304, 10–19।	3.41	जैवरसायन
28	दुआ के.; मलयला वी.; सिंघवी जी.; वाधवा आर.; कृष्णा आर.वी.; शुक्ल एस.डी.; शास्त्री एम.डी.; चेल्लप्पन डी.के.; मौर्य, पी.के.; सतीजा एस.; मेहता एम.; गुलाटी एम.; हैंसब्रो एन.; कोल्लेट टी.; अवस्थी आर., गुप्ता जी.;ह्सु ए.; हैंस्ब्रो पी.एम. (2019)। पुरानी सांस की बीमारियों में ऑक्सीडेटिव तनाव की बढ़ती जटिलता और अंतःक्रियाएँ : नवीन दवा वितरण प्रणालियों की उभरती आवश्यकता. केमिको– बायोलॉजिकल इंटरैक्शन, 299, 168–178।	3.41	जैवरसायन
29	हेमांशी, गुप्ता, आर.; कुहाड़, आर.सी.; सैनी, जे.के. (2018)। कुशल एंजाइमेटिक सैकरीफिकेशन के लिए नव पृथक्करित एस्परगिलस नाइजर आरसीकेएच–3 द्वारा पूर्ण सेल्युलेज प्रणाली का लागत प्रभावी उत्पादनरू समग्र मूल्यांकन मानदंड दृष्टिकोण (ओईसी) द्वारा मध्यम इंजीनियरिंग. बायोकेमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 132, 182–190।	3.37	सूक्ष्मजीव विज्ञान
30	दुबे, के.के.; ल्यूक, जी.ए.; नॉक्स, सी.; कुमार, पी.; पेलेट्सके, बी.आई; सिंह, पी.; शुक्ला, पी. (2018)। पौधों में वैक्सीन और एंटीबॉडी उत्पादनः विकास और संगणनात्मक उपकरण। ब्रीफिंग इन फंक्शनल जीनोमिक्स, 17 (5), 295–307।	3.13	जैव प्रौद्योगिकी
31	अहमद, एम.एन.; शाहिद, एम.; अंसारी, ए.; कुमार, एम.; खान, आई.एम.; अहमद, एम.; आरिफ, आर.; (2019)। समद्विनाभिकीय Cu ;पपद्धसम्मिश्र की संरचना, चुंबकीय गुणधर्म और डीएनए आबंधन संबंध की जाँच करने का संयुक्त प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक दृष्टिकोण। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 43 (19), 7511–7519।	3.07	रसायन विज्ञान
32	गांधी, एस.; बंगा, आई.; मौर्य, पी.के.; एरमिन, एस.ए.; (2018)। डिपस्टिक द्वारा तेजी से मॉर्फिन का पता लगाने के लिए रोग–प्रतिरक्षा जाँच के रूप में स्वर्ण नैनोकण–एकल–श्रृंखला खंड परिवर्तनशील एंटीबॉडी। आरएससी एडवांसेज, 8 (3), 1511–1518।	3.05	जैवरसायन
33	त्रिपाठी, एस.; सांगवन, आर.एस.; मिश्रा, बी.; जादौन, जे.एस.; सांगवन, एन.एस (2019)। बेरी ट्रांसक्रिप्टोमः विथानिया सोम्निफेरा (अश्वगंधा) में विकास अवलंबित द्वितीयक चयापचय समझने के लिए नवीन संसाधन में अंतर्दृष्टि। फिजियोलॉजी प्लांटरम, एन/ए।	3.00	जैवरसायन
34	शर्मा, के.; अत्री, एस.; गोयल, जी. (2019)। प्रोबायोटिक का चयन और मूल्यांकन तथा किण्वित गेहूँ के आटे की लोई बैब्रो से पृथक्करित स्थानिक लैक्टिक अम्ल जीवाणु की कार्यात्मक विशेषताएँ. प्रोबायोटिक्स एंड एंटीमाइक्रोबियल प्रोटीन, 11 (3), 774–784।	2.96	सूक्ष्मजीव विज्ञान
35	सिंह, एम.; शर्मा, डी.; चौहान, आर; गोयल, जी. (2019)। उद्दीपित जठरांत्रीय स्थितियों में लैक्टोबैसिलस गैस्ट्रिकस बीटीएम 7 की संवर्धित स्थिरता और व्यवहार्यता के लिए स्किम्ड दूध आधारित संपुटीकरण। प्रोबायोटिक्स एंड एंटीमाइक्रोबियल प्रोटीन, 11 (3), 850–856।	2.96	सूक्ष्मजीव विज्ञान
36	खटाना, ए.के.; सिंह, वी.; गुप्ता, एम.के.; व तिवारी, बी.; (2018)। कार्बोक्सिलिक अम्ल में एल्डिहाइड का अत्यधिक कुशल एनएचसी–उत्प्रेरित वायवीय ऑक्सीकरण। सिंथेलिसस, 50 (21), 4290–4294।	2.87	रसायन विज्ञान

37	कुमार, एम.; रामनाथन, ए.एल.; मुखर्जी, ए.; वर्मा, एस; रहमान, एम.एम.; नायडू, आर. (2018)। आर्सेनिक विमोचन के लिए जलभू–अकारिकी संबंधी प्रभाव और केंद्रीय गंगा बेसिन, भारत में नियति। एन्वॉयरमेंटल टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, 12, 243–260।	2.80	पर्यावरण विज्ञान
38	रहमावती, ई.; यांग, डब्ल्यू.सी.वी.; लेई, वाई.पी.; मौर्य, पी.के.; चेन, एच.डब्ल्यू.; त्जेंग, सी.आर. (2019)। गोनैडोट्रोपिन–विमोचक हार्मोन एगोनिस्ट एंडोमेट्रियोसिस वाली महिलाओं में टेनिन 1 का अधोनियमन प्रेरित करता है. एक्टा ओब्स्टेट्रिकिया एट गाइनकोलॉजिका स्कैंडिनेविका, 98 (2), 222–231।	2.74	जैवरसायन
39	कुमार, ए.; पुरोहित, बी.; मौर्य, पी.के.; पांडे, एल.एम.; चंद्रा, पी. (2019)। विद्युत रासायनिक जैव संवेदकों का विश्लेषणात्मक प्रदर्शन बढ़ाने के लिए इंजीनियर्ड नैनोमटेरियल सहायातीत सिग्नल–प्रवर्धन रणनीतियाँ। इलेक्ट्रोएनालिसिस, 31 (9), 1615–1629।	2.69	जैवरसायन
40	बोरा, सी.के.; त्यागी, पी.के.; कुमार, एस.; पटेल, के. (2018)। पी–प्रकार की फॉस्फोरिन शीट की कुछ परतरू सिलिकॉन हेटरोजंक्शन सौर सेल में कुशल पारदर्शी चालक इलेक्ट्रोड। कम्प्यूटेशनल मटेरियल्स साइंस, 151, 65–72.	2.64	भौतिकी
41	शर्मा, के.; पूर्णाचित्रा, एम.; बालामुरुगन, के.; गोयल, जी. (2019)। प्रयोगात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण कैनोराबडिटिस एलिगैस में ई.कालाई संक्रमण के विरुद्ध प्रोबायोटिक मीडिएटेड कोलोनाइजेशन प्रतिरोध. माइक्रोबियल पैथोजेनेसिस, 127, 39–47।	2.58	सूक्ष्मजीव विज्ञान
42	कुमार, एस.; शंकर, ए.; किशोर, एन. (2018)। SiO2 की लेजर क्षतिग्रस्त सीमा और बहुपरतों वाली TiO2/SiO2 पतली फिल्म पर मोटाई और तरंग दैर्घ्य का प्रभाव। जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 6 (1), 13–18।	2.53	भौतिकी
43	सरोहा, आर.; पंवार, ए.के.; गौड़, ए.; शर्मा, वाई.; कुमार, वी.; त्यागी, पी.के. (2018)। लिथियम आयन बैटरियों के लिए वैकल्पिक कैथोड सामग्री के रूप में नवीन ओलिवाइन की परत (LiFePO4&Li2MnO3) वाले द्विकसम्मिश्र का विद्युत रासायनिक अध्ययन. जर्नल ऑफ सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, 22 (8), 2507–2513।	2.53	भौतिकी
44	मिश्रा, बी.; सांगवन, एन.एस. (2019)। आरओएस प्रबंधन द्वारा विथानिया सोम्निफेरा में कैडमियम तनाव का सुधारः प्राथमिक और द्वितीयक चयापचय की सक्रिय प्रतिभागिता। प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, 87 (3), 403–412।	2.47	जैवरसायन
45	कुमार, एम.; रामनाथन, ए.एल.; (2018)। केंद्रीय गंगा बेसिन की तलछट में As, Fe, Mn, Zn व Cu की ऊर्ध्वाधर भू–रासायनिक भिन्नताओं और जाति–उद्भवन का अध्ययन : अनुक्रमिक निष्कर्षण और सांख्यिकीय दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एन्वायरमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 15 (2), 183।	2.47	पर्यावरण विज्ञान
46	वाधवा, आर.; गुप्ता, आर; मौर्य, पी.के. (2018)। न्यूरोडिजेनरेटिव और न्यूरोसाइकियाट्रिक विकार में ऑक्सीडेटिव तनाव और त्वरित आयुवर्धन। करेंट फार्मास्युटिकल डिजाइन, 24 (40), 4711–4725।	2.41	जैवरसायन
47	सिंह, आर.एस.; वीर, डी.; कुमार, एच.; (2018)। सह–अवक्षेपण तकनीक का उपयोग करके ZnO-TiO2 नैनोकम्पोजिट्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 9 (1), 71–77।	2.33	रसायन विज्ञान
48	कृष्णिया, एल.; त्यागी, पी.के.. (2018)। तापीय रासायनिक वाष्प निक्षेपण द्वारा वायुमंडलीय दाब पर कार्बन अग्रदूत के रूप में गन्ने की खोई का उपयोग करके सिलिकॉन फिल्म पर पॉलीक्रिस्टलाइन डायमंड फिल्म का विकास और लक्षण वर्णन। डायमंड एंड रिलेटेड मटेरियल्स, 87, 18–26।	2.29	भौतिकी

49	एके, टी.; ट्रिकी, एच.; धवन, एस.; एर्दुरन, के.एस. (2018)। गार्डनर समीकरण के सॉलिटरी वेव सॉल्यूशंस पर सैद्धांतिक और संख्यात्मक जाँच। द यूरोपियन फिजिकल जर्नल प्लस, 133 (9), 382।	2.62	गणित
50	रिजो, एल.बी.; स्वार्डफेजर, डब्ल्यू.; मौर्य, पी.के.; ग्रेफ, एम.जेड.; पेड्रिनी, एम.; असेवेडो, ई. व अन्य (2018)। विकार में प्रतिरक्षाविज्ञानी आयु सूचकांक : कल्पित प्रतिरक्षा जीर्णता मार्करों और नैदानिक विशेषताओं के साथ संबंधों का पुष्टिकारी कारक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेथड्स इन साइकियाट्रिक रिसर्च, 27 (4), 1614।	2.28	जैवरसायन
51	कुमार, वी.पी.; गुप्ता, एम.के.; हॉर्गन, सी.; ओश्सुल्लीवन, टी.पी. (2018)। एल्कीन जिपर अभिक्रिया का उपयोग करके कोरम संवेदक अणु प्रसारण योग्य संकेत कारक का संश्लेषण. टेट्राहेड्रन लेटर्स, 59 (22), 2193–2195।	2.26	रसायन विज्ञान
52	अग्रवाल, टी., वाधवा, आर., रोहिल, वी. व मौर्य, पी. के. (2018)। पुराने प्रतिरोधक फुफ्फुसीय रोग में ऑक्सीकारक तनाव और प्रोटीन–प्रोटीन अंतरू क्रिया के बायोमार्कर। आर्क फिजियोल बायोकैम, 124 (3), 226–231।	2.11	जैवरसायन
53	शर्मा, डी., महाजन, आर. व गोयल, जी. (2019)। अपशिष्टों के अवयवीय पाचन के त्वरण के लिए प्रत्यक्ष अन्तराजातीय इलेक्ट्रॉन अन्तरण क्रियाविधि में अन्तर्दृष्टि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एन्वॉयरमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 16 (4), 2133–2142।	2.03	सूक्ष्मजीव विज्ञान
54	बधवार, पी.; कुमार, पी.; दुबे, के.के. (2018)। पुलुलान के शुद्धिकरण के लिए पॉली एथिलीन ग्लाइकोल और डेक्सट्रान युक्त जलीय दो–चरणीय प्रणालियों का विकासः चरण आरेख और वित्तीय विश्लेषण। इंजीनियरिंग इन लाइफ साइंसेज, 18 (8), 524–531।	1.94	जैव प्रौद्योगिकी
55	एके, टी.; साहा, ए.; धवन, एस. (2019)। प्रागमी तरंगों पर संकर संगणनात्मक योजना का प्रदर्शन। सिस्टम, 2 (q2), 35।	1.93	गणित
56	कुमार, एस.; शंकर, ए.; किशोर, एन.; मुखर्जी, सी., केदारनाथ, आर.; ठाकुर, एस. (2019)। 532 और 1064 नैनोमीटर पर Ta2O5 and Ta2O5/SiO2 फिल्मों की लेजर प्रेरित क्षति सीमा। ओप्टिक, 176, 438–447।	1.91	भौतिकी
57	नासर, एम., कुमार, डी., डे, एस., गौस एम. सी.; अहमद, ए. (2019): द मार्शल–ऑल्किन अल्फा पावर फैमिली ऑफ डिस्ट्रीब्यूशंस, जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, 351, 41–53।	1.88	सांख्यिकी
58	डे, एस.; नासर, एम.; कुमार, डी. (2019) : अल्फा पॉवर ट्रांसफॉर्मड लिंडली डिस्ट्रीब्यूशन : ए डिस्ट्रीब्यूशन विद अपसाइड–डाउन बाथटब–शेप्ड हजार्ड फंक्शन, जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स, 348, 130–145।.	1.88	सांख्यिकी
59	कजला, ए. (2019) सम्मिश्रण प्रकार के सामान्यीकृत बर्नस्टीन– कांटोरोविच प्रचालक। फैक्टा यूनीवर्सिटीज सीरीज मैथमेटिक्स एंड इन्फार्मेटिक्स।	1.87	गणित
60	कजला,ए.; देशवाल, एस.; अग्रवाल, पी. एन. (2018)। सम्मिश्रण प्रकार के जैन–डर्रमेयर प्रचालकों के लिए मात्रात्मक वोरोनोवस्काया और ग्रुस–वोरोनोवस्काया प्रकार के प्रमेय। एनालिसिस ऑफ मैथमेटिकल फिजिक्स।	1.79	गणित
61	कुमार, पी.; वाधवा, आर.; गुप्ता, आर.; चंद्रा, पी.; मौर्य,पी.के. (2018)। एरिथ्रोसाइट मॉडल का उपयोग करके इंट्रासेल्युलर क्वेरसेटिन अपटेक का स्पेक्ट्रोस्कोपिक निर्धारण और और मानव आयुवर्धन में इसके निहितार्थ। 3 बायोटेक, 8 (12), 498।	1.79	जैवरसायन
62	कुमार, वी.; वाधवा, आर.; कुमार, एन.; व मौर्य, पी.के. (2019)। रासायनिक रूप से संश्लेषित और कैमेलिया साइनेन्सिस की पत्ती के अर्क–मध्यस्थ सिल्वर नैनोकणों का तुलनात्मक अध्ययन। 3 बायोटेक, 9 (1), 7।	1.79	जैवरसायन

63	महतो, के.; नागपाल, एस.; शाह, एम.ए.; श्रीवास्तव, ए.; मौर्य, पी.के. रॉय, एस.; चंद्रा, पी.; (2019)। गोल्ड नैनोकण पृष्ठ इंजीनियरिंग रणनीतियाँ और बायोमेडिसिन और डायग्नोस्टिक्स में उनका अनुप्रयोग। 3 बायोटेक , 9 (2), 57।	1.79	जैवरसायन
64	वाधवा, आर.; अग्रवाल, टी.; थपलियाल, एन.; कुमार, ए; प्रिया, वाई. मौर्य, पी.के. व अन्य (2019)। धात्विक नैनोकणों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए कुशल इन विट्रो मॉडल के रूप में लाल रक्त कोशिकाएँ। 3 बायोटेक , 9 (7), 279।	1.79	जैवरसायन
65	टालोकिका; सिंह, डी., बी. (2018)। कुक्कुट आहार के पोषण मान में सुधार लाने में बैसिलस सबटिलिस की उपप्रजाति सबटिलिस JJBS 250 के अम्लीय जाइलेनेज की उपयोगिता। 3 बायोटेक, 8 (12), 503।	1.79	जैव प्रौद्योगिकी
66	दहिया, एस.; सिंह, बी. (2019)। कृषि संबंधी अधःस्तरों के सैकरीफिकेशन में प्रयोज्यता के साथ माईसेलियोफ्थोरा थर्मोफिला द्वारा संवर्धित एन्डोक्सिलैनेज उत्पादन. 3 बायोटेक , 9 (6), 214।	1.79	जैव प्रौद्योगिकी
67	कुमार, पी.; दुबे, के.के. (2017)। उत्परिवर्तनजनन का प्रभाव और स्ट्रेप्टोमाइसीज टोक्सिट्रिसिनी का उपयोग करके जलमग्न किण्वन के माध्यम से लिप्स्टेटिन (एक मोटापारोधी एजेंट) के जैवसंश्लेषण के संवर्धन की दिशा में अग्रदूत पूरकता। 3 बायोटेक, 8 (1), 29।	1.79	जैव प्रौद्योगिकी
68	शर्मा, चंचल कुमार व स्वेनडेन, विल्फ्रेड. (2019)। आर्थिक शासनः क्या वर्चस्वशाली दल संतुलन बनाता या तोड़ता है? भारत का मामला। इंटरनेशनल पॉलीटिकल साइंस रिव्यू, 0192512119866845।	1.77	राजनीति विज्ञान
69	दुआ के., वाधवा, आर.; सिंघवी, जी.; रापल्ली, वी.के., शुक्ला, एस.डी., शास्त्री, एम. डी., गुप्ता, जी., सतीजा, एस.; महता, एम.;, खुराना, एन.; अवस्थी, आर.; मौर्य पी.के., थंगावेलू एल.; कुमार, एस.आर.; तम्बुवाला, एम.एम; कोल्लेट, टी.; हैंस्ब्रो, पी.एम.; चेलप्पन, डी.के. (2019)। श्वसन संबंधी विकारों में siRN। आधारित दवा वितरण की क्षमताः हालिया उन्नति और प्रगति। ड्रग डेवलपमेंट रिसर्च, 80 (6), 714–730।	1.74	जैवरसायन
70	कुमारी, आर.; त्यागी, पी.के.; पुरी, एन.के. (2018)। अलग–अलग बहु–भित्तीय कार्बन नैनोट्यूब का कार्य प्रकार्य और विद्युतीय गुणधर्मः उत्प्रेरक और अधःस्तर की प्रकृति से प्रभावित। एप्लाइड फिजिक्स ए, 124 (7), 466।	1.69	भौतिकी
71	सिंह, एस.; त्यागी, पी.के.; सिंह, एच.के. (2018)। एपिटैक्सियल सं0.23Pr0-41Ca0-36MnO3 पतली फिल्मों में संरचना, चुंबकत्व और विद्युत परिवहन : फिल्म की मोटाई के परिणाम। एआईपी एडवांसेज, 8 (9), 095002।	1.58	भौतिकी
72	दांगी, ए.के.; दुबे, के.के.; शुक्ला, पी. (2017)। सैक्रोमाइसेज सेरेविसिया में सुधार के लिए रणनीतियाँ : तकनीकी प्रगति और उद्विकास संबन्धी इंजीनियरिंग। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 57 (4), 378–386।	1.53	जैव प्रौद्योगिकी
73	दीपशिखा; कुमार, एस. (2018)। मध्यवर्ती ऊर्जा पर व्यापक सममितीय टकराव वाले नाभिक के लिए स्मृति हानि का व्यापक अध्ययन। न्यूक्लियर फिजिक्स ए, 978, 13–24।	1.46	भौतिकी
74	दीपशिखा; कुमार, एस.; (2018)। भारी–आयन टकराव गतिशीलतः अण्डाकार प्रवाह और परमाणु रूकावट के साथ सहसंबंध। न्यूक्लियर फिजिक्स ए, 977, 69–81.	1.46	भौतिकी
75	दीपशिखा; कुमार, एस. (2018)। भारी आयन टक्करों में अवलोकन योग्य परमाणु रुकावट की जाँच। न्यूक्लियर फिजिक्स ए, 975, 29–47।	1.46	भौतिकी
76	दीपशिखा; कुमार, एस. (2019)। मध्यवर्ती ऊर्जा पर केंद्रीय भारी–आयन टक्करों में स्मृति हानि। न्यूक्लियर फिजिक्स ए, 983, 240–251।	1.46	भौतिकी
77	कौर, के.; कुमार, एस.; (2018)। व्यापक असममित भारी आयन अभिक्रियाओं में परमाणु प्रवाह की स्केलिंग। न्यूक्लियर फिजिक्स ए, 980, 91–104। **डीओआई:** https://doi-org/10-1016/j-nuclphysa.2018.10.026	1.46	भौतिकी

78	कौर, के.; कुमार, एस.; (2018)। मध्यवर्ती ऊर्जाओं पर व्यापक असममित टकराव वाले नाभिक में घूर्णी प्रभावों का अध्ययन। न्यूक्लियर फिजिक्स ए, 973, 149–163।	1.46	भौतिकी
79	कुमार, एस. (2018)। लगभग सममितिक टकराव वाले नाभिक के लिए संक्रमण ऊर्जा की विभिन्न विशेषताएँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न फिजिक्स ई, 27।	1.39	भौतिक विज्ञान
80	कुमार, एम. रामनाथन, ए.एल., मुखर्जी, ए.; सवलानी, आर.; रंजन, एस. (2019)। स्थिर समस्थानिक हस्ताक्षरों का उपयोग करके मध्य गंगा बेसिन के होलोसीन जलाशयों में भूजल पुनर्भरण और कार्बन के निरूपणकारी स्रोत। आइसोटोप्स इन एन्वॉयरमेंट एंड हेल्थ स्टडीज, 55 (3), 254–271।	1.37	पर्यावरण विज्ञान
81	दीपशिखा; कुमार, एस. (2018)। मध्यवर्ती ऊर्जा पर व्यापक असममित अभिक्रियाओं में सम्पन्न अपर्याप्त संतुलन। मॉडर्न फिजिक्स लेटर्स ए, 33 (34), 1850201।	1.37	भौतिकी
82	दीपशिखा; कुमार, एस. (2018)। एनिसोट्रोपिक प्रवाह के विभिन्न हार्मोनिक्स के बीच नाभिकों की प्रतिभागिता। कनेडियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 96 (10), 1092–1097।	1.02	भौतिकी
83	लावण्या, ए. के.; शर्मा, ए.; चौधरी, एस.बी.; शर्मा, एच.; कुमार, एन.; पवन, के.एस.; सिंह, एस.; नैन, एल. (2019)। मेस्टा (हिबिस्कस एसपीपी) – बायोएथेनॉल उत्पादन के लिए संभावित फीडस्टॉक। एनर्जी सोर्सेज, पार्ट एः रिकवरी, यूटिलाइजेशन एंड एन्वॉयरमेंटल इफेक्ट्स, 1–14।	0.89	सूक्ष्मजीव विज्ञान
84	अकर, टी.; काजला, ए. (2018)। बिवारिएट सामान्यीकृत बर्नस्टीन प्रकार के प्रचालकों के लिए सन्निकटन की मात्रा। रिजल्ट्स इन मैथमेटिक्स, 73 (2), 79।	0.87	गणित
85	गुप्ता, आर.के.; सिंगला, के. (2018)। आंशिक विभेदक समीकरणों के परिवर्तनीय–गुणांक समय–भिन्नात्मक अरैखिक प्रणालियों का सममितता विश्लेषण। थियोरेटिल एंड मैथमेटिकल फिजिक्स, 197 (3), 1737–1754।	0.84	गणित
86	काजला, ए.; मिकलौस, डी.(2018)। पॉलियो–एज्जेनबर्गर वितरण पर आधारित स्टैंकू–दुर्रमेयर प्रकार के प्रचालकों द्वारा सन्निकटन। फिलोमैट, 32 (12), 4249–4261।	0.79	गणित
87	काजला, ए.; व मिकलौस, डी. (2018)। पोलिया वितरण पर आधारित लुपस–कांटोरोविच प्रकार के प्रचालकों के कुछ सुचारुता गुण। फिलोमैट, 32 (11), 3867–3880।	0.79	गणित
88	डे, एस.; नासर, एम.; कुमार, डी.; अलाबाउड, एफ. (2019) : अल्फा लॉगरिद्म ट्रांसफॉर्मड फ्रेचेट डिस्ट्रीब्यूशन : प्रॉपर्टीज एंड एस्टीमेशन, ऑस्ट्रियन जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स, 48, 70–93।	0.78	सांख्यिकी
89	चौधरी, जे. सिंह; एस.; तिवारी, आर.; गोयल, आर.; नैन, एल. (2019)। उच्च तापमान पर किण्वन की अनुक्रिया में ताप–सहिष्णु सैकरोमाइसेस सेरेविसिया जेआरसी6 की iTRAQ आधारित तुलनात्मक प्रोटियोमिक प्रोफाइलिंग। करेंट प्रोटियोमिक्स, 16 (4), 289–296।	0.77	सूक्ष्मजीव विज्ञान
90	सिंह, बी.पी.; कुमार, पी.; हक, एस.; जावेद, ए.; दुबे, के.के. (2017)। द्वैध उत्परिवर्तनजनन द्वारा नवीन उत्परिवर्ती के विकास के माध्यम से स्ट्रैपटोमाइसेज टॅक्रोलिमिकस (एटीसीसी 55098) में टैक्रोलिमस का सुधरता उत्पादन। ब्राजीलियन अर्काइव्स ऑफ बायोलॉजी एंड टेक्नोलॉजी, 60।	0.76	जैव प्रौद्योगिकी
91	अनीता, एस.; सोमवीर, बी. (2019)। अधःस्तर के रूप में चावल के भूसे का उपयोग करके थर्मोफिलिक कवक थर्मोआस्कस औरेंटिएकस से सेल्युलोलाइटिक एंजाइम उत्पादन। जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च।	0.74	पर्यावणरण अध्ययन
92	एके, टी.; ट्रिकी, एच.; धवन, एस.; भौमिक, एस.के.; मोशोकोआ, एसपी, उल्लाह, एमजेड; विश्वास, ए.(2018)। कोर्टेवेग–डी वीरीज समीकरण के साथ उथले पानी की लहरों का संगणनात्मक विश्लेषण। साइंशिया ईरानिका बी, 25 (5), 2582–2597।	0.72	गणित

93	डे, एस.; नासर, एम.; कुमार, डी. (2019) : मोमेंट्स एंड एस्टीमेशन ऑफ रिड्यूस्ड काइज डिस्ट्रीब्यूशन ऑन प्रोग्रेसिव टाइप–II राइड सेंसर्ड ऑर्डर स्टेस्टिक्स। हेसटेपी जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एंड स्टेस्टिक्स, 48, 332–350।	0.61	सांख्यिकी
94	गोयल, एम., ढिल्लों, एस. व कुमार, पी. (2019)। स्टार्च समृद्ध परिपक्व गेहूँ के दाने से उच्च गुणवत्ता वाला ट्रांसक्रिप्शनल रूप से सक्षम आरएनए अलगाव को बेहतर तरीका। जर्नल ऑफ एन्वॉयरमेंटल बायोलॉजी।	0.56	जैव प्रौद्योगिकी
95	काजला, ए.; अकर, टी. (2018)। सामान्यीकृत बर्नस्टीन–दुर्रमेयर प्रकार के प्रचालकों द्वारा सम्मिश्रण प्रकार का सन्निकटन। मिस्कॉल मैथमेटिकल नोट्स, 19 (1), 319–336।	0.47	गणित
96	कुमार, डी.; डे, एस. (2018) : अपर रिकॉर्ड वैल्यूज फ्रॉम एक्सटेंडेड एक्सपोनेंशियल डिस्ट्रीब्यूशन, जर्नल ऑफ मॉडर्न अप्लाइड स्टैटिस्टिक मेथड्स, 17, 2–18।	0.40	सांख्यिकी
97	यादव, आर.; महरा, वी. (2018) जिला जम्मू में महिलओं को सक्षम बनाना। पृ. 433–438, इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज। 25,3	0.24	शिक्षा

पिछले पांच वर्षों के दौरान हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शोधपत्रों के उद्धरणों की संख्या

लेखक	शीर्षक	वर्ष	जर्नल	उद्धृकर्ता
डकाल, टी सी, कुमार, ए, मजूमदार, आर एस यादव, वी	चांदी के नैनो कणों की रोगाणुरोधी गतिविधियों का क्रिया विधिक आधार। 7	2016	फ्रंटियर्स इन माइक्रो बायोलॉजी	199
मेनन, आर एस, बीजू, एटी, नायर, वी	एन–हेटेरोसाइक्लिक कार्बेन (एनएचसी) द्वारा उत्प्रेरित बैंजोइन अभिक्रियाओं के क्षेत्र में हाल ही में हुई प्रगतियां। 12: 444–461	2016	बेइंस्टीन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री	110
दहिया, डीके, रेणुका, पुनिया, एम, शांडिल्य, यूके, ढेवा, टी, कुमार, एन, कुमार, एस, पुनिया, एकेशुक्ला, पी	गट माइक्रोबायोटा मॉड्यूलेशन और प्रीबायोटिक फाइबर और प्रोबायोटिक्स के उपयोग से मोटापे पर प्रभावः एक समीक्षा। 8	2017	फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी	86
कुहाड़, आरसी, देसवाल, डी शर्मा, एस भट्टाचार्य, ए, जैन, केके, कौर, ए, प्लेट्सच्के, बीआई, सिंह, ए, कार्प, एम	सैलूलोज उत्पादन की समीक्षा और प्रमुख चुनौतियों के आधार पर वर्तमान रणनीतियों को पुनः परिभाषित करना। 55: 249–272	2016	रिन्यूएबल एंड सस्टेनेबल एनर्जी रिव्यूज	61
शर्मा, केएम, कुमार, आर, पंवार, एस, कुमार, ए	माइक्रोबियल क्षारीय प्रोटीएजेसः उत्पादन मापदंडों का अनुकूलन और उनके गुण धर्म। 15: 115–126	2017	जर्नल ऑफ जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजीब	40
बेरवाल, एन, धनखड़, एस, शर्मा, पी, कुंडू, आरएस, पुनिया, आर, किशोर, एन	सिलिकेट संशोधित बिस्मथ–बोरेट–टेलराइटकांचों का भौतिक, संरचनात्मक और ऑप्टिकल लक्षण वर्णन। 1127: 636–644	2017	जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर	32
कुमार, एम, कुमार, टी, अवस्थी, डीके	Ag:TiO2 नैनो कोम्पोसिट पतली फिल्मों में थर्मलएनीलिंग प्रेरित प्लास्मोनिक ब्लीचिंगका अध्ययन। 105: 46–49	2015	स्क्रिप्टा मैटीरियलिया	29
जायसवाल, डी, कांट, आर	पर्यावरण अनुकूल क्रय व्यवहारः भारतीय उपभोक्ताओं की वैचारिक रूपरेखा और अनुभवजन्य जाँच। 41: 60–69	2018	जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज	27
शर्मा, डी, प्रमाणिक, ए अग्रवाल,पी के	कप्रेसस टॉरुलोसा डी डोन की पत्तियों से अलग किए गए एंडोफाइटिक कवक पेप्टालोओटोप्सि सनेगलेक्टा बीएबी–5510 से बायो एक्टिव द्वितीयक मेटाबॉलिट्स का विकास। 6	2016	बायोटेक	21
कानू, पी, हलधर, आर, एटअल	मल्टी–स्टीमुली–रेस्पॉन्सिव एन्टेंगल्ड धातु–कार्बनिक फ्रेम वर्कों में क्रिस्टल डायनेमिक्स। 22: 15864–73	2016	केमिस्ट्री–आयूरोपीयन जर्नल	21

चक्रवर्ती, डी, कुमार, एम	भूजल आर्सेनिक संदूषण और भारत में इसके स्वास्थ्य प्रभाव 25: 1165–81 हाइड्रोलॉजी	2017	हाइड्रोजियोलॉजी जर्नल	20
यादव, आर पी, कुमार, टी, मित्तल, एके, द्विवेदी, एस, कांजीलाल, डी	वेरि इंगफ्लुएंसेस के आयन बीम विकिरण द्वारा उत्पादित सिलिकॉन सतहों के फ्रैक्टल लक्षण वर्णन। 347: 706–712	2018	एप्लाइड सर्फेस साइंस	18
कुमार, ए परमार, वी एस	मैक्रोमोलेक्युलर सिस्टम का संश्लेषण: लाइपेस उत्प्रेरित जैव–रासायनिक अभिक्रियाओं के माध्यम से: अनुप्रयोग और भविष्य के दृष्टिकोण। 45: 6855–87	2016	केमिकल सोसायटी रिव्यूज	17
कुमार, एस, वैद्य, एम	हाइपोक्सिया पी 27 के HIF1 – निर्भर विनियमन के माध्यम से मेसेनकाइमल स्टेम सेल प्रसार को रोकता है। 415: 29–38	2016	मॉलीक्यूलर एंड सेल्यूलर बायोकेमिस्ट्री	17
निर्मले, टीसी, काले, बीबी, वर्मा, ए जे	सेलूलोज और लिग्निन आधारित बाइंडर्स और इलेक्ट्रोड पर एक समीक्षा: एक संधारणीय आयन बैटरी की ओर कदम। 103: 1032–43	2017	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिक लमैक्रोमोलेक्यूल्स	17
डे, टी बी, कुमार, ए, बनर्जी, आर, चंदना, पी, कुहाड़, आर सी में	माइक्रोबियल अल्फा–एमाइलेज स्थिरता का सुधार: रणनीतिक दृष्टिकोण। 51: 1380–90	2016	प्रोसेसबायो कैमिस्ट्री	16
डकाल, टीसी, काला, डी, धीमान, जी, यादव, वी, क्रोखोटिन, ए, डॉकहोल्यान, एनवी	IL8 जीन में गैर–समकालिक एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपताओं के कार्यात्मक परिणामों का अनुमान लगाना। 7	2017	साइंटिफिक रिपोर्ट्स	16
कुमार, ए, पॉल, जे	जन प्रतिष्ठा मूल्य और उभरते बाजार में अमेरिकी बनाम एशियाई लैपटॉप ब्रांडों के बीच प्रतिस्पर्धा – सिद्धांत और साक्ष्य। 27: 969–81	2018	इंटरनेशनल बिजनेस रिव्यू	16
शर्मा, एस, यादव, एन, चौधरी, पी के, गांगुली, ए के,	रिवर्स माइकल्स के माइक्रोस्ट्रक्चर को नियंत्रित करना और नैनॉस्ट्रक्चर को आकार प्रदान करने पर उनका अस्थायी प्रभाव। 119: 11295–11306	2015	जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्रीबी	15
सक्सेना, एस, जानसेन, एम	भारत में UTAUT ढांचे के माध्यम से खुले सरकारी डेटा (OGD) के उपयोग की जाँच। 19: 421–434	2017	फोरसाइट	15
शुक्ला, आर, कुमार; एम, चक्रवर्ती; एस, गुप्ता; आर, कुमार; एस, साहू, डी; कुहाड़, आर. सी.	ग्रेसीलेरिया वर्चुकोसा के अपशिष्ट एल्गल बायोमास से बायोएथेनॉल के उत्पादन के लिए प्रक्रिया का विकास। 220: 584–589	2016	बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी	14

जेनसेंस, आर, मंडल, एमके, दुबे, के के, लुइस, पी	अपशिष्ट जल से दवा यौगिकों को हटाने के लिए स्लरी फोटोकेटलिटिक मेम्ब्रेन रिएक्टर टेक्नोलॉजीः साइटोस्टैटिक ड्रग एलिमिनेशन की ओर। 599–600: 612–626	2017	साइंस ऑफ टोटल एनवायरनमेंट	14
पाल, एस, जॉय, एस, कुम्भार, पी, त्रिमुखे, के डी, वर्मा, एजे, पद्मनाभन, एस	गन्ने की खोई के प्रीएट्रीटमेंट और एंजाइमैटिक डाइजेस्टिबिलिटी पर मिश्रित एसिड कैटालिसिस का प्रभाव 30: 7310–18	2016	एनर्जी एंड फ्यूल्स	13
उन्दीला, एस, रविकुमार, जी, नानबोलु, जे बी, सिंगारापु, के के, मेनन, आर एस	एन–(ओ–अल्किनीलरिल) –एन–विनील सल्फोनामाइड्स के स्वर्ण–उत्प्रेरित प्रतिगामी साइक्लोइसेरोमिराइजेशन अभिक्रियाओं के माध्यम से 1–बेंजोएजेपाइन डेरिवेटिवों का कुशल संश्लेषण। 52: 4824–27	2016	केमिकल कम्युनिकेशंस	13
निर्मले, टी सी, करभल, आई, कालुबामे, आर एस, शेलके, एम वी, वर्मा, ए जे, काले, बीबी	लीथियम आयन बैटरियों के लिए यूनिक सेलूलोज ट्राइसेटेट बेस्ड फ्लेक्सिबल एंड हाई परफॉर्मेंस जेल पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट का कुशल संश्लेषण। 9: 34773–82	2017	एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेसेस	13
सक्सेना, एस	खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में ओपन गवर्नमेंट डेटा का महत्व 19	2017	डिजिटल पॉलिसी, रेगुलेशन एंड गवर्नेंस	13
एंडरसन, सी जे, लुसिव, एन जे, ली, वाई –सी, कुओ, सी वाई, यादव, जे....	2df आकाश गंगा घनत्व के साथ सहसंबद्ध कमलाल विचलन 21–सेमी तीव्रता मान चित्रों में कम आयाम कीक्लस्टरिंग। 476: 3382–3392	2018	मंथली नोटिसेज ऑफ दी रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी	13
सीरम, ईएम, सेल्वाकुमार, एस, जिमरमनन, एन, सि बी, एमपी	2,5–फुरंडिसॉक्शिलिक एसिड का वैलेरिजेशन। बेंजीन के साथ डायल्स–एल्डर अभिक्रियाएं। 20: 1448–1454	2018	ग्रीन केमिस्ट्री	11
दुआ, के, मौर्य, पी के	पुरानी सांस की बीमारियों में ऑक्सीडेटिव तनाव की बढ़ती जटिलता और अन्तःक्रियाएँः नवीन दवा वितरण प्रणालियों की उभरती हुई आवश्यकता। 299: 168–178	2019	केमिको–बायोलॉजिकल इंटरेक्शन्स	10

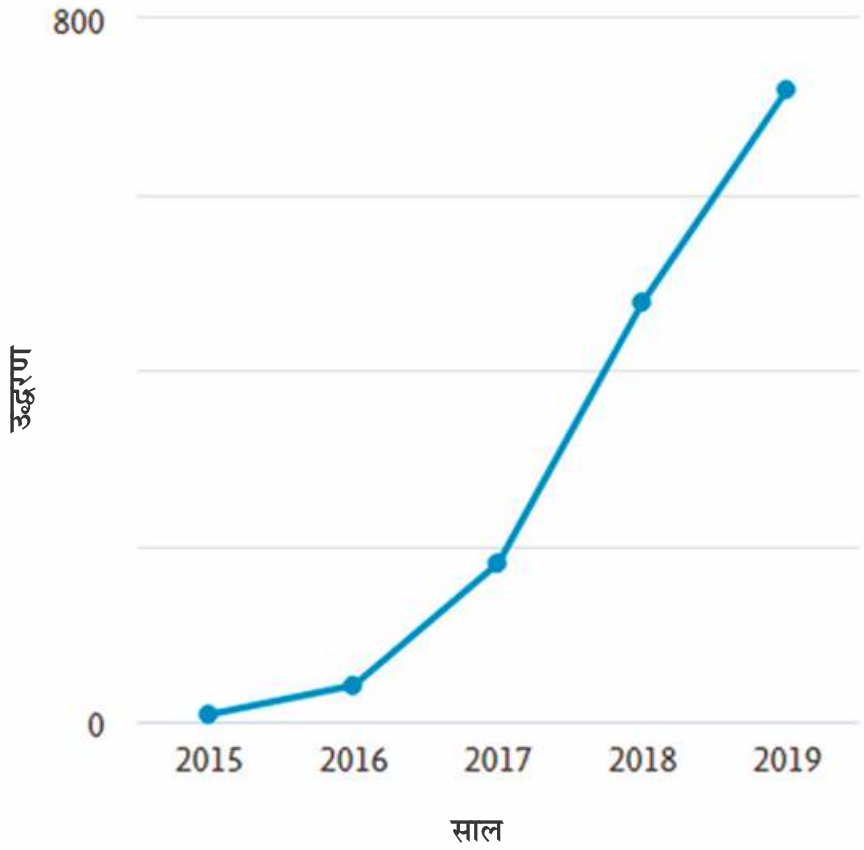

पिछले पाँच वर्षों के अत्याधिक उद्धृत शोध-पत्र

विश्वविद्यालय में 31 मार्च 2019 को बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं की सूची

क्र सं	प्रधान अन्वेषक और सह–अन्वेषक (यदि हो तो) का नाम	परियोजना का शीर्षक	पुरस्कार का वर्ष	परियोजना की प्रकृति (प्रायोजित/कंसल्टेंसी)	अनुदान एजेंसी	परियोजना अनुदान	परियोजना की अवधि	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/चल रही)
अर्थशास्त्र विभाग								
1.	डॉ. रंजन अनेजा	हरियाणा के विकास में क्षेत्रीय उत्थान का एक अध्ययनः एक जिला स्तरीय विश्लेषण	2015	प्रायोजित	आई सी एस एस आर	5.5 लाख	2 वर्ष	पूर्ण
2.	डॉ. रंजन अनेजा और डॉ. अजित साहू	आर्थिक सफलता प्राप्त करने में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की प्रभावकारिताः हरियाणा में एक जमीनी वास्तविकता परीक्षण	2017	प्रायोजित	आई सी एस एस आर	8.56 लाख	2 वर्ष	जारी
शिक्षा विभाग								
1.	प्रो. सारिका शर्मा	सीमाओं को पार करतीं अधिकार हीनता से छुटकारा पातीः सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन और हरियाणा में बालिका शिक्षा पर इसके प्रभाव की एक खोज	2017	प्रायोजित	आई सी एस एस आर	8.0 लाख	2 वर्ष	जारी
2.	प्रो. सारिका शर्मा	व्यक्तिगत भावनात्मक विकास और परामर्श	2018	प्रायोजित	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	19.70 लाख	1 वर्ष	प्रथम चरण पूर्ण
राजनीति विज्ञान विभाग								
1.	डॉ. चंचल कुमार शर्मा (विल्फ्रेड स्वेनडेन और अर्जन एच स्केकल के साथ)	पार्टी प्रणाली, चुनाव और भारत में वित्तीय संघवाद	2018	प्रायोजित	एडिनबर्ग ग्लोबल	एडिनबर्ग में यात्रा और प्रवास के लिए अनुदान	6 महीने	पूर्ण
2.	डॉ. चंचल कुमार शर्मा (सैंड्रा Destradi और जोहान्स Plagemann)साथ	भारत में पैरा डिप्लोमेसी	2018	प्रायोजित	जर्मन इंस्टिट्यूट ऑफ ग्लोबल एंड एरिया स्टडीज (GIGA)	6 लाख	1 वर्ष	पूर्ण

रसायन विज्ञान विभाग

1.	डॉ. राजीव एस मेनन	हेटेरोसाइक्लिक निर्माण और ऐल्केलॉइड संश्लेषण में असंतृप्त सल्फोन्स की सिंथेटिक क्षमता का दोहन करना	2017	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसन्धान बोर्ड–विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	43.12 लाख	3 वर्ष	जारी
2.	डॉ. सेल्वा कुमार शर्मा दुराई	हाइपरवेलेंट आयोडीन (III) अभिकर्मकों की मध्यस्थता से फोटोकेटलिटिक सी–एच फंक्शनलाइजेशन (कार्यात्मक करण) का विकास और डिस्टल ग्रुप माइग्रेशन	2019	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड–विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	42.61 लाख	3 वर्ष	जारी
3.	डॉ. प्रकाश कानू	MoS2/ S4 इंटीग्रेटेड पोरस सरफेसेज फॉर कैटालिटिक हाइड्रोजन जेनरेशन वाया वॉटर स्प्लिटिंग	2017	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसन्धान बोर्ड–विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	39.99 लाख	3 वर्ष	जारी
4.	डॉ. मनोज के गुप्ता	बायोएक्टिव प्राकृतिक उत्पादों के संपूर्ण संश्लेषण की ओरः नई दवा की खोज और विकास	2017	प्रायोजित	विश्व विद्यालय अनुदान आयोग	10 लाख	3 वर्ष	जारी
5.	डॉ. एजाज अंसारी	फोटोरडॉक्स उत्प्रेरक मंक ऊर्जा स्थानांतरण की क्रिया विधि और उत्प्रेर की रूपान्तरण अभिक्रियाओं में इसके अनुप्रयोगों को समझना	2016	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड–विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	40.89 लाख	3 वर्ष	जारी

पर्यावरण विज्ञान विभाग

1.	डॉ. सोमवीर बजाड़	खनकगाँव, भिवानी (हरियाणा) में स्टोन क्रशिंग गतिविधियों के प्रभाव में पर्यावरण गुणवत्ता स्थिति का आकलन	2018	कंसल्टेंसी	जिला खनिज फाउंडेशन, भिवानी (हरियाणा)	1.75 लाख	0.5 वर्ष	पूर्ण

विधि विभाग

1.	प्रो. राजेश कुमार मलिक	संपत्ति का अधिकार और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (HUDA) एवं हरियाणा राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (HSIIDC) द्वारा भूमि अधिग्रहणः हरियाणा के गुड़गांव, पंचकुला, कुरुक्षेत्र और सिरसा जिलों का एक सामाजिक कानूनी अध्ययन।	2018	प्रायोजित	विश्व विद्यालय अनुदान आयोग	6.2 लाख	3 वर्ष	जारी

प्रबंधन अध्ययन विभाग

1.	डॉ. अजय पाल शर्मा	ग्रामीण परिवर्तन में पंचायती राज संस्थाओं का प्रभावः हरियाणा राज्य के चयनित जिलों का एक अध्ययन	2016	प्रायोजित	आई सी एस एस आर	9.0 लाख	2 वर्ष	मई 2018 में पूर्ण
2.	डॉ. सुनीता तंवर	उद्यमिता जागरूकता शिविर	2017	प्रायोजित	विज्ञान और प्रौद्योगि की विभाग– प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय कार्यान्वयन और निगरानी एजेंसी (DST NIMATLOC)	1.2 लाख	1 वर्ष	पूर्ण

गणित विभाग

1.	डॉ. राजेश कुमार गुप्ता	समरूपता विश्लेषण और गणित भौतिकी से कुछ नॉनक्लियर सिस्टम के सटीक समाधान	2018	प्रायोजित	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नईदिल्ली	37 लाख	2 वर्ष	पूर्ण
2.	डॉ. राजेश कुमार गुप्ता	गणितीय भौतिकी से कुछ गैर–रेखीय सिस्टम पर समूह सैद्धान्तिक तकनीकों का अनुप्रयोग	2016	प्रायोजित	सी एस आई आर, नई दिल्ली	16.96 लाख	3 वर्ष	पूर्ण
3.	डॉ. राजेश कुमार गुप्ता	लाई सिमेट्री एनालिसिस और कुछ आइंस्टीन क्षेत्र समीकरणों का सटीक समाधान	2016	प्रायोजित	एन बी एच एम, डी एई, मुंबई	14.14 लाख	3 वर्ष	जारी

जैवरसायन विभाग

1.	डॉ. विकास यादव	मधुमेह मध्यस्थता जनित एंडोथीलियल डिसफंक्शन और एन्जियोजिनेसिस में परमाणु रिसेप्टर को क्टिवेटर PGC1b की भूमिका	2015	प्रायोजित	डी बी टी	98 लाख	5 वर्ष	जारी

पोषण जीव विज्ञान विभाग

1.	डॉ. अश्वनी कुमार	टाइप 2 डायबिटीज प्रबंधन के लिए स्वदेशी प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिलस पर ग्लूकागन जैसे पेप्टाइड –1 की सतह अभिव्यक्ति	2018	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड–विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	27.86 लाख	3 वर्ष	जारी
2.	डॉ. अश्वनी कुमार	खाद्य सुरक्षा के लिए, बंगालीचने (सिसर एरीटिनिनम) के उपोत्पादों से मूल्य वर्धित उत्पादों का विकास, उपयोग और प्रसार	2018	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड–विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	38.42 लाख	3 वर्ष	जारी
3.	डॉ. तेजपाल ढेवा	हरियाणा और राजस्थान के मूल्य वर्धित पारंपरिक ग्रामीण किण्वित डेयरी खाद्य पदार्थों के माध्यम से सूक्ष्म कुपोषण को समाप्त करना	2018	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड–विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	42.12 लाख	3 वर्ष	जारी

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

1.	डॉ. कश्यप कुमार दुबे	अस्पताल के अपशिष्ट जल में एंटीनोप्लास्टिक यौगिकों के उन्मूलन को लक्षित करना:संधारणीय उपचार के नवीन मोर्चे	2015	प्रायोजित	डीबीटी – आई एन एन ओ इंडिगो इंटरनेशनल पार्टनरशिप प्रोग्राम	98 लाख	3 वर्ष	जारी
2.	डॉ. कश्यप कुमार दुबे	साइट निर्देशित म्यूटेजेनेसिस का उपयोग कर CoQ 10 उत्पादन का संवर्धन	2016	प्रायोजित	डीबीटी (सरकार) भारत)	40 लाख	2 वर्ष	जारी

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

1.	डॉ. गुंजन गोयल	हिमाचल प्रदेश में पाइन नीडल वन कूड़े का उपयोग करके अक्षय जैव ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए माइक्रोबियल हस्तक्षेप	2016	प्रायोजित	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य परिषद्	5.8 लाख	2 वर्ष	पूर्ण

2.	डॉ. गुंजन गोयल (मेंटर विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड–नेशनल पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप)	गतिशी लइन विट्रो मानव पाचन सिमुलेशन मॉडल में मानव आंत माइक्रो बायोटा पर फोथलेट जोखिम के प्रभाव का आकलन	2017	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसन्धान बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	19.0 लाख	2 वर्ष	पूर्ण
3.	डॉ. अविजित प्रमाणिक	विब्रियो अल्जीनो लिटिकस और ईकोलाई में सिडेरो फोर की हेटरोलोगस अभिव्यक्ति से आगे लक्षण वर्णन और उपयोग के लिए सिडेरोफोर बायोसिन्थेटिक जीन क्लस्टर की पहचान और क्लोनिंग	2017	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसन्धान बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	45 लाख	3 वर्ष	जारी
4.	डॉ. अविजित प्रमाणिक	फाइटोपाथोजेनिक कवक बाइपोलरिस ओरिजाए और बाइपोलरिस सोरोकिनियाना के विकास को जैव नियन्त्रण एजेंट के रूप में बाधित करने वाले जीवाणु उपभेदों का पृथक्करण और लक्षण वर्णन	2017	प्रायोजित	विश्व विद्यालय अनुदान आयोग	10 लाख	3 वर्ष	जारी
5.	डॉ. जितेन्द्र कुमार सैनी	दूसरी पीढ़ी के लागत प्रभावी बायो एथेनोल के उत्पादन के लिए खमीर में ताप और अवरोधक तनाव सहिष्णुता में सुधार करनाः एक अनुकूली विकास आधारित दृष्टिकोण	2017	प्रायोजित	विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसन्धान बोर्ड–विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	50.6 लाख	3 वर्ष	जारी
6.	डॉ. पूजा यादव	हेलीकोबैक्टर पाइलोरी में जी 4 डी एन ए की पहचान और कार्यात्मक लक्षण वर्णनः एक नवीन चिकित्सीय लक्ष्य	2017	प्रायोजित	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	40 लाख	3 वर्ष	जारी

7.	डॉ. विनोद यादव	मानव मोनोसाइट और मैक्रोफेज कोशिकाओं में 1–ICAM जीन अभिव्यक्ति का ट्रांस क्रिप्शनल विनियमन	2018	प्रायोजित	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	48 लाख	3 वर्ष	जारी

शिक्षा पीठ

1.	डॉ. प्रमोद कुमार	शिक्षा और शिक्षण के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (PMMMNMTT)	2016	प्रायोजित	मानव संसाधन विकास मन्त्रालय	13.24 करोड़	4 वर्ष	जारी

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी पीठ के अन्तर्गत सिविल इंजीनियरिंग विभाग

1.	डॉ. विकास गर्ग, सह अन्वेषक	वर्षा परिवर्तन शीलता, अपवाह तंत्र और देहरादून, उत्तराखंड में शहरी बाढ़ पर जल वायु परिवर्तन का प्रभाव	2019	प्रायोजित	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	64 लाख	3 वर्ष	जारी

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

1.	श्री सुयश मिश्रा	कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल अंतरालों को पाटनाः हरियाणा में खुदरा क्षेत्रक हेतु विशेष संदर्भ के साथ युवा रोजगार और उद्यमशीलता का एक अन्वेषण	2018	प्रायोजित	विश्व विद्यालय अनुदान आयोग	10.66 लाख	3 वर्ष	जारी

वर्ष 2018–19 के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	विभाग	पुरस्कार / सम्मान	पुरस्कार देने वाली एजेंसी
1.	प्रो. दीपक पन्त आचार्य	रसायन विज्ञान	भारत के माननीय उप–राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय सम्मान–2018	रसायन एवं उर्वरक मन्त्रालय, भारत सरकार
2.	प्रो. सारिका शर्मा आचार्य	शिक्षा	सामाजिक विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार 2018–19	हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय
3.	डॉ. चंचल कुमार शर्मा सह आचार्य	राजनीति विज्ञान	ग्लोबल पार्टनरशिप अवार्ड 2018	एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यूके
			सामाजिक विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार 2018–19	हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय
			जीआईजीए एसोसिएटशिप 2018–19	जीआईजीए, हमबर्ग, जर्मनी
4.	डॉ. गुंजन गोयल, सह आचार्य	सूक्ष्मजीव विज्ञान	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार	बायोएनर्जी, बायोप्रोडेक्ट्स और पर्यावरण स्थिरता पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिनांक 16 से 19 सितम्बर, 2018, स्पेन
5.	डॉ. सुरेंद्र सिंह, सह आचार्य	सूक्ष्मजीव विज्ञान	हरियाणा युवा विज्ञान रत्न पुरस्कार–2018	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा सरकार
6.	डॉ. गरिमा तोमर, सहायक आचार्य	गणित	सर्वश्रेष्ठ शोध–पत्र के लिए वी.एम. शाह पुरस्कार–2018	इंडियन मैथमेटिकल सोसायटी का 84वां सम्मेलन
7.	डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी, सहायक आचार्य	सूक्ष्मजीव विज्ञान	अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान, सितम्बर–2018	डीएसटी, भारत सरकार
8.	डॉ. मुनीश मानस सहायक आचार्य	सीएसई	प्रतिष्ठित संकाय पुरस्कार–2018	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, फरीदाबाद, बिजली मन्त्रालय के अधीनस्थ
9.	डॉ. देवेंद्र कुमार सहायक आचार्य	सांख्यिकी	सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार 2018–19	हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के प्रमुख उल्लेखनीय कार्यक्रम

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

गतिशील और दूरदर्शी प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पढ़ाई लिखाई में कुशल, लेकिन गरीब और हाशिए पर पड़े ऐसे कई मेहनती युवाओं के लिए आशा की किरण हैं जो बहुत अधिक लागत पर निजी संस्थानों द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली तकनीकी शिक्षा का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने स्किल इंडिया के सम्बन्ध में माननीय प्रधानमन्त्री के स्वप्न को साकार करने का सकारात्मक प्रयास किया है और छात्र–छात्राओं को 'स्किल इंडिया' पहल की दिशा में गतिशील किया जा रहा है। विश्वविद्यालय 'स्किल्ड इंडिया' की परिकल्पना को साकार करने के लिए गतिमान और उच्च मानकों के साथ बड़े पैमाने पर कुशल बनाने का लक्ष्य भी रखता है।

जनवरी 2016 में दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र (डीडीयूकेके) के अंतर्गत तीन B.Voc. कार्यक्रम (खुदरा व रसद प्रबन्धन, जैव चिकित्सा विज्ञान एवं औद्योगिक अपशिष्ट प्रबन्धन) आरम्भ किए गए थे। उपर्युक्त B.Voc. कार्यक्रमों के छात्र छात्राओं को उद्योगों में रोजगार का प्रस्ताव मिल रहा है। साथ ही वे अपना उद्यम भी स्थापित कर रहे हैं और सम्बन्धित क्षेत्र की कौशल परिषदों के दिशा निर्देशों के अनुसार और राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) के अन्तर्गत कौशल आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में पाठ्यचर्या पहलुओं, मूल्यांकन मानदण्ड और क्रेडिट प्रणाली के लिए यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार रोजगार भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षुता से गुजर रहे हैं। B.Voc. खुदरा और रसद प्रबन्धन, B.Voc. जैवचिकित्सा विज्ञान एवं B.Voc. औद्योगिक अपशिष्ट प्रबन्धन के कौशल घटकों का क्रमशः रिटेलर्स एसोसिएशंस स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (आरएएससीआई), लाइफ साइंसेज सेक्टर स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (एलएसएसएसडीसी) और स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स (एससीजीजे) द्वारा मूल्यांकन और प्रमाणन किया जाता है और हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने सम्बधित क्षेत्र की कौशल परिषदों की निर्दिष्ट कार्य भूमिकाओं के लिए एनएसक्यूहएफ स्तर–4, स्तर–5 और स्तर–6 के मूल्यांकन में शत–प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। उपर्युक्त B.Voc. कार्यक्रमों में पाठ्यक्रम के कौशल घटक में शत–प्रतिशत परिणाम व्यक्त करता है कि हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय विभिन्न चरणों में छात्र–छात्राओं में आवश्यक कौशल क्षमता विकसित कर रहा है।

इन कार्यक्रमों के कौशल घटक का पाठ्यक्रम सम्बधित क्षेत्र की कौशल परिषद् द्वारा विकसित किया गया है। हमने उद्योग भागीदारों और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के परामर्श से पाठ्यक्रम अपनाया है। कौशल प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता और प्लेसमेंट के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं। इसके अलावा, सम्बन्धित क्षेत्र की कौशल परिषदों द्वारा विकसित राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के साथ पाठ्यक्रम के कौशल घटक का संरेखण भी सुनिश्चित किया जाता है। सम्बधित क्षेत्रक की कौशल परिषद् और उद्योग भागीदारों के परामर्श से उनकी आवश्यकताओं और राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों में परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए समय समय पर पाठ्यक्रम की निगरानी / मूल्यांकन करने के साथ पाठ्यक्रम को अद्यतन किया जाता है।

इसके अलावा, शिक्षकों द्वारा छात्र–छात्राओं को कौशल शिक्षा, उद्यमिता, रोजगारपरकता, बाजार रुझानों आदि में अनुसन्धान व विकास (आरएंडडी) आरंभ करने के रोडमैप पर प्रोत्साहित किया जाता रहा है। कुशल कार्य–भूमिका ग्रहण करने में रुचि रखने वाले छात्र–छात्राएँ हमारे केन्द्र का लक्षित समुदाय हैं और निम्नलिखित रीतियों से उपर्युक्त समुदाय पर भारी प्रभाव पड़ा है : –

- छात्र–छात्राएँ स्किल इंडिया पहल की ओर गतिशील हैं।
- हरियाणा, तेलंगाना, तमिलनाडु, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि जैसे भारत के विभिन्न राज्यों के छात्र–छात्राओं ने हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में डीडीयू कौशल केन्द्र में कौशल आधारित शिक्षा / प्रशिक्षण के लिए सीयूसीईटी (केन्द्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा) के माध्यम से प्रवेश लिया है। इससे कौशल आधारित शिक्षा / प्रशिक्षण के प्रति छात्रों की बढ़ी हुई रुचि का पता चलता है।
- केन्द्र ने भारतीय युवाओं की प्रतिभाओं के विकास के लिए अवसर, स्थान और कार्यक्षेत्र का सृजन किया है।
- युवाओं को इस प्रकार कुशल बनाने पर बल दिया जाता है कि जिससे उन्हें रोजगार मिले और साथ ही उद्यमिता में भी सुधार आए।

- केन्द्र ने कौशल विकास शिक्षण और प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मविश्वास बढ़ाया है, उत्पादकता में सुधार किया है और दिशा दी है।
- हमने काम के इच्छुक सभी लोगों को सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण दिया है, जिससे वे उचित और सभ्य जीवन जीने में सक्षम होंगे। चूंकि हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय देश के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यह कौशल विकास केंद्र आसपास के लोगों के लिए वरदान के रूप में काम कर रहा है।
- चूंकि हमारे पाठ्यक्रम सम्बन्धित क्षेत्र की कौशल परिषदों के अनुरूप हैं, इसलिए प्रशिक्षुता और कौशल घटक के व्यावहारिक भागों के लिए आरम्भ किए गए प्रशिक्षण और शिक्षण का हमारे छात्र–छात्राओं पर भारी प्रभाव पड़ा है। इसका कारण यह है कि वे दिन प्रति दिन आधार पर उद्योग भागीदारों के साथ अन्तःक्रिया करने के लिए संपर्क में आते हैं और वास्तव में उन्हें विशिष्ट उपकरणों/यन्त्रों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- सम्बन्धित व्यवसाय के लिए व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए सैद्धांतिक ढांचे के साथ क्षेत्र कार्य/कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं। इन क्षेत्र कार्यों/कार्यशालाओं की सहायता से, छात्र–छात्राओं को काम करने के लिए तैयार करने के लिए उपयुक्त ज्ञान, अभ्यास और दृष्टिकोण से सुसज्जित करने का प्रयास किया गया है।

बी.वॉक. कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:

- राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचा (एनएसक्यूरएफ) के दिशा–निर्देशों के अनुसार कौशल आधारित रोजगार उन्मुख स्नातक कार्यक्रम।
- सम्बधित क्षेत्र की कौशल परिषदों के योग्यता पैक के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
- पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर सिस्टम के साथ सुस्थापित रिटेल प्रयोगशाला और ई–रिटेल प्रयोगशाला।
- आवधिक औद्योगिक दौरों और उद्योग अन्तःक्रियाओं के साथ–साथ व्यापक व्यावहारिक तौर पर काम कराते हुए प्रशिक्षण।
- अग्रणी कंपनियों के साथ इस कार्यक्रम में उद्योग भागीदारी भी है जिसे समय–समय पर नवीनीकृत किया जाता है।
- रोजगारपरकता बढ़ाने के लिए उद्योग विशिष्ट कौशल।
- उद्यमशीलता पहल को सक्षम बनाने के लिए व्यावसायिक कौशल।
- प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और एडवांसड डिप्लोमा जैसे एकाधिक बहिर्गमन द्वार।

बी.वॉक. कार्यक्रम की उपलब्धियाँ

- कौशल प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता और प्लेसमेन्ट के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन।
- सम्बन्धित क्षेत्र की कौशल परिषदों द्वारा छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन और प्रमाणन किया जाता है।
- प्रतिष्ठित कंपनियों में सभी छात्र–छात्राओं को काम करते हुए प्रशिक्षण।
- विभिन्न स्तरों पर कौशल मूल्यांकन का 100% परिणाम।

राष्ट्रीय पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक व शिक्षण मिशन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) ने 28 नवम्बर 2016 को आयोजित 7वीं परियोजना अनुमोदन बोर्ड (PAB) की बैठक में हरियाणा के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के लिए राष्ट्रीय पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक व शिक्षण मिशन (PMMMMTT) की योजना को स्वीकृति प्रदान की थी। इस योजना के अन्तर्गत, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय को तीन महत्वपूर्ण घटकों – (i) शिक्षा संकाय (ii) विषय आधारित संजाल और (iii) राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र–शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम (व्यक्तिगत–भावनात्मक विकास और परामर्श) की अनुमति प्रदान की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा की शिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन करना, पाठ्यक्रम विकास, शिक्षाशास्त्र, विशेष शिक्षा, भाषा शिक्षण में अनुसन्धान का संचालन करना, शिक्षक शिक्षा और सभी स्तरों की शिक्षा में अन्तर्क्षेत्रीय सम्बध के लिए आदर्श संस्थान के रूप में विकसित होना है।

वर्तमान में, शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार PMMMMTT परियोजना के समन्वयक हैं और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. सुरेन्द्र सिंह PMMMMTT के सदस्य हैं। प्रो. सारिका शर्मा राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र–शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम की देखभाल कर रही हैं और डॉ. कश्यप कुमार दुबे विषय आधारित संजाल की देखरेख कर रहे हैं। इस योजना के अन्तर्गत अप्रैल, 2018 से मार्च, 2019 तक कई शैक्षणिक गतिविधियाँ यथा 3–4 मई, 2018 को ''शिक्षा में रंगमंच'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, 14 –16 मई, 2018 को ''मूडल MOOC मंच के साथ ऑनलाइन शिक्षण, अधिगम व मूल्यांकन और मुक्त शिक्षा संसाधनों'' पर तीन दिवसीय कार्यशाला, 20 –21 जून, 2018 को "समग्र विकास के लिए योग" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 14 जून से 14 जुलाई, 2018 तक नए भर्ती किए गए सहायक प्रोफेसरों के लिए एक माह का संकाय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम, 3 अगस्त, 2018 को ''शिक्षण की नवाचारी विधियों'' पर एक दिवसीय कार्यशाला, 5 सितंबर, 2018 को शिक्षक दिवस समारोह, 11 –12 अक्टूबर, 2018 को ''शिक्षा के माध्यम से आध्यात्मिक विकास'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, 26 अक्टूबर, 2018 को संघ मंच (प्रतिभा खोज), 11 जनवरी, 2019 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले का एक दिवसीय दौरा, 30 जनवरी, 2019 को युग पुरुष पंडित मदन मोहन मालवीय जी के शैक्षिक विचारों पर राष्ट्रीय स्तर पर एक दिवसीय परिचर्चा, एन सी टी ई नई दिल्ली के पूर्व–उपाध्यक्ष प्रो. आर. एस. खान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. राजेंद्र सिंह यादव और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की प्रो. किरण दीप सिंह द्वारा दिए गए विस्तार व्याख्यान, 16 फरवरी, 2019 को फरीदाबाद में सूरज कुंड मेला में एक दिवसीय सर्वेक्षण कार्यक्रम, 11–18 मार्च, 2019 को "उच्चतर शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और क्षमता निर्माण" पर एक सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की गई।

स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ

स्थापना

स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ का उद्घाटन मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह के कर–कमलों द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के भूतपूर्व अध्यक्ष प्रो. वेदप्रकाश एवं माननीय कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ की गरिमामय उपस्थिति में दिनांक 5 दिसम्बर, 2017 को सम्पन्न हुआ था। हालांकि पीठ का संचालन दिनांक 07 सितम्बर, 2017 से ही पीठाचार्य के योगदान के साथ ही प्रारम्भ हो गया था। शुरु में तीन महीनों तक इसका संचालन शैक्षणिक भवन 3 में किया गया। इसके पश्चात् दिसंबर, 2017 में माननीय कुलपति के द्वारा शैक्षणिक भवन 4 के कमरा संख्या 229 में इसके संचालन की पूरी व्यवस्था की गई और तब से पीठ यहाँ स्थायी रूप से स्थापित है। कार्यालय में स्वामी

दयानन्द सरस्वती एवं आर्यसमाज के अग्रणी व्यक्तियों एवं उनके मुख्य संदेशों के सुंदर–सुंदर चित्र एवं प्रदर्शनियाँ सजाइं गए हैं। वर्तमान में पीठ के अध्यक्ष डॉ. रणवीर सिंह हैं।

स्वामी दयानन्द सरस्वती पुस्तकालय

स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ में एक पुस्तकालय की स्थापना भी की गई है। इस पुस्तकालय में स्वामी दयानन्द सरस्वती रचित एवं परोपकारिणी सभा, अजमेर, राजस्थान तथा रामलाल कपूर न्यास द्वारा संचालित पाणिनि वेद विद्यालय, रेवली, सोनीपत, हरियाणा से प्रकाशित पुस्तकों का संपूर्ण संग्रह हैं। ये दोनों ही प्रधान संस्थाएँ स्वामी दयानन्द सरस्वती के संपूर्ण रचनाओं पर शोध एवं प्रकाशन के लिए समर्पित हैं। पीठ में विश्वेश्वरानन्द वैदिक अनुसन्धान संस्थान, होशियारपुर, पंजाब द्वारा प्रकाशित मध्यकालीन पंडितों–विद्वानों द्वारा किये गये वेदों के भाष्य भी संकलित हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पुस्तकों एवं पत्रिकाओं हेतु प्राप्त 99 प्रतिशत राशि खर्च हो चुकी है। फलस्वरूप आज इस पुस्तकालय में कुल 366 पुस्तकें हैं। आर्यसमाजी संस्थाओं द्वारा प्रकाशित कुछ पत्रिकाओं की भी व्यवस्था की गई है। दो समाचारपत्र 'द हिन्दू' और 'हरिभूमि' भी आते हैं। पुस्तकालय को और समृद्ध बनाने के लिए वैदिक संशोधन मंडल, पुणे से प्रकाशित मूल वैदिक ग्रन्थ भी आ चुके हैं।

वर्तमान में चल रहे शोध प्रकल्प

1. दण्डी स्वामी विरजानन्द रचित 'शब्दबोध' का सम्पादन एवं अध्ययन।
2. 'जैमिनीय–ब्राह्मणम' का अनुवाद एवं अध्ययन।

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में दो पुस्तकालय हैं, पुस्तकालय 1 और पुस्तकालय 2। पुस्तकालय 1 नए शैक्षणिक ब्लॉकों (9 स्कूलों) में संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की आवश्यकताएं पूरी करता है और पुस्तकालय 2 पुराने अकादमिक/प्रशासन ब्लॉकों (2 स्कूलों) में संचालित पाठ्यक्रमों की आवश्यकताएँ पूरी करता है।

दोनों पुस्तकालयों की सामान्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- पुस्तकालय पूरी तरह से वाई–फाई सक्षम हैं।
- पुस्तकालय पूरी तरह से वातानुकूलित हैं।
- इन पुस्तकालयों में 40 से 50 व्यक्तियों के लिए रीडिंग हॉल है।
- ई–ग्रंथालय पुस्तकालय प्रबन्धन सॉफ्टवेयर द्वारा पुस्तकालयों का प्रबन्धन किया जाता है।
- बारकोड सक्षम पुस्तकों की निर्गमन–वापसी।
- पुस्तकालय यह देखने के लिए स्क्रीन प्रदान करते हैं कि सर्कुलेशन काउंटर पर उन्हें कितनी पुस्तकें जारी की गई हैं।
- दोनों पुस्तकालय उपलब्ध पुस्तकों, आरक्षित पुस्तकों की स्थिति जानने, अर्थदण्ड के साथ पुस्तकों की देयता तिथि आदि जानने के लिए ऑनलाइन पुस्तककालय कैटलॉग प्रदान करते हैं।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से खुली पहुंच वाले ई–संसाधन प्रदान करते हैं।
- टर्निटिन सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्यिक चोरी की जाँच सेवा प्रदान करते हैं।
- डीईएलनेट के माध्यम से अन्तर–पुस्तकालय ऋण सेवा प्रदान करते हैं।
- एम. फिल और पीएच.डी. थीसिस और विश्वविद्यालय के शोध प्रबन्ध के लिए संस्थागत निक्षेपागार का प्रबन्धन करते हैं।
- भारतीय शोधगंगा थीसिस और शोध प्रबंध निक्षेपागार पर हमारे विश्वविद्यालय की 25 पीएच.डी. थीसिस अपलोड किए गए हैं।
- एक वर्ष और छह महीने के लिए पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के छात्र–छात्राओं के लिए प्रशिक्षुता का संचालन करते हैं।
- पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं की बेहतर समझ के लिए पुस्तकालय पर्यटन का संचालन करते हैं।
- पुस्तकालयों में प्रोजेक्टर, माइक, स्पीकर, लाइव प्रोग्राम, रिकॉर्डर, वाई–फाई आदि जैसे आईसीटी प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित छात्र–छात्राओं और कर्मचारियों के लिए उन्मुखीकरण/प्रशिक्षण हॉल है।

दोनों पुस्तकालयों में सामान्य संसाधन (31 मार्च 2018 – 1 अप्रैल 2019 के दौरान):

संसाधन	पुस्तकालय–प्रथम	पुस्तकालय–द्वितीय
पुस्तकें	3723	1378
ई–पुस्तकें	विश्व ई–पुस्तक पुस्तकालय	विश्व ई–पुस्तक पुस्तकालय
ऑनलाइन संसाधन/ऑनलाइन डेटाबेस	आईएसआईडी, एनडीएलआई, साउथ एशिया आर्काइव	आईएसआईडी, एनडीएलआई, साउथ एशिया आर्काइव
सीडी/डीवीडी	220	80

प्रतिवेदन	278	16
पत्रिकाएँ	19 (5 हिंदी, 14 अंग्रेजी)	22 (6 हिंदी, 16 अंग्रेजी)
समाचार पत्र	13 (6 हिंदी, 7 अंग्रेजी)	11 (6 हिंदी, 5 अंग्रेजी)
सॉफ्टवेयर सॉफ्टवेयर, मनुपात्रा लॉ सॉफ्टवेयर सॉफ्टवेयर	डीईएलनेट अंतर पुस्तनकालय ऋण डीईएलनेट अंतर पुस्तकालय ऋण	सॉफ्टवेयर, टर्निटिन साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर, टर्निटिन साहित्यिक चोरी
शोध और शोध प्रबंध	195	लागू नहीं
कुल सदस्यता	2656 सदस्य हैं	829 सदस्य हैं
प्रति दिन आमद	450 व्यक्ति (16.9%)	150 व्यक्ति (18%)
प्रति दिन जारी पुस्तकों की औसत संख्या	250 पुस्तकें (9.40%)	55 पुस्तकें (36.6%)
प्रति दिन लौटाई गई पुस्तकों की औसत संख्या	150 पुस्तकें (5.64%)	25 पुस्तकें (16.6%)
स्थापित	अगस्त 2013	जून 2018

पुस्तकालय 1 के सन्दर्भ में

पुस्तकालय 1 विश्वविद्यालय में शैक्षणिक ब्लॉक IV की तीसरी मंजिल पर स्थित है। वर्ष के दौरान 23 विभागों की आवश्यकता पूरी करने के लिए इसमें 3723 पुस्तकें हैं और विभिन्न विषयों में 03 पत्रिकाओं की सदस्यता है। हमारे पास भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय के माध्यम से प्रदत्तर विश्व ई–बुक पुस्तकालय और दक्षिण एशिया आर्काइव की सदस्यता है जो कैंपस नेटवर्क के माध्यम से शिक्षकों, छात्रों और शोधार्थियों को उपलब्ध है। हकेंवि पुस्तकालय ई–पीजी पाठशाला, और एनपीटीईएल आदि की पेशकश करके ऑपन एक्सेस वाले ई–संसाधनों को भी बढ़ावा देता है। डीईएलनेट के माध्यम से अंतर पुस्तकालय ऋण सेवा प्रदान की जाती है। पुस्तकालय सही समय पर सही उपयोगकर्ताओं को सही जानकारी की सुविधा प्रदान करने के लिए अपने सभी प्रयासों में सुधार लाने की कोशिश कर रहा है।

पुस्तकालय 1 की विशेषताएँ

- पुस्तकालय 1 के प्रवेश द्वार पर बिग स्क्रीन पर अपनी सेवाएँ प्रस्तुत करता है।
- पुस्तकों की उपलब्धता की जाँच करने के लिए दो ओपीएसी।

पुस्तकालय 2 के सन्दर्भ में

यह छात्र–छात्राओं और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और डीडीयू कौशल केन्द्र के संकायों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। पुस्तकालय 2 को 1 जून 2018 को स्थापित किया गया था और विश्वविद्यालय के पुराने अकादमिक ब्लॉक की दूसरी मंजिल के सामने स्थित है। बी.टेक. की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों पर 1,378 से अधिक पुस्तकें हैं। पुस्तकालय 2 भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय तक पहुँच प्रदान करके ऑपन एक्सेस वाले ई–संसाधनों को बढ़ावा देता है। इस वर्ष स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और डीडीयू कौशल केन्द्र और B.Voc., एनपीटीईएल, स्वयंप्रभा और स्वयं कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। डीईएलनेट के माध्यम से अन्तर पुस्तकालय ऋण सेवा दी जाती है। पाठकों द्वारा पुस्तकालय के आवधिक अनुभाग में समाचार पत्र, पत्रिकाएँ और प्रतियोगी पुस्तकें पढ़ने का आनन्द लिया जा सकता है। पुस्तकालय

सही समय पर सही उपयोगकर्ताओं को सही जानकारी की सुविधा प्रदान करने के लिए अपने सभी प्रयासों में आगे और सुधार लाने की कोशिश कर रहा है। यह सुरक्षित, आरामदायक और मैत्रीपूर्ण वातावरण प्रदान करने वाला परिसर का सबसे जीवन्त स्थान है जो अधिगम और ज्ञान की उन्नति सम्भव बनाता है।

पुस्तकालय 2 की विशेषताएँ

- पुस्तकालय तक इसकी वेबसाइट: https%//library2dotblog-wordpress-com/ से पहुँचा जा सकता है।
- अपने संकाय सदस्यों और छात्र–छात्राओं के लिए पुस्तकालय सदस्यता ऑनलाइन प्रदान करता है।
- यह डीटीएच स्वयंप्रभा सेवा के माध्यम से टीवी के माध्यम से 32 शैक्षिक चैनल उपलब्ध कराता है।
- यह पुस्तकों की उपलब्धता की जाँच करने और ऑनलाइन पुस्तकें आरक्षित करने के लिए ऑनलाइन पुस्तकालय कैटलॉग के साथ के ओएचए पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर के माध्यम से परिसंचरण सेवाएं भी प्रदान करता है।
- पुस्तकालय 2 के प्रवेश द्वार पर बिग स्क्रीन पर अपनी सेवाएँ प्रस्तुत करता है।
- 22 कंप्यूटरों के साथ ई–पुस्तकालय की सुविधा भी प्रदान करता है जो सुबह 9 से रात 8 बजे तक खुला रहता है।
- पूरे पुस्तकालय के भीतर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।
- पुस्तकालय में डिस्कशन कैफे पुस्तकालय बंद होने पर भी छात्र–छात्राओं को चर्चा–परिचर्चा करने की सुविधा देता है।
- यूजी के छात्र–छात्राओं, पीजी के छात्र–छात्राओं और विश्वविद्यालय के शोध छात्र–छात्राओं के लिए संचार–कौशल और व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम का संचालन करता है।
- छात्र–छात्राओं और संकाय को पुस्तकालय के स्रोतों और सेवाओं के सम्बन्ध में भलीभांति अवगत कराने के लिए उन्मुखीकरण और पुस्तकालय पर्यटन का संचालन करता है।
- ई–सन्साधन, साहित्यिक चोरी और नवीनतम प्रौद्योगिकी के सम्बन्ध में जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित संचालित करता है।

2018–19 के दौरान विश्वविद्यालय में आयोजित किए गए प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन

1. राष्ट्रीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएँः

1.1 जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 25 अप्रैल, 2018 को डीएनए दिवस पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन

1.2 शिक्षा संकाय द्वारा ''रंगमंचः एक शैक्षणिक उपकरण'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन, 3–4 मई, 2018

1.3 शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित, बड़े पैमाने के खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 14–16 मई, 2018

1.4 शिक्षा संकाय द्वारा ''समग्र विकास के लिए योग'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, 20 जून, 2018

1.5 भौतिकी विभाग द्वारा, ''पतली फिल्म कोटिंग और डिपोजिशन तकनीक'' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन, 30–31 अगस्त, 2018

1.6 विधि एवं वाणिज्य विभागों द्वारा आईआईपीए द्वारा प्रायोजित "ई–कॉमर्स और डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षणःमुद्दे और चुनौतियाँ" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, सितंबर 17–18, 2018

1.7 शिक्षा संकाय द्वारा "शिक्षा के माध्यम से आध्यात्मिक विकास" पर राष्ट्रीय सम्मेलन'' का आयोजन, 11–12 अक्टूबर, 2018

1.8 पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के भारतीय शिक्षक संघ द्वारा प्रायोजित पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 3–4 दिसंबर 2018

1.9 नव नियुक्त संकाय के लिए संकाय प्रेरण कार्यक्रम, प्रो. बी.के. कुठियाला, अध्यक्ष, हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद्, 13 दिसंबर, 2018

1.10 ''हिंदी टंकण, टिप्पणी और प्रारूपण'', पर कार्यशाला जनवरी 10, 2019

1.11 "FOSS: डाटा विज्ञान के लिए एक वरदान और पाइथन'' पर कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन, 6–7 फरवरी , 2019

1.12 ''सड़क सुरक्षा सप्ताह" पर एक दिवसीय कार्यशाला, 07 फरवरी, 2019

1.13 ''स्वामी दयानन्द के दिव्य दर्शन में वेद, विज्ञान और आध्यात्मिकता'' पर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 14–15 फरवरी, 2019

1.14 "MATLAB" पर पांच दिवसीय कार्यशाला 8–12 मार्च, 2019

1.15 ''व्यावसायिक विकास और उच्च संस्थानों के शिक्षकों की क्षमता निर्माण'' पर एक सप्ताह की कार्यशाला, 11–18 मार्च, 2019

1.16 ''भारत के विशिष्ट सांस्कृतिक खाद्य पदार्थ'' पर दो दिवसीय कार्यशाला, 25–26 मार्च, 2019। शेफ जसवंत सिंह और शेफ मो. शाजान ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया

1.17 'ग्रामीण विसर्जन शिविर' पर दो दिवसीय कार्यशाला, 26–27 मार्च, 2019

2. शैक्षणिक मूल्यांकनः

2.1 व्यक्तिगत विभागों के शैक्षणिक प्रदर्शन का आकलन करने के लिए माननीय कुलपति की अध्यक्षता में विभागीय प्रस्तुतियाँ, 10 मई, 2018

2.2 जीव विज्ञान संकाय के शैक्षणिक प्रदर्शन का आकलन करने के लिए माननीय कुलपति की अध्यक्षता में विभागीय प्रस्तुतियाँ, 03 जनवरी, 2019

2.3 कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय के शैक्षणिक प्रदर्शन का आकलन करने के लिए माननीय कुलपति की अध्यक्षता में विभागीय प्रस्तुतीकरण, 2019

2.4 भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति और विरासत संकाय के शैक्षणिक प्रदर्शन का आकलन करने के लिए माननीय कुलपति की अध्यक्षता में विभागीय प्रस्तुतीकरण, 25 जनवरी, 2019

2.5 भौतिक एवं गणित विज्ञान तथा रसायन विज्ञान संकाय के अकादमिक प्रदर्शन का आकलन करने के लिए विभागीय प्रस्तुतियां 6 फरवरी, 2019

3. विस्तार व्याख्यान और अन्य प्रमुख गतिविधियाँः

3.1 प्रो. नसीब सिंह गिल, एमडीयू, रोहतक द्वारा विस्तार व्याख्यान, अभियान्त्रिकी संकाय द्वारा आयोजित, 16 अप्रैल, 2018

3.2 प्रो. ए.के. मोहन्ती द्वारा ''प्रोटियोमिक्स और पशु विज्ञान के लिए इसके अनुप्रयोग'', पर विस्तार व्याख्यान, पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, 16 अप्रैल, 2018

3.3 प्रो. अंजन कुमार बराल, जीजेयू और एसटी, हिसार द्वारा विस्तार व्याख्यान, स्कूल ऑफ अभियान्त्रिकी द्वारा आयोजित, 20 अप्रैल, 2018

3.4 बीआईटीएस पिलानी के पूर्व संकाय सदस्य संजय कुमार द्वारा ''पर्सनेलिटी डेवलपमेंट एंड सॉफ्ट स्किल्स'' पर विस्तार व्याख्यान, 24 अप्रैल, 2018

3.5 प्रो. अश्विनी कुमार, केयू कुरुक्षेत्र द्वारा ''पावर सिस्टम के पहलुओं'' पर विस्तार व्याख्यान, अभियान्त्रिकी संकाय द्वारा आयोजित I, 26 अप्रैल, 2018

3.6 प्रो. जे.के. बत्रा, राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी संस्थान द्वारा विस्तार व्याख्यानों की विशेष श्रृंखला, बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा आयोजित 16–17 मई, 2018

3.7 प्रो. धीरेंदर सिंघल दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल द्वारा, विस्तार व्याख्यान, अभियांत्रिकी संकाय द्वारा आयोजित, 25 मई, 2018

3.8 डॉ. एस.डी. अत्री (भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के उप महानिदेशक) द्वारा ''प्लास्टिक प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ''पर विस्तार व्याख्यान, सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित, 5 जून, 2018

3.9 ''शिक्षा–जगत् में साहित्यिक चोरी का मुकाबला करना'' पर विस्तार व्याख्यान" डॉ. निर्मल कुमार स्वेन, एमडीयू, रोहतक द्वारा, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, जुलाई 30, 2018 I

3.10 ''रोल मॉडल के रूप में रंगनाथन'' पर विस्तार व्याख्यान प्रो. डी.वी. सिंह, लाइब्रेरियन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा,18 अगस्त, 2018

3.11 ''सीखने को सुविधाजनक बनाने और समर्थन करने में पुस्तकालयों की भूमिका'' पर विस्तार व्याख्यान डॉ. सतीश कुमार, एचओडी, डीएलआईएस, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्वारा,18 अगस्त

3.12 विस्तार व्याख्यान, प्रो. अमरनाथ गिल, सांख्यिकी विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ द्वारा 23 अगस्त 2018

3.13 "MOOC और OER के माध्यम से शिक्षाः पुस्तकालयों की भूमिका''पर विस्तार व्याख्यान द्वारा प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता, प्रोफेसर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, 23 अगस्त, 2018

3.14 ''यूजीसी साहित्यिक चोरी विनियम 2018ः साहित्यिक चोरी के रोग को नियन्त्रित करना ''पर विस्तार व्याख्यान, डॉ. रमेश सी. गौड़, निदेशक एवं प्रमुख, कलानिधि प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली द्वारा, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, 11 सितंबर, 2018

3.15 "पुस्तकालय विज्ञान में हिन्दी का प्रयोग एवं महत्व" पर विस्तार व्याख्यान प्रो. डी.वी. सिंह, लाइब्रेरियन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, सितंबर. 14, 2018

3.16 ''अभियान्त्रिकीः एक दर्शन'' पर विस्तार व्याख्यान, इंजीनियर अशोक गुप्ता, निदेशक एआईपी, टेक्नो कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा, 18 सितंबर, 2018

3.17 विस्तार व्याख्यान, प्रो. प्रदीप टिर्की, एमएलएस यूनिवर्सिटी, उदयपुर द्वारा, अंग्रेजी और विदेशी भाषाओं के विभाग द्वारा आयोजित, 20 सितबर, 2018

3.18 विस्तार व्याख्यान, प्रो. टी. सत्यनारायण, एनएसआईटी, नई दिल्ली द्वारा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित, 28 सितंबर, 2018

3.19 ''रामचन्द्रन प्लॉटः प्रोटेओमिक्स से आगे की राह'' पर एक दिवसीय व्याख्यान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित, 8 अक्टूबर, 2018

3.20 ''बायोथेनॉल बायोप्रोसेसिंग में चुनौतियांः परिप्रेक्ष्य और नए क्षेत्र'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान डॉ. हाओ लियू, एसोसिएट प्रोफेसर, लुगदी और पेपर इंजीनियरिंग की राज्य की प्रमुख प्रयोगशाला, दक्षिण चीन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, चीन, द्वारा, 12 अक्टूबर, 2018

3.21 इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए प्रेरक विस्तार व्याख्यान द्वारा इंजीनियर संजीव मेहरा, एमडी, टाटा पावर ट्रेडिंग, द्वारा, 16 अक्टूबर, 2018

3.22 छात्रों ने इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय जैविक महोत्सव में भाग लिया

3.23 आज का मीडिया और समाज पर विशेषज्ञ व्याख्यान, डॉ. डी.पी. वत्स (माननीय संसद सदस्य), द्वारा 28 अक्टूबर, 2018

3.24 मीडिया और सूचना साक्षरता कौशल पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रो. एच.पी.एस. कालरा, एचओडी लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस डिपार्टमेंट, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला द्वारा 26 अक्टूबर, 2018

3.25 'नई तालीम'ः सामुदायिक शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी पर सिलेबस डिजाइनिंग वर्कशॉप संचालन प्रो. वीपी शर्मा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, 30 अक्टूबर, 2018।

3.26 सांख्यिकी पद्धति पर दो दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान, डॉ. मनोज कुमार, सामाजिक विज्ञान संकाय, जेएनयू द्वारा 29 अक्टूबर, 2018

3.27 अंग्रेजी और विदेशी भाषाओं के विभाग द्वारा लिटफेस्ट का आयोजन, 30 अक्टूबर, 2018

3.28 वित्तीय जागरूकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम पंकज वासदेव, एम.डी., मैंटरिंग मैटर्स इंडिया लिमिटेड द्वारा 31 अक्टूबर, 2018

3.29 स्थानीय समुदाय की भागीदारी से विश्वविद्यालय परिसर में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया,31 अक्टूबर, 2018

3.30 ''बायोएक्टिव पेस्टिसाइड'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रो. रोटोमी ओलोगो, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा, 1 नवंबर, 2018

3.31 53 वां हरियाणा दिवस समारोह, 1 नवंबर, 2018

3.32 शिक्षा दिवस समारोह, 09–11 नवंबर, 2018

3.33 बार्क (BARC) के वैज्ञानिक डॉ. दीपक शर्मा और डॉ. विनीता ग्रोवर ने 12 नवंबर, 2018 को सीयूएच परिसर का दौरा किया

3.34 अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा ''लेखक से मिलिए'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपन्यासकार सामी अहमद खानने छात्रों और संकाय के साथ बातचीत की, 14 नवंबर, 2018

3.35 स्कूली बच्चों के लिए गणितीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, 15 नवंबर, 2018

3.36 सामाजिक–आर्थिक विकास पर विशेषज्ञ व्याख्यान डॉ. आर.एन. यादव द्वारा, 20 नवंबर, 2018

3.37 चौथा वार्षिक रक्तदान शिविर, 28 नवंबर, 2018

3.38 छात्रों ने अहमदाबाद में जैविक खाद्य महोत्सव में भाग लिया, 22–25 दिसंबर, 2018

3.39 छात्रों ने गुरुग्राम के मानेसर में ई–वेस्ट मैनेजमेंट टेक्निक इवेंट में भाग लिया, 5 दिसंबर 2018

3.40 K7 सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली ने 17–18 दिसंबर, 2018 को एमसीए और एमबीए छात्रों के लिए कैंपस पर प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया। एमबीए विभाग के 6 छात्रों और एमसीए विभाग के 5 छात्रों को 3.6 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ प्लेसमेंट मिला।

3.41 रसायन विज्ञान विभाग ने ''रासायनिक उद्योग के लिए पर्यावरण अनुकूल रसायन विज्ञान दृष्टिकोण'' और ''बहुविषयक विज्ञानों में उद्यमिता'' पर प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा विस्तार व्याख्यान आयोजित किए। विशेषज्ञ थे

प्रो. वी.एस. परमार, पूर्व विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, डीयू एवं प्रो. अशोक चोली, पोल्नोक्स कॉर्पोरेशन, एमए, यूएसए के संस्थापक और अध्यक्ष, 25 जनवरी, 2019

3.42 "पंडित मदन मोहन मालवीय का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान" पर संगोष्ठी शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित, 30 जनवरी, 2019

3.43 ''मार्गदर्शन और परामर्शः प्रकार और प्रक्रियाएं'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रो. राजेंद्र सिंह यादव, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा, 08 फरवरी, 2019

3.44 ''अकादमिक अनुसन्धान'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रो. आर.एस. खान, जामिया मिलिया इस्लामिया, द्वारा, 08 फरवरी, 2019

3.45 ''अनुसन्धान में प्रासंगिक साहित्य का महत्व'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान" प्रो. किरनदीप सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ द्वारा, 08 फरवरी, 2019

3.46 ''महाभारत कथाः लोक जगत में संचरण'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रो. पी.सी. पटनायक, आधुनिक भारतीय भाषा एवं साहित्यिक अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, 11 फरवरी, 2019

3.47 ''लाइब्रेरी साइंस में करियर के अवसर'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान प्रो. एचपीएस कालरा, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला द्वारा, 13 फरवरी, 2019

3.48 ''युवा और बदलती दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य'' पर विशेष व्याख्यान, प्रो द्वारका प्रसाद, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, पीजीआई, चंडीगढ़ और डॉ. तरलोचन सिंह, चीफ क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, लुधियाना द्वारा, 15 फरवरी, 2019

3.49 ''भारत में लोकतान्त्रिक शासनः एक मूल्यान्कन'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान डॉ. विल्फ्रेड स्वेवेनडेन, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा, 20 फरवरी, 2019

3.50 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन एवं प्रो. श्याम सिंह चौहान, एम्स, नई दिल्ली और प्रो. आर.के. कोटनाला, एनपीएल, नई दिल्ली द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान 28 फरवरी, 2019

3.51 ''ग्रामीण शासन में जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) की भूमिका'' पर विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रो. महताब सिंह, एमडीयू, रोहतक द्वारा, 11 मार्च 2019

3.52 विशेषज्ञ व्याख्यान, श्री ओमकार चौधरी, संपादक, हरिभूमि द्वारा, 27 मार्च 2019

3.53 मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित श्री राजेंदर सिंह द्वारा जल संरक्षण पर विशेषज्ञ व्याख्यान, 28 मार्च 2019

4. अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN) 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019

क्र. स.	विभाग	संकाय समन्वयक	शीर्षक	विदेशी संकाय	दिनांक
1.	पोषण जीवविज्ञान	डॉ. तेजपाल ढेवा	खाद्य और पोषण विज्ञान अनुसन्धान में मेटाबोलोमिक्सः अवधारणाओं से अनुप्रयोगों तक	प्रो. नीलेश गायकवाड़, सह आचार्य पोषण विभाग और पर्यावरण विष विज्ञान विभाग, यूसी डेविस, संयुक्त राज्य अमेरिका	15–19 फरवरी, 2019
2.	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. सोमवीर बजार	पर्यावरणीय उत्प्रेरण के सिद्धान्त	डॉ. परवीन कोलार, उत्तरी कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, राले, नेकां, यूएसए में बायोलॉजिकल एंड एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग में सह आचार्य	6–17 अगस्त, 2018
3.	पोषण जीव विज्ञान	डॉ. तेजपाल ढेवा	खाद्य सुरक्षा, खाद्य रक्षा और खाद्य विनियमः एक प्राथमिक आवश्यकता	कार्ल आर मैथ्यूज, खाद्य विज्ञान विभाग, रटगर्स विश्वविद्यालय, न्यू ब्रंसविक, एनजे, 80901, संयुक्त राज्य अमेरिका	16–20 सितम्बर, 2018

विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ/क्लब एवं सोसायटी द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ

दिनांक	विषय / शीर्षक	विशेषज्ञ
27 सितम्बर, 2018	साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला	श्री पुलेंदु, डी. जेनिस वर्गीस, डॉ. विनीता मलिक, डॉ. रेनु मलिक
24 जनवरी, 2019	राष्ट्रीय बालिका दिवस	'जेंडरर्ड पाथवे टू हॉयर ऐजुकेशन' पर पेनल डिस्कशन डॉ. रेनु यादव, सुश्री रेनु, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीलिमा, एसएचओ सुश्री मीनाक्षी द्वारा दुर्गा ऐप की जानकारी तथा नागेंद्र एवं ग्रुप द्वारा 'शी इंडिया' नाटक का मंचन
8 मार्च, 2019	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	'थिंक ईक्वल, बिल्ड स्मार्ट एंड इनोवेट फॉर चेंज' विषय पर विचार–विमर्श। सुश्री पवित्रा राव, अध्यक्ष, आरपीएस इंस्टीट्यूशन्स एवं सामाजिक कार्यकर्ता पेड़ वाली अम्मा सुश्री बीरमति
29 मार्च, 2019	सोशल आउटरीच प्रोग्राम	'निर्भया इन नेबरिंग कॉलेज' विषय पर नाटक का मंचन।
8 अप्रैल, 2019	साइबर सिक्योरिटी	सुश्री जेनिस वर्गीस पर कार्यशाला
29 अप्रैल, 2019	पेनल डिस्कशन	वुमेन एक रोल मॉडल पर पेनल डिस्कशन

पुस्तक पठन क्लब

दिनांक	गतिविधि
3 फरवरी, 2019	'एनिमल फार्मस, नामपल्ली रोड' थिंग्स फॉल अपार्ट' एंड 'द' होम एंड द वर्ल्ड' पर परिचया
19 अप्रैल, 2019	'जॉनथन लिविंगस्टॉन सिगुल : ए स्टोरी' पर परिचर्चा

एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ / क्लब

दिनांक	गतिविधि
पूरे साल	युग्मित राज्य की भाषा में एक शब्द या वाक्य
25–26 फरवरी, 2019	विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव स्पंदन–2019 के दौरान युग्मित राज्य की सांस्कृतिक गतिविधियाँ
29 मई, 2018	पाक (Culinary) महोत्सव
27 सितम्बर, 2019	साहित्य उत्सव
16 अक्टूबर, 2018	तेलंगाना राज्य का सांस्कृतिक कार्यक्रम : भोंलू महोत्सव

कला, संस्कृति एवं विरासत संवर्द्धन समूह

दिनांक	गतिविधि
15 अगस्त, 2018	स्वतंत्रता दिवस
26 जनवरी, 2019	गणतंत्र दिवस
25–26 फरवरी, 2019	अंतरविश्वविद्यालय सांस्कृतिक महोत्सव 'स्पंदन'

विधिक सहायता केन्द्र

दिनांक	गतिविधि
13 मार्च, 2019	जिला महेंद्रगढ़ के दो गाँवों रिवासा व सिसोठ में कानूनी साक्षरता सर्वेक्षण

दिव्यांगजन प्रकोष्ठ

दिनांक	गतिविधि
15 फरवरी, 2019	'सम्मोहन की अवधारणा, सम्मोहन परामर्श और सार्वजनिक धारणा' पर डॉ. त्रिलोचन सिंह, कांउसलर, चण्डीगढ़ द्वारा व्याख्यान सह प्रदर्शन
15 फरवरी, 2019	प्रो. द्वारका प्रसाद द्वारा 'बदलती दुनिया में युवा और मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान
28 अगस्त, 2019	भाषण प्रतियोगिता
28 अगस्त, 2019	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
28 अगस्त, 2019	पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

ईको क्लब

दिनांक	गतिविधि
28 मार्च, 2019	विश्व जल दिवस के अवसर पर श्री राजेंद्र सिंह (पानी वाले बाबा) का विशेषज्ञ व्याख्यान
7 मई, 2019	'पानी का महत्त्व' विषय पर डॉ. डी.वी.एस. वर्मा द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान

पूर्व छात्र क्लब

दिनांक	गतिविधि
26 फरवरी, 2019	चौथी एलुमिनी मीट

योग, साहस–कर्म एवं दुर्गम यात्रा क्लब

दिनांक	गतिविधि
नियमित	योग शिविर
2 मई, 2019	सामुदायिक दौड़

नवप्रवर्तन, कौशल एवं उद्यमिता विकास केन्द्र (सीआईएसईडी) की विभिन्न कार्यक्रमो में सहभागिता

दिनांक	गतिविधि
7–8 अप्रैल, 2018	क्षेत्रीय विज्ञान एवं तकनीक मेला–2018, जिला नागौर, राजस्थान
9–14 मई, 2018	भारत–2018 महोत्सव, जनपथ, नई दिल्ली
1–3 जून, 2018	राष्ट्रीय नवप्रवर्तन रजत जयंती पुरस्कार–2018, गाँधीनगर, गुजरात
27–28 जुलाई, 2018	इसरो व साइंस सिटी, अहमदाबाद, गुजरात
10–31 अगस्त, 2018	नवप्रवर्तक प्रेरण कार्यक्रम हरियाणा व राजस्थान
22–23 सितम्बर	नेशनल साइंस एंड टेक्नो फेयर, सुंदरनगर, गुजरात
26 अक्टूबर से	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा
4 नवम्बर, 2018	जनपथ रोड़, नई दिल्ली में आयोजित 'वुमेन ऑफ इंडिया नेशनल ऑर्गेनिक फेस्टिवल–2018
15 दिसम्बर, 2018	नेशनल फारमर एंड साइंस टेक्नो फेयर, महेंद्रगढ़
22–25 दिसम्बर, 2018	15वां पारम्परिक फूड फेस्टिवल, अहमदाबाद, गुजरात
12–14 जनवरी, 2019	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चण्डीगढ़ में आयोजित 'वुमेन ऑफ इंडिया नेशनल ऑर्गेनिक फेस्टिवल–2018
28 फरवरी, 2019	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

क्र.	दिनांक	गतिविधि
1.	02.06.2018	प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध हेतु विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के अवसर पर रैली
2.	21.06.208	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन
3.	08–22.08.2018	क्षेत्रीय जल क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र, पौंग डैम (कांगड़ा), हिमाचल प्रदेश में बेसिक वाटर स्पोर्ट ट्रेनिंग में दो एनएसएस स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया
4.	15.08.2018	विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया और वृक्षारोपण अभियान का भी आयोजन किया गया
5.	22.08.2018	विश्वविद्यालय के नए विद्यार्थियों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम का आयोजन
6.	14.09.2018	एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छता अभियान व मानव श्रृंखला बनाने में हिस्सा लिया
		छात्रों ने अग्नि सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा उपकरणों के बारे में जागरूकता हेतु फायर मॉक ड्रिल में भागीदारी की
7.	22.09.2018	30 स्वयंसेवकों ने गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार में एनएसएस स्टेट अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया
8.	02.10.2018	गांधी जयंती के अवसर पर 'गाँधी और स्वच्छता पर उनके विचार' पर आधारिक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया व परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया
9.	30.10.2018	सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम
10.	16–22.11.2018	विश्वविद्यालय में 7 दिवस का एनएसएस वार्षिक शिविर का आयोजन
11.	28.11.2018	चौथे रक्तदान शिविर का आयोजन
12.	23–29.12.2018	जामिया मिलिया इस्लामिया में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में 2 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया
13.	17–18.01.2019	विश्वविद्यालय में डॉ. लाल पैथ लैब्स के सहयोग से स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन
14.	18–24.01.2019	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर व प्रवासी भारतीय दिवस में 2 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया
15.	23.01.2019	एड्स कंट्रोल सोसायटी, हरियाणा के सहयोग से विश्वविद्यालय में एचआईवी/एड्स जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन
16.	07.02.2019	मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा का आयोजन
17.	07.02.2019	आरटीए हरियाणा एवं जिला प्रशासन के सहयोग से सड़क सुरक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
18.	19.02.2019	गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार में 'ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई' अभियान में भागीदारी
19.	10–16.03.2019	भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर शिविर में 2 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया
20.	17.03.2019	विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया
21.	22–28.03.2019	गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार राष्ट्रीय स्तर के एनएसएस शिविर में 8 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया
22.	27–28.03.2019	एमजीएनसीआरई, हैदराबाद के सहयोग से एनएसएस पीओ का दो दिवसीय रूरल इमरसन कैम्प का आयोजन

वर्ष की मुख्य गतिविधियों की झलकियाँ / Major Events at a Glance

'ज्ञान' कोर्स के प्रतिभागियों व शिक्षकों को संबोधित करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

70 वें गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण करते हकेंवि के कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

अभिलाषा स्वावलंबन केन्द्र में बच्चों को गर्म कपड़े प्रदान करते हुए हकेंवि के कुलपति प्रोफेसर आर. सी. कुहाड़ व अन्य।

डॉ. अशोक चोलि का समृति चिन्ह देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

डॉ. इतेंद्र सिंह हकेंवि के शिक्षकों व ज्ञान कोर्स प्रतिभागियों के साथ।

डॉ. हाओ लियू का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत करते हकेंवि के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

प्रयोगशाला में काम करते विद्यार्थी।

प्रो. अफजल वाणी को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

प्रो. जे. के. बत्रा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

वर्ष की मुख्य गतिविधियों की झलकियाँ / Major Events at a Glance

प्रो. वीरेंद्र अलंकार का स्मृति चिह्न भेट कर स्वागत करते प्रो. रणवीर सिंह

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रो. राजेश कुमार मलिक।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते प्रो. डी. पी. एस. वर्मा.।

विश्वविद्यालय के सीआईएसईडी के द्वारा जारी प्रयासों का अवलोकन करते कुलपति व अन्य।

विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

विश्वविद्यालय में वर्ड फूड डे के अवसर पर आयोजित सेमिनार में अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

वर्ष की मुख्य गतिविधियों की झलकियाँ / Major Events at a Glance

शिविर के लिए रवाना होने से पूर्व कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. राजेश मलिक साथ ऋतुराज व अपर्णा सैनी।

शिविर में हिस्सा लेकर लौटी हकेंवि की छात्राएं कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ के साथ।

समाजसेवी मंजु कौशिक का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हकेंवि के विद्यार्थी।

स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए कुलसचिव श्री राम दत्त।

स्वास्थ्य जाँच शिविर का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

हकेंवि के पांचवें दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति व कुलसचिव।

हकेंवि के पांचवें दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. एम. जगदेश कुमार।

वर्ष की मुख्य गतिविधियों की झलकियाँ / Major Events at a Glance

हकेंवि के पांचवें दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

हकेंवि के पांचवें दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. पी. एल. चतुर्वेदी।

हकेंवि के पांचवें दीक्षांत समारोह के अवसर पर विद्यार्थी को उपाधि प्रदान करते मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति व कुलसचिव।

हकेंवि के स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

हकेंवि के स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

हकेंवि के स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

हकेंवि के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर जारी करते हुए कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़। साथ में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि।

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में पुष्प गुच्छ भेंट कर डॉ. डी.पी. वत्स का स्वागत करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. रवि प्रकाश आर्य का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

वर्ष की मुख्य गतिविधियों की झलकियाँ / Major Events at a Glance

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों के बीच उपस्थित कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ व मंचासीन अतिथिगण।

हकेंवि में आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रतिभागी हकेंवि के कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ व प्रो. प्रेम व्रत के साथ।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉ. गरिमा मित्तल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. रोटिमी अलोको का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

हकेंवि में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन-2019 की ओवरऑल विजेता ट्राफी के साथ एमडीयू टीम कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ व अन्य अतिथियों के साथ।

हकेंवि में आयोजित हिंदी कार्यशाला में डॉ. जगदीश प्रसाद को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

हकेंवि में जल संरक्षण पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

वर्ष की मुख्य गतिविधियों की झलकियाँ / Major Events at a Glance

हकेंवि में जल संरक्षण पर आयोजित कार्यशाला में राजेंद्र सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

हकेंवि में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पुष्प गुच्छ भेंट कर डॉ. साकेत सहाय का स्वागत करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

हकेंवि में व्याख्यान देते प्रो. ऑलेक्सांद्र।

हकेंवि में हरियाणा दिवस के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ व अन्य।

हिंदी पखवाडा के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपना संबोधन देते कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़।

हकेंवि के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति, कुलसचिव व अन्य गणमान्य अतिथिगण।

हकेंवि के स्थापना दिवस कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़। साथ में मुख्य अतिथि प्रो. मारकण्डेय आहूजा व विशिष्ट अतिथि अनिल कौशिक।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में आईएटीएलआईएस के अध्यक्ष प्रो. आई. वी. मलहन विश्वविद्यालय कुलपति व कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. आर. सी. कुहाड़ का स्वागत करते हुए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कम्युनिकेशन स्किल्स और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कोर्स में सफल विद्यार्थी प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ के साथ।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हकेंवि में 'जन-जन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय' आयोजित

भारत को आगे बढ़ाने में विज्ञान की अहम भूमिका : प्रो. कुहाड़

- विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रो. एस.एस. चौहान व विशेष अतिथि के तौर पर प्रो. आर.के. कोटनाला ने किया संबोधित
- विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, स्थानीय विद्यालयों व महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए मॉडल

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सीवी रमन की याद में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 'जन-जन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय' के नाम से मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों सहित 4 महाविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों सहित 3 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपने मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने सभी माडलों का अवलोकन किया और विद्यार्थियों व विभागों को प्रोत्साहित किया।

कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार अपने दरवाजे हर आम और खास के लिए खोले और इसी का परिणाम है कि स्थानीय लोगों ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों को करीब से जाना-समझा। कुलपति ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से जहां एक ओर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों ने अपने शोध व अध्ययन कार्यों को प्रस्तुत किया

महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़।

वहीं दूसरी ओर हरियाणवी संस्कृति को सहेजने वाले रघुवेंद्र की धरोहर से भी लोग अवगत हुए। कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के प्रो. श्याम सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि व राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला (एनपीएल), नई दिल्ली के प्रो. आर.के. कोटनाला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ये रहे विजेता : विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय व प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा गया। प्रथम पुरस्कार आरपीएस कॉलेज, महेंद्रगढ़ व नवप्रवर्तन, कौशल एवं उद्यमिता विकास केंद्र (सीआईएसईडी) हकेंवि को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग व सूरज डिग्री कॉलेज को प्राप्त हुआ। इसी कड़ी में तृतीय पुरस्कार विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग व चीवॉक के अपशिष्ट प्रबंधन विभाग को दिया गया। इसी तरह तीन प्रोत्साहन पुरस्कार श्रीओम साईं राम इंटरनेशनल स्कूल, एनआरवी पब्लिक स्कूल व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेहलंग को प्रदान किया गया। कुलपति ने ये पुरस्कार अतिथियों के साथ विजेताओं को प्रदान किए।

अपने संबोधन में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि भारत को आगे बढ़ाने में विज्ञान की भूमिका अहम है। उन्होंने बताया कि भारत आज से नहीं बल्कि पुरातन काल से विज्ञान के मोर्चे पर विश्व में सबसे आगे रहा है। फिर वह चाहे वेदों में सौर मण्डल की बात हो या फिर वनस्पति विज्ञान की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो. एसएस चौहान ने श्वेत रक्त कणों पर आधारित अपने शोध से विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को अवगत कराया। उन्होंने ल्यूकीमिया पर चर्चा करते हुए उसके कारणों पर प्रकाश डाला और उससे होने वाली हानि से भी अवगत कराया। इसी तरह विशेष अतिथि प्रो. आरके कोटनाला ने हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी पर अपने विचार व्यक्त किए और उसके महत्व से सभी को अवगत कराया। विश्वविद्यालय की ओर से इस मौके पर विभिन्न विभागों को एक निर्धारित पैमाने के तहत स्टार रैंकिंग भी प्रदान की गई। जैव प्रौद्योगिकी विभाग को 5 स्टार, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग व राजनीति विज्ञान विभाग को 4 स्टार, अर्थशास्त्र विभाग को 3 स्टार, जैव रसायन विज्ञान विभाग को 2 स्टार व पर्यावरण अध्ययन विभाग को 1 स्टार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में विज्ञान और उसके महत्व के संबंध में प्रो. नवल किशोर ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और बताया कि किस तरह से विज्ञान हमारे जीवन में बदलाव लाया है।

कार्यशाला • हरियायणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी कार्यशाला आयोजित, कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ बोले-

हिंदी से प्रेम, राष्ट्र से प्रेम और विवि इसके प्रचार-प्रसार को कटिबद्ध

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग की ओर से हिंदी कार्यशाला आयोजित दी गई। इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में दि स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड के राजभाषा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. जगदीश प्रसाद उपस्थित रहे।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार भारत की राजभाषा हिंदी है और इसके अनुपालन के लिए हिंदी का प्रशिक्षण आवश्यक है। इसलिए विश्वविद्यालय में प्रत्येक तिमाही में इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित की जाती है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि हिंदी से प्रेम राष्ट्र से प्रेम है और विश्वविद्यालय इसके प्रचार-प्रसार के लिए कटिबद्ध है।

प्रो. कुहाड़ ने विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला के संबंध में कहा कि इसका उद्देश्य कार्यालयीन व्यवहार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना है। मुझे खुशी है कि विश्वविद्यालय में हिंदी का प्रयोग शैक्षणिक व शैक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा कार्यालय प्रयोग में लगातार बढ़ रहा है। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ डॉ. जगदीश प्रसाद ने कहा कि हिंदी का प्रयोग आसान है, क्योंकि यह हमारी अपनी भाषा है। तकनीकी मोर्चे पर अगर कुछ समस्याएं आ रही हैं तो कुछ प्रयासों के द्वारा उनका समाधान किया जा सकता है। उन्होंने संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए गुगल इनपुट के माध्यम से हिंदी टाइपिंग की जानकारी प्रतिभागियों को दी। गुगल के अन्य एप्स का उपयोग हिंदी अनुवाद एवं टाइपिंग में किस प्रकार किया जा सकता है। कार्यशाला का द्वितीय सत्र कम्प्यूटर लैब में आयोजित किया गया। इस दौरान कम्प्यूटर पर हिंदी में काम करने से संबंधित समस्याओं के समाधान की प्रायोगिक जानकारी दी गई। इस मौके पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, कर्मचारी विद्यार्थी व शोधार्थी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित हिंदी कार्यशाला में डॉ. जगदीश प्रसाद को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

आयोजन • हकेंवि में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं क्षमता निर्माण पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षक उच्च शिक्षा के विकास की धुरी : प्रो. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं क्षमता निर्माण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रविवार को दि नॉर्थ कैप यूनिवर्सिटी गुड़गांव के समकुलाधिपति प्रो. प्रेम व्रत विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने प्रो. व्रत का स्वागत किया।

प्रो. प्रेम व्रत ने 'उच्च शिक्षा में रोजगार-परक शिक्षा' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और शिक्षकों को गुणवत्ता के मापदंडों से अवगत कराया। उन्होंने उत्प्रेरणा और समर्पण की भावना को उत्कृष्टता के लिए आवश्यक माना। उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय शिक्षक, मूल्य आधारित शिक्षा और ढांचागत विकास के साथ उच्च शिक्षण संस्थाओं के स्तर को विकसित किया जा सकता है। प्रो. व्रत के अनुसार जिज्ञासु विद्यार्थी, संतुलित और प्रासंगिक पाठ्यक्रम, संगठित परीक्षा प्रणाली एवं शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक स्थिति को समझने की क्षमता पठन-पाठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपने उद्बोधन में उन्होंने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ और विश्वविद्यालय परिवार की सराहना की और बधाई दी।

केन्द्रीय विवि में राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभागियों के साथ विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्य।

हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल, चंडीगढ़ के सहयोग से मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के तहत आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कार्यशाला में 'उच्च शिक्षा में व्यावसायिक नैतिकता और मूल्य' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि ज्ञान की प्राप्ति शिक्षा से होती है। समय में होने वाले बदलावों के कारण प्रत्येक युग में शिक्षा का उद्देश्य व स्वरूप बदल जाता है। उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण के इस युग में शिक्षा का लक्ष्य डिग्री प्राप्त कर व्यवसाय हासिल कर लेना रह गया है।

शिक्षा का उद्देश्य करियर बनाने के साथ-साथ समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाना भी होना चाहिए। आज की शिक्षा में नैतिक मूल्य और चारित्रिक विकास बहुत पीछे छूट गया है। नैतिकता के द्वारा हमें एक-दूसरे की सहायता करके हमें समाज को सशक्त बनाने का प्रयास करना चाहिए। अंत में शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता और कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रमोद कुमार ने अतिथि वक्ता, कुलपति एवं शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिक्षा हकेंवि में मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) पर आधारित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

ऑनलाइन अध्यापन की बारीकियों से अवगत हुए शिक्षक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में 'मुक्त शिक्षण संसाधन एवं मूक मूडलस के द्वारा ऑनलाइन शिक्षण, अध्ययन एवं मूल्यांकन' विषय पर चल रहे तीन दिवसीय नेशनल सेमीनार में गुरुवार को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. के श्रीनिवास ने प्रतिभागियों को ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज के विषय में बताया।

उन्होंने बताया कि किस तरह से ओपन एजुकेशन रिसोर्सेज को वेबसाइट पर देखा जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों को गूगल ड्राइव, प्रेजेन्टेशन ट्यूब, फ्लिकर, ओडोसीटी, ओईआर एप्स व कॉपीराइट के संबंध में जानकारी दी व उनका व्यावहारिक ज्ञान भी दिया।

विवि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कार्यशाला को मूक के निर्माण में शिक्षकों के लिए बेहद उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में मिले प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागियों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम के निर्माण में मिलेगा जो कि ऑनलाइन अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रसर एचआरडी मिनिस्ट्री के प्रयासों के लिए बेहद आवश्यक है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के तहत आयोजित इस कार्यशाला के दूसरे दिन अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए श्री दीपक बिसला ने यू-ट्यूब से संबंधित तकनीकी व कॉपीराइट से संबंधित जानकारियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को मूडल साइट पर पंजीकरण, पाठ्यक्रम डिजाइन, मूल्यांकन आदि का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला की संयोजक डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि इस दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में लगभग 60 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रो. नवल किशोर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

महेंद्रगढ़. केन्द्रीय विवि में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रतिभागी।

शोध की बारीकियां बताईं

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में एनआईआई, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक व जामिया हमदर्द के बायोकेमेस्ट्री विभाग के प्रमुख प्रो. जेके बत्रा ने विद्यार्थियों को शोध की बारीकियां बताईं। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने भी अपने विचार रखे। विवि के बायोकेमेस्ट्री विभाग के प्रभारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों व शिक्षकों ने इस व्याख्यान के दौरान विभिन्न सत्रों में सवाल-जवाब के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन डॉ. संजय कुमार ने किया।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

खानपान में बायोएक्टिव पेप्टाइड की भूमिका से कराया अवगत

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नांगल सिरोही, राधेश्याम (पंजाब केसरी) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत विद्यार्थियों को खानपान में बायोएक्टिव पेप्टाइड की भूमिका से अवगत कराने हेतु गुरूवार को विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस व्याख्यान में विशेषज्ञ के रूप में मानव पोषण विज्ञान विभाग, मैनीटोबा विश्वविद्यालय, कनाडा में कार्यरत प्रो. रोटिमी अलोको उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने इस अवसर पर विदेशी विशेषज्ञ प्रो. अलोको का स्वगात करते हुए कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रो. अलोको दूसरी बार विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित हुए हैं। प्रो. कुहाड़ ने खानपान में पोषण जीवविज्ञान के महत्त्व से अवगत कराते हुए स्पष्ट किया कि किस तरह से विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में भी विशेषज्ञों को तैयार करने की दिशा में प्रयासरत है। कुलपति ने प्रो. अलोको की उपस्थिति को विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि उन्हे यकीन है कि प्रो. अलोको के अनुभव का लाभ अवश्य ही हमारे विद्यार्थी व शिक्षक प्राप्त करेंगे। प्रो. रोटिमी अलोको ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम कुलपति का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे सदैव हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आकर अच्छा महसूस करते हैं। प्रो. अलोको ने अपने व्याख्यान के माध्यम से बायोएक्टिव पेप्टाइड के विभिन्न पक्षों से विद्यार्थियों व शोधार्थियों को अवगत कराया और बताया कि ये किस तरह से स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इस अवसर पर प्रो. अलोको ने विद्यार्थियों व शिक्षकों के द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया। पोषण जीवविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अश्वनी कुमार ने इस आयोजन के लिए माननीय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का धन्यवाद किया और कहा कि उनके मार्गदर्शन व प्रेरणा से ही विभाग इस तरह के आयोजन करा पा रहा है। इस अवसर पर स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लायड साइंसेज के डीन प्रो. प्रमोद मेहता ने विदेशी विशेषज्ञ प्रो. रोटिमी अलोको का धन्यवाद किया और कहा कि इस तरह के आयोजन समय-समय पर भविष्य में भी होते रहेंगे। इस मौके पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. रोटिमी अलोको को स्मृति चिह्न देकर स्वागत करते हुए कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़। (छाया- राधेश्याम)

आयोजन • 53वें हरियाणा दिवस के मौके पर हकेंवि ने कराया हरियाणा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचय

हरियाणवी सांस्कृतिक विरासत को सहेजना हमारा कर्तव्य : प्रो. कुहाड़

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने आयोजित की प्रदर्शनी व सांस्कृतिक कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

53वें हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हरियाणा की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संपदा को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की ओर से आयोजित हरियाणा राज्य पर केंद्रित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने किया। कुलपति कुहाड़ ने कहा कि इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर हरियाणा के इतिहास और समृद्ध संस्कृति की विभिन्न स्मृतियां उनके जहन में तरोताजा हो गई हैं। विद्यार्थियों व शिक्षकों के प्रयास से आयोजित इस प्रदर्शनी में हरियाणा की पुरातन व आधुनिक संस्कृति का संगम देखकर बेहद आनंद की अनुभूति हुई।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि मनुष्य की पहचान सदैव उसके इतिहास व सांस्कृतिक धरोहर से विश्व समुदाय में होती है। यही वजह है कि भारत का संविधान भी भारतीय सांस्कृतिक धरोहर अक्षुण्य रखने के कर्तव्य बोध को हर नागरिक में जागृत रखने का प्रयास करता है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम हरियाणा व देश की संस्कृति को सहेजने का हरसंभव प्रयास लगातार जारी रखें। उन्होंने कहा कि हकेंवि में भारत के विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं एवं प्राध्यापक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी कार्यरत है और इन सभी को हरियाणा की संस्कृति से रूबरू कराने का यह प्रयास बेहद सराहनीय है।

प्रदर्शनी में विभाग की ओर से कुछ ऐतिहासिक महत्व रखने वाले पुरातत्व अवशेषों को भी प्रदर्शित किया। मुख्य रूप से हरियाणा की प्रथम नगरीय सभ्यता, वैदिक सभ्यता, पानीपत की लड़ाई, हर्षवर्धन काल और 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा राज्य के योगदान का बखूबी चित्रण पेश किया गया। विभाग के प्रभारी डॉ. नरेंद्र परमार ने बताया कि इस प्रदर्शनी में न सिर्फ हरियाणा के इतिहास को प्रदर्शित किया गया है, बल्कि हरियाणा के ग्रामीण जीवन, कृषि, कुश्ती, यातायात के साधन, हवेलियों, कोस मीनार, महत्वपूर्ण सराय, बावड़ियों, व मंदिर वास्तुकला का भी चित्रण इस प्रदर्शनी में किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति ने फीता काटकर किया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार मलिक, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. वीर सिंह, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के प्रो. रणवीर सिंह, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. अमर सिंह सहित विभिन्न विभागों के प्रभारी व शिक्षक विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में हरियाणा दिवस के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व अन्य।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

यातायात नियमों का पालन करना हमारा कर्त्तव्य : प्रो. कुहाड़

हकेंवि में सड़क सुरक्षा सप्ताह के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 7 फरवरी (परमजीत/मोहन): राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में राज्य परिवहन प्राधिकरण के सहयोग से राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना हमारा कर्त्तव्य है और इसके निर्वहन में युवाओं की भूमिका बेहद अहम है। इस कार्यशाला में जिला उपायुक्त डॉ. गरिमा मित्तल मुख्यातिथि व अतिरिक्त उपायुक्त महावीर प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सड़क दुर्घटना को बड़ी समस्या बताया और कहा कि आंकड़े बताते है कि जितने लोग एक साल में आतंकवाद का शिकार होते हैं उससे कहीं ज्यादा लोग सड़क हादसों में अपनी जान गवां बैठते हैं। कुलपति ने इस अवसर पर सभागार में मौजूद विद्यार्थियों से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा के महत्त्व को समझें और उसे न सिर्फ अपने जीवन में अपनाएं बल्कि दूसरों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। कुलपति ने कहा कि सीट बैल्ट और हैलमेट आपकी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं इसलिए चालान नहीं बल्कि अपनी जिंदगी बचाने के लिए इनका इस्तेमाल अवश्य करें। प्रो. कुहाड़ ने विश्वविद्यालय में यातायात सुरक्षा के लिए लागू स्पीड लिमिट व हैलमेट की अनिवार्यता के नियम से भी अतिथियों को अवगत कराया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. गरिमा मित्तल ने अपने अनुभवों के माध्यम से बताया कि किस तरह से सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु से उसका समूचा परिवार बिखर जाता है। उन्होंने कहा कि अपने नहीं तो कम से कम अपने परिवार की चिंता करें और यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित घर पहुंचे। इस मौके पर डा. मित्तल ने छात्राओं को उनकी शक्ति का भी अहसास कराया और जीवन में सामने आने वाली चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला उपायुक्त महावीर प्रसाद ने आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि हर साल करीब डेढ़ लाख लोग सड़क हादसों में मारे जाते है और 5 लाख लोग घायल होते हैं। इसमें भी 30 फीसदी हादसे दोपहिया वाहन चालकों के साथ होते हैं, जिसमें 69 फीसदी युवा होते हैं। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के तौर पर टेक चंद यादव व चंडीगढ़ रैडक्रॉस से आए संजीव धीमान ने भी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। इस मौके पर भारी संख्या में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षक, विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि डा. गरिमा मित्तल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़। (मोहन)

राष्ट्रीय कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते कुलपति, साथ में जिला उपयुक्त डा. गरिमा मित्तल (मोहन)

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सम्बोधन करते कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस• हकेंवि में हुए विभिन्न कार्यक्रम, जांट गांव में निकाली जागरूकता रैली

राष्ट्र निर्माण में मौलाना अबुल कलाम आजाद की भूमिका अहम : प्रो. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

राष्ट्र निर्माण व शिक्षा के विकास में देश के स्वतंत्रता सेनानी व पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की भूमिका को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। उनके ही प्रयासों का नतीजा है कि हम आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से दुनियाभर में देश का नाम रोशन करने वाले सपूतों को तैयार कर पा रहे हैं। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का। उन्होंने अपने यह विचार संदेश के माध्यम से विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय

महेंद्रगढ़ के गांव जांट में जागरूकता रैली के दौरान शिक्षा का महत्व बताते प्रो. राजेश कुमार मलिक।

सामुदायिक जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए शिक्षा के प्रचार-प्रसार में प्रयासरत है।

कुलपति ने यकीन दिलाया कि सभी गोद लिए गांवों में शिक्षा के विकास में विश्वविद्यालय हर संभव शैक्षणिक मदद के लिए हमेशा तत्पर है। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता बताया कि सर्वप्रथम 8 नवंबर को महान स्वतंत्रता सेनानी प्रतिष्ठित शिक्षाविद भारत रत्न से सुशोभित मौलाना अबुल कलाम आजाद को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. नीरजा धनखड़, अधिष्ठाता

महेंद्रगढ़ में जागरूक रैली निकालते विश्वविद्यालय के विद्यार्थी।

प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजन के दूसरे दिन 9 नवंबर को 'शिक्षा का महत्व' विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के 38 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम श्रृंखला की अंतिम कड़ी में गोद लिए जांट गांव में शिक्षा के महत्व से संबंधित जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर जांट गांव के सरपंच होशियार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सरपंच श्री होशियार सिंह ने कहा कि गांव विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में हर संभव मदद के लिए सदैव तैयार है। इस आयोजन में शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों ने शिक्षा के महत्व को दर्शाते हुए एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण देते हुए प्रो. राजेश

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

हकेंवि में मनाया गया 'वर्ल्ड फूड-डे', वीसी बोले खाद्य सुरक्षा के लिए करना होगा मिलकर प्रयास

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बुधवार को 'वर्ल्ड फूड-डे' का आयोजन किया गया। विवि के पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त जीवन विज्ञान के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए 'खाद्य एवं पोषण जैव प्रौद्योगिकी की वर्तमान प्रवृत्ति' पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। वक्ताओं ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मु यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने खाद्य सुरक्षा व भारत में कुपोषण की समस्या विशेषकर बच्चों में पर अपनी बात रखी।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि 'वर्ल्ड फूड-डे' को मनाने के पीछे संयुक्त राष्ट्र संघ का उद्देश्य सबको पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करना है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय इस विषय को लेकर किस हद तक गंभीर है इस बात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हमारे यहां देशभर में सबसे पहले पोषण

विश्वविद्यालय में वर्ल्ड फूड डे के अवसर पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

बताया कि किस तरहे से हमारी आदतें और हमारा खानपान मोटापे की वजह बनता है। उन्होंने कहा कि अगर शहरी भारत की बात की जाए तो यहां 35 से 40 फीसदी लोगों की शारीरिक संरचना सही नहीं है। आईएआरआई, नई दिल्ली के फूड साइंस एंड पोस्ट हार्वेस्ट टैक्नोलॉजी के वैज्ञानिक डॉ. शालिनी गौड़ रूद्र ने बाजरा और स्यूडोसेरल्स के माध्यम से पोषण विविधता नवोन्मेषी एवं अनुप्रयुक्त जैव प्रसंस्करण केन्द्र, मोहाली के साईंटिस्ट-एफ डॉ. सुदेश कुमार ने भी प्रतिभागियों को खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए बायोप्रोसेसिंग में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका से अवगत कराया।

विवि के अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त जीवन विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद मेहता, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. गुंजन गोयल, डॉ. पवन कुमार मौर्य, डॉ. कश्यप कुमार

संगोष्ठी • -कृषि मंत्री ने हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया उद्घाटन

जीवन में बड़े ध्येय के लिए काम करें : ओमप्रकाश धनखड़

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है विश्वविद्यालय: कुलपति

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को 'शिक्षा द्वारा आध्यात्मिक विकास' विषय पर केन्द्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर धनखड़ ने विश्वविद्यालय के शिक्षा पीठ स्थित नवनिर्मित कम्प्यूटर लैब का भी उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर

शिक्षा पीठ में नवनिर्मित कंप्यूटर लैब का उद्घाटन करते कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, केविवि के वीसी प्रो. आरसी कुहाड़।

लक्ष्य को पाने के लिए किया जाने वाला श्रम ही अध्यात्म है

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर बी. एस. डागर ने जीवन-मूल्यों के महत्व को समझाया और कर्तव्य -निर्वहन के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय से आए डॉ. पंकज मिश्रा ने प्रतिभागियों को बताया कि अध्यात्म हमारे अंदर ही निहित है और अपने लक्ष्य को निर्धारित कर उनको प्राप्त करने के लिए किया जाने वाला श्रम ही अध्यात्म है। विशेषज्ञ डॉ. टी. एन. ओझा ने कहा कि ज्ञान अच्छे आचरण के अभाव में अधूरा है, इसलिए आचरण को बेहतर बनाने के लिए सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। कार्यक्रम में पहुंचे प्रो. सज्जाद अहमद ने कहा कि हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अन्तर्गत बेहद उल्लेखनीय कार्य जारी है और जहां तक इस संगोष्ठी की बात है तो इसका विषय मेरे दिल के बेहद करीब है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. वीर सिंह, शिक्षा पीठ की प्रो. नीरजा धनखड़, स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के प्रोफेसर रणवीर सिंह व शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद यादव आदि उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

आयोजन • विश्वविद्यालय के विभाग अपने उल्लेखनीय कार्यों का करेंगे प्रदर्शन

आज 'जन-जन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय' कार्यक्रम होगा, स्कूल व महाविद्यालय लेंगे भाग

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ गुरुवार 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन होने जा रहा है। 'जन-जन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय' नामक इस आयोजन में विश्वविद्यालय परिसर हर आम और खास के लिए खुला रहेगा। कोई भी व्यक्ति जो विश्वविद्यालय में जारी शिक्षण व शोध कार्यों की जानकारी पाने का इच्छुक है, वह हकेंवि आ सकता है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर उनकी उपलब्धियां प्रदर्शित की जाएंगी।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ का इस आयोजन के संदर्भ में कहना है कि 'जन जन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय' के आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय में जारी अध्ययन व शोध कार्यों के साथ-साथ संसाधनों के विकास से आमजन को अवगत कराना है। प्रोफेसर कुहाड़ ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के इस आयोजन में दो विशेषज्ञ व्याख्यान भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसके लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली के प्रोफेसर एसएस चौहान विशेष अतिथि व राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला (एनपीएल), दिल्ली के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक प्रो. आरके कोटनला विशिष्ट अतिथि रहेंगे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए किसी तरह की कोई औपचारिकता की जरूरत नहीं है।

आयोजन में लगने वाले स्टॉल पर जहां विज्ञान विषय के विभाग अपने रिसर्च कार्यों का प्रदर्शन करेंगे। वहीं सोशल साइंसेस से जुड़े विभाग अपने सामाजिक सरोकारों पर आधारित अध्ययन, अध्यापन से संबंधित शोध कार्य, पुस्तकें व मॉडल्स आदि का प्रदर्शन करेंगे।

जन उपयोगी शोध के लिए शिक्षकों को दिखाई राह

हकेंविवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने देखा शिक्षकों के शोध का प्रस्तुतिकरण, शोधों के लिए किया प्रोत्साहित

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शोध के मोर्चे पर शिक्षकों की ओर से जारी प्रयासों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने नई दिशा दिखाने की पहल की। कुलपति ने बीरवार को शिक्षकों के रिसर्च प्रोजेक्ट पर आधारित प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन करते हुए उन्हें जन उपयोगी रिसर्च के लिए प्रेरित किया।

शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह वेहद जरूरी है कि हम अपनी रिसर्च का नियमित मूल्यांकन करें और उसमें उपलब्ध ऐसी संभावनाओं को तलाशें जोकि हरियाणा प्रदेश, देश और समूचे विश्व के लिए उपयोगी साबित हो। कहा कि शिक्षक लक्ष्य निर्धारित कर अपने रिसर्च कार्य को आगे बढ़ाएं और समय-समय पर इसी तरह के प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सुधार, विस्तार की विभिन्न संभावनाओं पर एकजुट होकर चर्चा करें। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लेनरी एंड एप्लाइड लाइफ साइंसेस की ओर से रखे गए इस आयोजन में बायोकेमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, न्यूट्रीशन बायोलॉजी के शिक्षकों ने अपने रिसर्च कार्य की प्रगति

रिसर्च प्रोजेक्ट का प्रस्तुतिकरण देखते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

फूड फेस्टियल में हिस्सा लेकर लौटे विद्यार्थी कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ और अन्य।

शिक्षकों से उनकी रिसर्च पर केंद्रित यह प्रगति रिपोर्ट समय-समय में भविष्य में भी ली जाती रहेगी ताकि आवश्यक संशोधन, विस्तार, सुधार की संभावनाओं को समय रहते लागू किया जा सके।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और शोध के स्तर पर नियमित मूल्यांकन की प्रक्रिया जारी है और इस प्रयास से पूर्व विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता और आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की ओर से विभागीय स्तर पर जारी प्रयासों को लेकर प्रस्तुतिकरण सत्र का आयोजन किया जा चुका है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी इन प्रयासों के अंतर्गत स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लेनरी एंड एप्लाइड लाइफ

'बेहतर स्वास्थ्य के लिए जैविक खाद्य पदार्थों का सेवन जरूरी'

महेंद्रगढ़। वर्तमान परिवेश में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से खाद्य पदार्थों की प्रकृति और स्वाद पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप आज विभिन्न प्रकार की बीमारियों और पर्यावरण संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि हम खाद्य पदार्थों में हमारे पारंपरिक जैविक खाद्य पदार्थों का सेवन करें और कृषि में रासायनिक उर्वरकों की बजाय देसी खाद का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा किया जाए।

अहमदाबाद में आयोजित 16वें ट्रेडिशनल फूड फेस्टिवल में हिस्सा लेकर लौटी नवप्रवर्तन, कौशल एवं उद्यमिता विकास केंद्र (सीआईएसईडी) की टीम को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय में नवप्रवर्तन केंद्र के संयोजक प्रो. नवल किशोर ने बताया कि सीआईएसईडी में हमारे विद्यार्थियों की ओर से ऐसे कई जैविक व्यंजन तैयार किए गए हैं, जो खाने में स्वादिष्ट होने के साथ पौष्टिक भी हैं। नवप्रवर्तक ऋषिपाल के नेतृत्व में हमारे

विभिन्न राज्यों में आयोजित राष्ट्रीय आर्गेनिक फूड फेस्टिवल में हिस्सा लेकर हरियाणवी जैविक व्यंजनों को परोसा है। इसी कड़ी में केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय की ओर से आयोजित आर्गेनिक फूड फेस्टिवल में भी विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर हरियाणवी व्यंजनों के महत्व के बारे में बताया। कुलसचिव रामदत्त ने कहा कि हकेंविवि देश के नवप्रवर्तकों को आगे लाने के लिए हरसंभव सहायता देने के लिए तत्पर है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

प्रशिक्षण का प्रयोग शिक्षण कार्य में करें प्रतिभागी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 'शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं क्षमता निर्माण' विषय पर चल रहे आठ दिवसीय कार्यशाला का सोमवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि कार्यशाला के उद्देश्यों की पूर्ति तभी संभव होगी जब सभी प्रतिभागी कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का प्रयोग कर अपने व्यावसायिक दृष्टिकोण में परिवर्तन कर दैनिक शिक्षण कार्य में लागू करें। स्वामी दयानन्द सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने कहा कि भारत की ऐतिहासिक परंपरा एवं सांस्कृतिक ज्ञान के निर्णायक साधक रही जो मूल्यों से युक्त थी। इसलिए समाज के प्रबुद्ध नागरिक जो शिक्षक व्यवसाय को अपनाते हैं उन्हें मूल्यपरक दृष्टिकोण के प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

प्रो. आरसी कुहाड़। कुलपति।

शिक्षकों को विद्यार्थियों के लिए आदर्श उदाहरण बनना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलानुशासक एवं विधि विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार मलिक ने प्रतिभागियों के समक्ष अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने शिक्षकों को अपनी भूमिका में समाज की मांग के अनुरूप परिवर्तन कर नित नए प्रयोगों द्वारा शिक्षा का कार्य करने का आह्वान किया। इससे पूर्व हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल चंडीगढ़ के सहयोग से मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के तहत आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों द्वारा कार्यशाला में किए गए कार्यों की प्रस्तुति दी गई। छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की। शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार ने आभार प्रकट किया। सहायक आचार्य डॉ. रजनी कुमारी के संचालन में माइक्रोबायोलॉजी के सह-आचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह, प्रो. अमर सिंह, प्रो. नीलम सांगवान, प्रो.नीरजा धनखड़, कार्यशाला के संयोजक डॉ. अनोज राज, डॉ. अमित सिंह सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ अतिथि • जागरण

महेंद्रगढ़। मुख्य वक्ता प्रो. रवि प्रकाश आर्य को स्मृति चिन्ह भेंट करते प्रो. आरसी कुहाड़।

देश की अनुपम विभूति थे पंडित मदन मोहन मालवीय

महेंद्रगढ़। पंडित मदन मोहन मालवीय एक आदर्श शिक्षक, उच्चे वकील, हिंदी के अगाध प्रेमी, सनातन धर्म के प्रति समर्पित, स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, समाज सुधारक और भारत निर्माता थे। यह बात हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने पंडित मदन मोहन मालवीय का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान पर राष्ट्रीय चर्चा के दौरान कही। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम का कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने दीप-प्रज्जवलित करके संगोष्ठी का शुभारंभ किया। सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों कर्मचारियों एवं नेतृत्व प्रबंधन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं प्रशिक्षण योजना चल रही है। शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता डा. प्रमोद कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मालवीय के जीवन दर्शन एवं उनके शिक्षा के क्षेत्र में योगदान से अवगत कराना है। तीन सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वैदिक विज्ञान शोध संस्था, रोहतक के निदेशक प्रो. रवि प्रकाश आर्य थे।

शिक्षा पीठ की आशावरी पंडा ने पाया मातृभाषा गायन में पहला स्थान

- केंद्रीय विवि में आयोजित की गई प्रतियोगिता

[illegible]

महेंद्रगढ़। विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए प्रो. आरसी कुहाड़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। [illegible] मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत [illegible] मातृभाषा में गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि मातृभाषाओं का विकास एवं उनका अधिक से अधिक उपयोग करना हमारा कर्तव्य [illegible] प्रतिभागियों का [illegible] किया। प्रतिभागियों में [illegible] प्रथम, द्वितीय, तृतीय व प्रोत्साहन पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थियों को कुलपति ने पुरस्कार राशि वितरित करते हुए उनके प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर खुशी जाहिर की कि विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में [illegible] प्रतिभागियों को [illegible] गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. वीर सिंह ने मातृभाषा का महत्त्व बताया। गायन प्रतियोगिता में कुल 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आयोजन • अमेरिकी विशेषज्ञ देंगे मेटाबोलोमिक्स इन फूड एंड न्यूट्रीशन साइंस का ज्ञान

हरियाणा केंद्रीय विवि में 'ज्ञान कोर्स सप्ताह' शुरू

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार से 'मेटाबोलोमिक्स इन फूड एंड न्यूट्रीशन साइंस रिसर्च फ्रॉम कॉन्सेप्ट्स टू एप्लिकेशंस विषय पर 'ज्ञान कोर्स सप्ताह का शुभारंभ हो गया है। यह कार्यक्रम हकेंवि के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (एमएचआरडी) की ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (ज्ञान) योजना के तहत आगामी 19 फरवरी तक चलेगा।

इस कोर्स में मेटाबोलोमिक्स की जानकारी दी जाएगी। इस 'ज्ञान' कोर्स के लिए विश्वविद्यालय में विदेशी विशेषज्ञ गायकवाड़ स्टीरॉयडोमिक्स लैब, संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापक एवं सीईओ प्रो. निलेश विलियम भ विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. वीर सिंह; जीवन विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. सतीश कुमार; विधि, शासन, लोकनीति एवं प्रबंधन पीठ के अधिष्ठाता राजेश कुमार मलिक; कला, पंत की उपस्थिति में हुआ। प्रो. वीर सिंह व प्रो. राजेश कुमार मलिक ने प्रतिभागियों को शुभकामना दी।

केन्द्रीय विवि में 'ज्ञान' कोर्स में प्रतिभागियों को संबोधित करते विदेशी विशेषज्ञ प्रो. निलेश विलियम गायकवाड़।

ज्ञान के स्थानीय समन्वयक प्रो. सतीश कुमार ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड और तमिलनाडु आदि के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों से कुल 53 प्रतिनिधि इस कोर्स में हिस्सा ले रहे हैं। कोर्स के समन्वयक डॉ. तेजपाल ढेवा ने बताया कि 'ज्ञान' कोर्स के लिए विदेशी विशेषज्ञ गायकवाड़ स्टीरॉयडोमिक्स लैब, संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापक एवं सीईओ प्रो. निलेश विलियम गायकवाड़ हैं। वे इस

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

विशेषज्ञ व्याख्यान • मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह ने बताया जल का महत्व

नदियों से भारत के लोगों को जोड़ना जरूरी : राजेंद्र सिंह
जल का मोल पहचानना होगा, जल है तो कल है : कुलपति

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह उर्फ 'पानी वाले बाबा' ने विशेषज्ञ व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को पानी के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि बूंद-बूंद कीमती है और इसका प्रयोग बेहद सावधानी से करने की जरूरत है।

पानी वाले बाबा ने कहा कि नदियों को जीवित करने के लिए जरूरी है कि उन्हें समाज के साथ, भारत के लोगों के साथ जोड़ा जाए। विश्वविद्यालय के इको क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सभागार में मौजूद सदस्यों से अपील की कि वे जल के मोल को पहचाने।

महेंद्रगढ़ के हकेंवि में जल संरक्षण पर आयोजित कार्यशाला में व्याख्यान देते राजेंद्र सिंह।

प्रयास जरूरी है। उन्होंने बताया कि किस तरह से उन्होंने 11 हजार 800 जलाशयों को पुनर्जीवित करने का कार्य बिना किसी सरकारी आर्थिक मदद के आम लोगों के सहयोग से पूरा किया। नीर, नारी और नदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को जल संचयन

ये रहे मौजूद : कार्यक्रम के अंत में जीवन विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. सतीश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. आर.एन. यादव, प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. संजीव कुमार, प्रो. दीपक पंत, प्रो. अमर सिंह, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीरजा धनखड़, डॉ. अजय बंसल, इको क्लब के समन्वयक डॉ. विकास गर्ग, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. कश्यप कुमार दुबे सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्र की उन्नति में मीडिया की भूमिका अहम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

आज का मीडिया समाज, देश व विश्व को एक नई दिशा प्रदान करने का कार्य करता है। ऐसे में किसी भी राष्ट्र की उन्नति में मीडिया की भूमिका अहम हो जाती है और यही वजह है कि मीडिया को भारत में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। यह कहना है हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का। उन्होंने अपने ये विचार विश्वविद्यालय में 'आज का मीडिया और समाज' विषय पर आयोजित व्याख्यान में व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा

हकेंवि में आयोजित कार्यक्रम में पुष्प गुच्छ भेंट कर डॉ. डीपी वत्स का स्वागत करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

कार्यक्रम में सांसद ने विश्वविद्यालय के महिला व पुरुष छात्रावास में जिम की सुविधा हेतु पांच लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की दिशा में प्रयासरत रहना चाहिए। डॉ. डी.पी. वत्स ने अपने अनुभवों के आधार पर खाप पंचायतों और समाज में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

सकते हैं। राजेश बादल ने विद्यार्थियों से कहा कि यदि वे इस पेशे में आना चाहते हैं तो नकारात्मक दृष्टिकोण को त्याग दें। उन्होंने मीडिया के क्षेत्र में आने वाले विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया। विश्वविद्यालय पहुंचे अतिथियों ने शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर दीप प्रज्वलित कर देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों को नमन किया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. बीर सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार मलिक, भौतिकी एवं गणितीय विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. नवल किशोर, स्वामी

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

भारत-कोरिया युवा संवाद का हिस्सा बनी हकेंवि की छात्रा

प्रतिभागिता प्रमाण पत्र लेती हकेंवि की छात्रा यामिनी शंकर। मोहन

महेंद्रगढ़, 7 मार्च (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा यामिनी शंकर ने भारत-कोरिया युवा संवाद के अंतर्गत बीते दिनों राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कोरिया व भारतीय आवेदकों में से हुआ और उन्होंने इस आयोजन में युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त की। कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की छात्रा यामिनी शंकर की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि युवाओं के बीच संवाद की यह (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई के संयोजक डा. दिनेश चहल ने बताया कि दिल्ली स्थित कोरिया दूतावास में आयोजित इस कार्यक्रम में भागीदारी का उद्देश्य दोनों देशों के युवाओं को बौद्धिक रूप से जोड़ना है।उल्लेखनीय

हकेंवि में बने ब्लॉक का दृश्य। मोहन

माननीय प्रधानमंत्री का दक्षिण कोरिया दौरा है।

हकेंवि के 6 विद्यार्थियों को मिला प्लेसमैंट

महेंद्रगढ, 7 मार्च (मोहन/परमजीत): विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रयासों के तहत कैम्पस प्लेसमैंट के आयोजन की प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान पीठ की ओर से इस संबंध में आयोजित कैम्पस प्लेसमैंट सत्र के माध्यम से 6 विद्यार्थियों को रोजगार दिलवाने में सहयोग किया गया। इसके लिए विद्यार्थियों को अधिकतम 7 लाख

भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप विद्यार्थियों को कैम्पस प्लेसमैंट के अवसर उपलब्ध कराये जाते रहेंगे।

रसायन विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. दीपक पंत ने बताया कि इस कैम्पस प्लेसमैंट के लिए विश्वविद्यालय ने पावर प्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड, भिवाड़ी के प्रतिनिधि कैम्पस में आए। उन्होंने अपनी जरूरतों के अनुसार कैम्पस प्लेसमैंट की प्रक्रिया के अंतर्गत करीब 200 विद्यार्थियों व पूर्व छात्रों की लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के पश्चात 6 विद्यार्थियों का चयन 3 लाख 60 हजार रूपए से 7 लाख 20 हजार रूपए के पैकेज पर किया। प्रो. पंत ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ की प्रेरणा व मार्गदर्शन

हकेंविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

शिक्षा के क्षेत्र में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान की भूमिका अहम

एलआईएस एजुकेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग केपेसिटी बिल्डिंग एंड द सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का किया गया आयोजन

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से एलआईएस एजुकेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग केपेसिटी बिल्डिंग एंड द सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ सोमवार को हुआ। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस दिशा में हमें तकनीक के साथ मिलकर काम करना होगा। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज व ई-अध्ययन

नई सोच के साथ इनोवेशन पर देना होगा जोर

उन्होंने कहा कि आज के दौर में इस क्षेत्र में प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता है। जिसे पूरा करने के लिए अध्ययन के साथ-साथ नई सोच के साथ इनोवेशन पर भी जोर देना होगा। उन्होंने न्यू मीडिया व रिसोर्स की बात करते हुए कहा कि आज बेहद जरूरी है कि हम बदलावों को समझे और उनके अनुरूप ही खुद को तैयार करें। विशिष्ट अतिथि प्रो. डीवी सिंह प्रमुख लाइब्रेरी सिस्टम

रूपरेखा प्रस्तुत की

विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे राष्ट्रीय सम्मेलन के संदर्भ में विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के प्रभारी डा. पवन सैनी ने बताया कि इस दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में रूपरेखा, आईएटीएलआईएस, महासचिव डा. एचपीएस कालरा ने प्रस्तुत की। इस मौके पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रो. एसएम शाफी को, प्रो. जोगिंदर सिंह रामदेव लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड- 2018 व प्रो. प्रीती महाजन पंजाब विश्वविद्यालय को प्रो. एसपी नारंग रिसर्च प्रमोशन अवॉर्ड-2018 से नवाजा गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. राजेश मलिक, अधिष्ठाता शोध प्रो. संजीव कुमार, प्रो. अमर सिंह, प्रो. दीपक पंत, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. नीरजा धनखड़ आदि मौजूद थे।

प्रज्ज्वलित कर की। सम्मेलन के

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

लैंगिक समानता के प्रति किया प्रेरित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए लैंगिक समानता हेतु मिलकर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे की सोच बदलने के लिए जरूरी है कि पहले हम अपनी सोच बदले और खुद से ही लड़का-लड़की के स्तर पर होने वाले भेदभाव को दूर करें।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड चार में आयोजित इस कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ महिला थाना प्रभारी मीनाक्षी ने छात्राओं को उनकी सुरक्षा के लिए उपयोगी दुर्गा शक्ति एप की जानकारी दी। उन्होंने अपने साथियों की मदद से छात्राओं को बताया कि वे किस तरह इस एप का प्रयोग कर पुलिस की मदद पा सकती हैं। इस मौके पर मीनाक्षी ने छात्राओं को कानून में उन प्रावधानों से भी अवगत

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में छात्राओं को दुर्गा शक्ति एप की जानकारी देते महिला थाना प्रभारी मीनाक्षी। *फोटो :हरिभूमि*

कराया, जिनकी मदद से किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार व उत्पीड़न से निपट सकती हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस सदैव उनकी मदद के लिए तत्पर है और उनके पास जाने से घबराएं नही। इससे पूर्व कार्यक्रम में एक पैनल डिसकशन का आयोजन किया गया, जिसमें जप्रो. नीलम सांगवान, शिक्षा विभाग की प्रो. सारिका शर्मा, सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

संवाद से ही सामाजिक विकास का रास्ता : प्रो. कुहाड़

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) व राज्य उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा के सहयोग से दो दिवसीय ग्रामीण प्रक्षालन कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हो गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने प्रतिभागियों को सामाजिक सरोकारों से अवगत कराया और बताया कि किस तरह से हम आपसी संवाद व तालमेल से समाज को बेहतरी की ओर ले जा सकते हैं। कुलपति ने इस अवसर पर ग्रामीण पृष्ठभूमि में आ रहे बदलावों का जिक्र करते हुए कार्यशाला में सम्मिलित प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वे समस्याओं के समाधान पर विचार करें और इस कार्यशाला के माध्यम से ग्रामीण

कार्यशाला में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड के साथ विद्यार्थी • जागरण

क्षेत्रों में हो रहे समाज उपयोगी प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

कुलपति ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई और उससे जुड़े स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि मुझे गर्व है कि हमारे विद्यार्थी हर मौके पर अपने कार्यों से विश्वविद्यालय का नाम ऊंचा कर रहे हैं। कुलपति ने इस कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को एक शिक्षक होने के नाते उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराया और उनके निर्वहन के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने इस मौके पर तीन एस (स्टूडेंट, सर्विस व सोसायटी) का मंत्र भी दिया और बताया कि किस तरह से वे इस मंत्र के माध्यम से समाज की बेहतरी में भागीदार बन सकते हैं। इस मौके पर स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. संजीव कुमार ने दिया और विवि की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने अगले दो दिनों में होने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रतिभागियों से साझा की। यह आयोजन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद के सहयोग से किया जा रहा है।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

स्थापना दिवस • हकेंवि में 'स्पंदन-2019' का रंगारंग शुभारंभ, वीसी ने पेश किया विवि की उपलब्धियों का ब्योरा

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की मिनी इंडिया की सतरंगी झलक

भविष्य की योजनाओं से भी कराया अवगत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'स्पंदन-2019' का रंगारंग शुभारंभ हुआ। इसमें कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का ब्योरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विश्वविद्यालय ने बीते चार वर्षों में उपलब्धियों के मोर्चे पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विश्वविद्यालय समुदाय को संदेश के माध्यम से संबोधित किया। कुलपति ने मुख्यमंत्री का संदेश पढ़ते हुए बताया कि मुख्यमंत्री विश्वविद्यालय की प्रगति से खुश हैं और उन्हें इस बात पर गर्व है कि हकेंवि अपने में एक मिनी इंडिया को सहेज कर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. मार्कण्डेय आहूजा, कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर थे। विशिष्ट अतिथि अनिल कौशिक, निदेशक, हरियाणा कला परिषद, चंडीगढ़ रहे। विश्वविद्यालय का न्यूज लेटर व ब्लाइंडोनर डायरेक्ट्री का अतिथियों ने विमोचन किया।

स्वागत भाषण में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि पिछले तीन-चार वर्षों में विश्वविद्यालय ने किस तरह से संसाधनों के विकास, शोध के क्षेत्र व शिक्षण के आधुनिकीकरण की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कुलपति ने बताया कि किस तरह से विश्वविद्यालय शिक्षण के मोर्चे पर 'मूक्स' का प्रयोग कर रहा है और विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन व्याख्यान उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रसर है। मुख्य अतिथि प्रो. मारकंडेय आहूजा ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रगति देखकर वे बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि भारत के कई रंग हैं और रंगों की यह विविधता ही भारत का परिचय है और भारत का यही रंग आज हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में देखने को मिला। अनिल कौशिक ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग प्रस्तुतियों को देखने के बाद घोषणा की कि वे हरियाणा कला परिषद, चंडीगढ़ के माध्यम से विश्वविद्यालय में दो आयोजन प्रायोजित करेंगे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। फिर वो चाहे बिहार का छट पर्व हो या फिर गुजरात का डांडिया उत्सव। विद्यार्थियों ने बेहद मोहक अंदाज में जगन्नाथ पुरी से लेकर केरल, हरियाणा, दिल्ली व पंजाब आदि राज्यों की कला, संस्कृति व सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत किया। तीन विजेता टीमों की भी घोषणा की गई, जिसमें पहला स्थान बिहार का रहा, दूसरा उड़ीसा व तीसरा स्थान दिल्ली का रहा।

कार्यक्रम के अंत में स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणधीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और इस आयोजन हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, कुलानुशासक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता व शैक्षणिक अधिष्ठाता को धन्यवाद दिया और इसके साथ-साथ इस आयोजन में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी शिक्षकों व शैक्षणेत्तर कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि के स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

स्थापना दिवस पर पंजाबी डांस प्रस्तुत करते छात्र।

उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षक व कर्मचारी सम्मानित

हकेंवि में कर्मचारियों व शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित करने की परम्परा को लगातार दूसरे साल भी जारी रखा गया। प्रो. कुहाड़, कुलसचिव श्री रामदत्त व अनिल कौशिक ने शिक्षकों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। प्रो. सारिका शर्मा, अधिष्ठाता कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ, डॉ. चंचल कुमार शर्मा, सह-आचार्य व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग व डॉ. देवेंद्र कुमार, प्रभारी, सांख्यिकी विभाग को शिक्षण व रिसर्च के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। शैक्षणेत्तर कर्मचारियों में परीक्षा विभाग के सहायक कुलसचिव सुंदर लाल शर्मा, पुस्तकालय विभाग के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश कुमार व शैक्षणिक अनुभाग के अवर श्रेणी लिपिक अमित यादव को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय कार्य के लिए सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेश कुमार को सम्मानित करते विवि के वीसी आरसी कुहाड़ व अनिल कौशिक।

416 छात्र-छात्राओं ने कुर्ता-पायजामा और साड़ी पहनकर ली उपाधि

हकेंविवि में पांचवे दीक्षांत समारोह में 13 विद्यार्थियों/शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 11 को पीएचडी, 33 को एमफिल और 416 को मिली स्नातकोत्तर की उपाधि

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को पांचवे दीक्षांत समारोह में 13 शोधार्थियों को स्वर्ण पदक, 11 को पीएचडी, 33 को एमफिल और 416 को स्नातकोत्तर उपाधि प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में भारतीय वेशभूषा कुर्ता-पायजामा, सूट सलवार और साड़ी में उपाधियां ली गई।

मुख्यातिथि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम जगदेश कुमार ने कहा कि आज का युग युवाओं का युग है। सूचना तकनीक के विकास और विज्ञान के बढ़ते कदमों को देखते हुए बेहद जरूरी है कि हम भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहें। विज्ञान व तकनीक के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि इसके बिना मानव का विकास संभव नहीं है। अर्जित ज्ञान का लाभ तभी प्राप्त हो सकता है, जब इसे दूसरों के साथ साझा किया जाए। आपके जीवन में खुशी तभी आएगी जब आप दूसरों की खुशी के लिए काम करेंगे। विशिष्ट अतिथि एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक प्रो. जेएस राजपूत ने कहा कि 20वीं सदी बदलाव की सदी थी तो 21वीं सदी बदलाव की गति की सदी है। इस गति के साथ कदम ताल मिलाकर चला जाए। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आपने क्या सीखा है बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि आपकी सीख के आगे क्या है। हमेशा ध्यान रखें कि हमें लक्ष्य को बड़ा रखना चाहिए।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विवि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि पिछले एक वर्ष में आठ नए प्रोजेक्ट के लिए 6.99 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सीएसआईआर, यूजीसी नेट/जेआरएफ की पात्रता उत्तीर्ण करने वालों की संख्या 2018 में बढ़कर 107 पहुंच गई। पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के अंतर्गत नेशनल रिसोर्स सेंटर (एनआरसी) के माध्यम से शिक्षकों के लिए वार्षिक रिफ्रेशर पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अनुदान आयोग की एकेडमिक एडवाइजरी काउंसिल ने 5 में से 4.5 रेटिंग प्रदान की है।

कुलाधिपति प्रो. पीएल चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में 'तैत्तिरीय उपनिषद्' में वर्जित दीक्षा मंत्र का उच्चारण कर उपाधि प्रदान की। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में की यह वेशभूषा हमें भारतीय परंपरा और संस्कृति की याद दिलाती है। समारोह में कुल 416 विद्यार्थियों को पीएच.डी., एमफिल. व स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की गई। पीएचडी डिग्री पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 11 रही तो 33 विद्यार्थियों को एमफिल और 416 को स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त हुई। 13 विद्यार्थियों को उनके उम्दा प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

इस मौके पर हकेंविवि के पूर्व कुलपति मेजर जनरल डॉ. रणजीत सिंह, दीनबंधु छोटू राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके अनावत, विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, कुलसचिव रामदत्त, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव, वित्त अधिकारी मनोरंजन त्रिपाठी, विभागों के विभागाध्यक्ष परंपरागत परिधानों में उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि को स्मृति चिह्न प्रदान करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

विद्यार्थी को उपाधि प्रदान करते मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि और कुलपति।

इन्हें मिला स्वर्ण पदक

- विकास, एमफिल (हिंदी)
- अजय कुमार, एमफिल, (अंग्रेजी)
- मीरजा मुनीब अनन, एमफिल (शिक्षा)
- मोहम्मद आरीफ मलिक, एमफिल (शिक्षा)
- भरखा, एमफिल (अर्थशास्त्र)
- राजकुमार साहा, एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान)
- ज्योति, एमएससी (गणित)
- मधु लता, एमएससी (बायोटेक्नोलॉजी)
- भावना स्वामी, एमएससी (रसायन विज्ञान)
- आयुषी जैन, एमएससी (भौतिकी)
- कोमल, एमए (मनोविज्ञान)
- रंजन कुमार, एमए (पत्रकारिता एवं जनसंचार)
- दीक्षा कालरा, एमएससी (माइक्रो बायोलॉजी)

पांचवें दीक्षांत समारोह की स्मारिका का विमोचन करते अतिथि, कुलपति और कुलसचिव।

समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय / University in the News

शोधित जल बचा रहा आने वाला कल

अमित सैनी • रेवाड़ी

जल है तो कल है और इसे बचाने के लिए हमें आज से ही संकल्पित होना होगा। महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस बात को समझा। कहते हैं कि इंसान की बेहतर सोच उसे बड़े बदलावों की ओर लेकर जाती है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया इस विश्वविद्यालय ने। करीब 500 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय में शोधित किया गया पानी ही बागवानी के लिए प्रयोग में लाया जाता है। हर रोज करीब एक लाख लीटर पानी बरबाद होने से बचाया जाता है। इसके साथ ही पेड़-पौधों को संरक्षित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा प्रयास किया जा रहा है।

अलग से लगाया गया है एसटीपी प्लांट : महेंद्रगढ़ जिला के गांव पाली में वर्ष 2009 में केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी। जल संरक्षण की दिशा में विश्वविद्यालय की तरफ से कुछ बड़े कदम उठाए गए हैं, जो दूसरों को भी सीख दे रहे हैं। पानी व्यर्थ न बहे इसको लेकर केंद्रीय विवि में अलग से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाया गया है। विश्वविद्यालय में इस्तेमाल होने वाला जितना भी पानी सीवरेज में जाता है, उसे री-साइकिल किया जाता है। पानी को साफ करके उसे पुनः इस्तेमाल करने योग्य बनाने के लिए एसटीपी प्लांट में भेजा जाता है। एसटीपी प्लांट में हर रोज 104 लीटर (करीब 1 लाख लीटर) पानी को साफ किया जाता है। शोधित किए गए पानी को विश्वविद्यालय में बागवानी में इस्तेमाल किया जाता है। गंदा पानी व्यर्थ न बहे और वह सीधे एसटीपी में ही जाए इसका विशेष ध्यान रखा गया है। विवि में बरसात के पानी को भी एकत्रित करके इस्तेमाल किया जाता है।

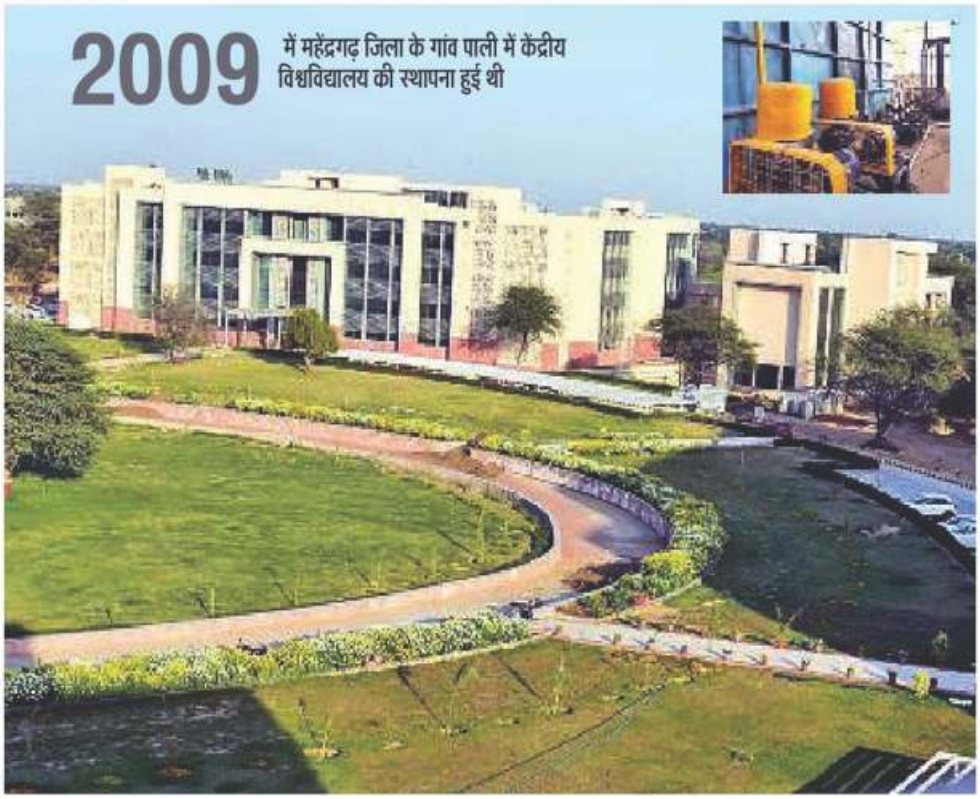

हरियाली की चादर में लिपटा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का परिसर और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (इनसेट में)

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में हर रोज करीब 104 लीटर पानी का होता है शोधन
- विवि में अलग से लगाया गया है सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, जिसमें शोधित जल से सींचे जाते हैं पौधे

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी. कुहाड़ का कहना है कि हमारा प्रयास विवि में ऐसी व्यवस्थाएं लागू करने जा रहा है, जिससे यहां का वातावरण पूरी तरह से पर्यावरण हितैषी बना रहे। एसटीपी के माध्यम से दूषित पानी का शोधन करके हम दो काम कर रहे हैं। एक तो पानी को व्यर्थ जाने से रोक रहे हैं दूसरा इसे बागवानी में इस्तेमाल करके विश्वविद्यालय को हरा भरा बना रहे हैं। हर छोटी-बड़ी संस्था अगर इसी तरह का प्रयास करे तो निश्चित तौर पर जल बचाने की मुहिम में बड़ी आहुति हम डाल सकते हैं।

प्रो. आरसी. कुहाड़, कुलपति

किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में वार्षिक प्रतिवेदन का अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।